समाज विकास

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन का मुखपत्र

• जून २०२६ • वर्ष ७७ • अंक ०६
मूल्य : ₹ १० प्रति, वार्षिक ₹ १००

१४ जून २०२६; अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की अखिल भारतीय समिति की द्वितीय बैठक की विशाखापट्टनम, आंध्र प्रदेश में आयोजित हुआ। बैठक की अध्यक्षता राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका ने की। चित्र में परिलक्षित है -- राष्ट्रीय उपाध्यक्षगण श्री गिरधारी लाल गोयनका, डॉ. सुभाष अग्रवाल, श्री राज कुमार मिश्रा, श्री पुरुषोत्तम सिंघानिया, श्री गोकुल चंद बजाज, राष्ट्रीय महामंत्री श्री केदारनाथ गुप्ता, पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री श्री पवन बसंल, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष श्री अनिल मलावत, आंध्र प्रदेश प्रांत के निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष श्री चांदमल अग्रवाल, प्रांतीय अध्यक्ष श्री ओम प्रकाश अग्रवाल, प्रांतीय महामंत्री श्री बालकिशन लोया, निवर्तमान प्रांतीय महामंत्री श्री पोडेश्वर पुरोहित, मध्यप्रदेश प्रांतीय अध्यक्ष श्री शरद सरावगी, कर्नाटक प्रांतीय अध्यक्ष श्री सीताराम अग्रवाल, छत्तीसगढ़ के प्रांतीय महामंत्री श्री जी. जी अग्रवाल एवं अन्य प्रांतीय पदाधिकारियों संग अन्य सदस्यगण।

निर्माणाधीन सीताराम रूँगटा मारवाड़ी सम्मेलन भवन का प्रारूप

इस अंक में

संपादकीय
- अपने ही घर में राजस्थानी बेगानी क्यों ?

अध्यक्षीय
- सफल प्रजातंत्र और सामाजिक सहभागिता

प्रांतीय समाचार
- पश्चिम बंग, सिक्किम, छत्तीसगढ़, गुजरात, पूर्वोत्तर, आंध्र प्रदेश, बिहार, कर्नाटक, झारखंड, उत्कल, उत्तर प्रदेश

रपट
- उच्च शिक्षा के लिए मिला २ लाख का अवदान
- अखिल भारतीय समिति की बैठक

संस्कार-संस्कृति चेतना विशेष पेज-१९
- छोटी सी बात में बड़ा संकेत
- अंतरराष्ट्रीय योग दिवस क्या है?
- दान का सौदा, महाभारत का सार

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की शुभकामनाएँ!

CENTURYPLY®

CENTURYPLY®

CENTURYLAMINATES®

CENTURYVENEERS®

CENTURYDOORS®

CENTURYEXTERIA®
Decorative Exterior Laminates

CENTURYPVC®

CENTURYPARTICLEBOARD®
The Eco-friendly and Economical Board

CENTURYPROWUD®
*MDF-The **wood** of the future*

zykron®
FIBRE CEMENT BOARDS & PLANKS

SAINIK 710
WATERPROOF PLY

SAINIK LAMINATES™
BOLD & BEAUTIFUL

CENTURY PLYBOARDS (INDIA) LTD.

Century House, P-15/1, Taratala Road, Kolkata - 700 088

For any queries, SMS 'CPIL' to 56070 or call us on **1800 5722 122**

समाज विकास

◆ जून २०२६ ◆ वर्ष ७७ ◆ अंक ६

◆ एक प्रति - ₹१० ◆ वार्षिक - ₹१००

अनुक्रमणिका

शीर्षक	पृष्ठ संख्या
● **असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा के उद्‌गार**	३
● **संपादकीय :** अपने ही घर मे राजस्थानी बेगानी क्यों?	४
● **अध्यक्षीय :** सफल प्रजातंत्र और सामाजिक सहभागिता	५-६
● **सम्मेलन समाचार एवं रपट** उच्च शिक्षा के लिए मिला ₹२ लाख का अवदान, अखिल भारतीय समिति की बैठक, पदम मेहता का स्वागत, एन.जी. खेतान को बधाई, सीताराम रूंगटा मारवाड़ी सम्मेलन भवन निर्माण कार्य का निरीक्षण, प्रेस विज्ञप्ति, सम्मेलन ने नन्दकिशोर अग्रवाल की प्राथमिक सदस्यता खारिज की	६-१०,१३-१४
विशेष **संस्कार-संस्कृति चेतना** छोटी सी बात में बड़ा संकेत, अंतरराष्ट्रीय योग दिवस क्या है?, दान या सौदा, महाभारत का सार	२१-२४
● **प्रांतीय समाचार** पश्चिम बंग, सिक्किम, छत्तीसगढ़, गुजरात, पूर्वोत्तर, आंध्र प्रदेश, बिहार, कर्नाटक, झारखंड, उत्कल, उत्तर प्रदेश,	१४-२०,२५-३२,३५-३६
● स्वास्थ्य ही धन है	३७
● **विचार :** थोथी प्रतिष्ठा और समाज की दिशा	३८
● **आलेख :** मायड़ भासा में भणाई - टाबरां रो अधिकार – रामजी लाल घोड़ेला, आत्मनिर्भरता का भ्रम और बिखरते परिवार - राजेश थरड़	३९-४०
● नए सदस्यों का स्वागत	४१-४२

स्वत्वाधिकारी

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

All India Marwari Federation

प्रशासनिक एवं संपर्क कार्यालय : ४बी, डकबैक हाउस, ४१, शेक्सपीयर सरणी, कोलकाता - ७०००१७

फोन : ०३३-४००४ ४०८९

◆ email: aimf1935@gmail.com

◆ Website : www.marwarisammelan.com

स्वत्वाधिकारी ऑल इंडिया मारवाड़ी फेडरेशन के लिए **भानीराम सुरेका** द्वारा ऑल इंडिया मारवाड़ी फेडरेशन, ४बी, डकबैक हाउस (४ तल्ला), कोलकाता-१७ से प्रकाशित तथा सी.डी.सी. प्रिंटर्स प्रा. लि., ४५, राधानाथ चौधरी रोड, कोलकाता - ७०००१५ से मुद्रित।

◆ **प्रेरक संपादक : सीताराम शर्मा** ◆ **संपादक : शिव कुमार लोहिया**

प्रकाशित रचनाओं से संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं है।

असम के आर्थिक, सांस्कृतिक तथा असमिया भाषा की समृद्धि में मारवाड़ी समाज की अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका

२६ जून २०२६ को असम के गुवाहाटी में मारवाड़ी अस्पताल के ११०वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्वा सरमा ने मारवाड़ी समाज के प्रति अपनी भावनाएँ व्यक्त करते हुए असम के विकास में उनके योगदान की खुलकर सराहना की। उन्होंने कहा, '११० वर्ष पुराना यह अस्पताल असम के साथ मारवाड़ी समाज के गहरे और लंबे संबंधों का प्रमाण है। लगभग ४७० वर्ष पहले मारवाड़ी समाज के सैन्य नेता बिजय सिंह, कोच राजा नरा नारायण के निमंत्रण पर सबसे पहले असम आए थे। आज मारवाड़ी समाज राज्य का अभिन्न अंग बन चुका है।' मुख्यमंत्री ने कहा कि आधुनिक असम की नींव अनेक समुदायों के कठिन परिश्रम से रखी गई है, जिनमें मारवाड़ी समाज भी शामिल है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि मारवाड़ी समाज पिछले लगभग ७० वर्षों से चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दे रहा है। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को यह समझना चाहिए कि असम के मारवाड़ी समाज ने राज्य की आर्थिक प्रगति, संस्कृति तथा असमिया भाषा को समृद्ध बनाने में अत्यंत महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और भविष्य में भी उनका योगदान निरंतर बढ़ता रहेगा।

उन्होंने कहा– 'मैं असम के मारवाड़ी समाज से निवेदन करता हूँ कि वे उद्योग, समाज सेवा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में आगे बढ़कर असम माता की सेवा और विकास में अपना योगदान देते रहें।' मुख्यमंत्री ने मारवाड़ी समाज और असम के बीच गहरे संबंधों का उल्लेख करते हुए कहा– 'जब कोई मारवाड़ी समाज को 'गैर-असमिया' कहने का प्रयास करता है, तो मुझे बहुत दुःख होता है। हमारे मारवाड़ी समाज के लोग कोई गैर-असमिया नहीं हैं। उन्होंने असम और असमिया समाज की सेवा में कभी कोई कमी नहीं रखी है।'

उन्होंने आगे कहा कि मारवाड़ी समाज का असम के साथ लगभग २०० वर्षों का ऐतिहासिक संबंध रहा है और यह समाज सदैव असम की समृद्धि और विकास के लिए तत्पर रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा– 'असम कभी भी हमसे अलग नहीं हो सकता। मारवाड़ी समाज हमारा अपना समाज है और इसके प्रति किसी प्रकार का भेदभाव नहीं होना चाहिए। इस समाज के भीतर जो कार्यशक्ति, सेवा-भाव और समर्पण है, वह असम के विकास कार्यों में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है। हमें सभी को साथ लेकर आगे बढ़ना होगा।'

अपने संबोधन के अंत में मुख्यमंत्री ने मारवाड़ी समाज के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि यह समाज सदैव असम और उसके लोगों की सेवा के लिए समर्पित रहा है। उन्होंने मारवाड़ी समाज को धन्यवाद देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य और निरंतर प्रगति की कामना की। बाद में उन्होंने सोशल मीडिया मंच X पर भी यही संदेश दोहराया।

अपने ही घर मे राजस्थानी बेगानी क्यो?

हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने राजस्थान की सरकार को राजस्थान के सभी सरकारी एवं निजी विद्यालयों में राजस्थानी भाषा पढ़ाने के लिए एक व्यापक नीति बनाने का निर्देश दिया है। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने माना कि अपनी मातृभाषा या क्षेत्रीय भाषा में शिक्षा प्राप्त करना अनुच्छेद १९ १ ए और २१ ए के तहत भाषण अभिव्यक्ति और शिक्षा के अधिकार का एक अंतर्निहीत हिस्सा है। सुनवाई के दौरान खंड पीठ ने कहा कि राजस्थानी भाषा का समृद्ध साहित्यिक एवं सांस्कृतिक इतिहास है और अनेक विश्वविद्यालयों, उच्च शिक्षा संस्थानों में मान्यता प्राप्त है।

२०११ के सेंशस के अनुसार ४.३६ करोड़ लोग राजस्थानी भाषा बोलते हैं, फिर भी राजस्थान की सरकारी भाषा हिंदी है। न्यायालय ने कहा कि बच्चों को अपनी मातृभाषा में शिक्षा प्राप्त करने के अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता। यह सुविधा का प्रश्न नहीं, यह उनके अस्तित्व के अधिकार का मसला है क्योंकि समाज एवं दैनिक जीवन में सार्थक भागीदारी के लिए समझ आवश्यक है। राजस्थान उच्च न्यायालय न्यायालय ने इस मामले को यह कहकर खारिज कर दिया था की अपीलकर्ता परमादेश जारी करने के लिए आवश्यक कोई वैध अधिकार स्थापित करने में असफल रहे हैं।

भाषा एक अटूट सूत्र रही है जिसके माध्यम से पीढ़ियो में संस्कृति ज्ञान और मूल्यों का ज्ञान एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक पहुंचा है। गौरतलब है की अपील कर्ताओं के अनुसार राजस्थान राज्य ने राजस्थानी भाषा के साथ अनुचित भेदभाव किया है क्योंकि स्कूलों में प्रचलित पाठ्यक्रम में गुजराती पंजाबी और सिंधी जैसी भाषाओं को शामिल किया जा रहा है जबकि राजस्थानी भाषा को जानबूझकर बाहर रखा गया है। यह एक निर्विवाद सत्य है कि शिक्षा एक परिवर्तनकारी शक्ति है। यह अत्यंत दुखद है कि राजस्थानी सरकार ने न्यायालय के कानूनी प्रावधानों को गलत ढंग से पेश करने की आड़ में अपने ही राज्य के अपनी ही भाषा के अवहेलना को उचित ठहरने का प्रयास किया। इस प्रकार की सरकारी मानसिकता में भावना एवं अपनी माटी से लगाव को दरकिनार कर दिया गया। यहाँ मैं इस बात का उल्लेख करना चाहूंगा की बहुत से राष्ट्रीय एवं विदेशी विद्वानों ने राजस्थानी भाषा की वकालत की है। सोवियत लेखक वोरिस आई क्यूयेव ७० के दशक में राजस्थानी भाषा पर शोध करके इसे मान्यता देने का समर्थन किया था। सन १९२७ में अंग्रेज प्रशासनिक अधिकारी जॉर्ज इब्रहिम ग्रियसन ने राजस्थानी भाषा को सशक्त भाषा बताया था। अमेरिका नेपाल एवं पाकिस्तान ने राजस्थानी भाषा को पहले ही मान्यता दे रखी है। मैं यह समझता हूं कि राजस्थानी भाषा की अपेक्षा के पीछे सिर्फ सरकार ही नहीं, भाषाविद, स्थानीय साहित्यिक एवं समग्र समाज भी बराबर रूप से उत्तरदायी है। सर्वोच्च न्यायालय के फैसले मिलने पर इस निर्णय पर सभी ने अपनी भूमिका स्थापित करने का प्रयास किया।

अपने ही घर में अपनी मां की अपेक्षा एक दयनीय मानसिकता का बोध कराती है। भाषा की अपेक्षा सरकार तो कर ही रही है। साथ साथ हमें याद रखना होगा कि सरकार भी समाज में से गए हुए लोग ही चला रहे हैं। राजस्थानी आज घर-घर में उपेक्षित है। अधिकांश लोग सिर्फ सतही रूप से समर्थन करते हैं। मानो समर्थन करना एक फैशन बन गया है। अगर समाज में सभी परिवार आपस में मातृभाषा में बात करें तो क्या सरकार उसे रोक सकेगी? क्या सामाजिक संस्था भाषा का प्रचार प्रसार करने के लिए सार्थक प्रयास के साथ-साथ भाषा की सामाजिक स्वीकार्यता के लिए अगर जमीन बनाएं तो क्या सरकार रोकने आएगी? यह एक विडंबना है की मातृभाषा को घर में नहीं पढ़ करके हम उसे स्कूल में पढ़ने की कोशिश में लगे हुए हैं? वास्तविकता यह है कि सभी इस मामले में उदासीन है एवं सिर्फ फर्ज अदाएगी के लिए यदा-कदा अपनी भूमिका निभाते रहते हैं। मगर धरातल पर काम करने वाले अल्पसंख्यक कहे जा सकते हैं। इस सिलसिले में इधर-उधर कुछ ऐसे प्रयास भी हो रहे हैं जिनसे हम प्रेरणा ले सकते हैं एवं राजस्थानी भाषा के प्रचार मे स्वयं को नियोजित कर सकते हैं। सुप्रसिद्ध लेखक एवं रंग कर्मी श्री अयोध्या प्रसाद गौड ने सुप्रसिद्ध इतिहासकार एवं राजस्थानी भाषाविद प्रो. जहुर खान मेहर से प्राप्त दुर्लभ जानकारी को सहेजने का कार्य किया है। राजस्थानी भाषा अकादमी एक सामाजिक संस्था है जिसमें प्रोफेसर दलपत राजपुरोहित एवं प्रोफेसर गणेश दवे के मार्गदर्शन में विभिन्न तरीके से भाषा प्रचार प्रसार का प्रयास किया जा रहा है। श्री सर्वेश कुमार मोदी एवं श्री साकेत छावछरिया ने मिलकर मारवाड़ी पाठशाला के माध्यम से इस प्रकार के कार्य में रत हैं। यहां पर मैं सुश्री युवरागी राठौर का भी उल्लेख करना चाहूंगा जिन्होंने अत्यंत सुरुचि पूर्ण ढंग से सोशल मीडिया के माध्यम से मारवाड़ी भाष, संस्कृति विरासत का प्रभावी प्रचार-प्रसार किया है।

सर्वोच्च अदालत का फैसला सिर्फ एक शुरुआत है। २५ सितंबर के अंदर राजस्थान सरकार को राजस्थानी भाषा का विद्यालय में शिक्षा प्रारंभ करने के लिए एक व्यापक नीति बनाकर पेश करने का निर्देश दिया है। यह नीति भाषाविद एवं समाज के सहयोग के बिना नहीं बन सकती। ये तीनों कितनी ईमानदारी एवं सकारात्मक से अपनी भूमिका निभाएंगे यह देखना अभी बाकी है। जो भी हो कितनी भी विपरीत परिस्थिति हो आशावादी रहना सबसे श्रेयस्कर है। भाषा किसी सरकार की संपत्ति नहीं होती। सरकार की उदासीनता बहुत हद तक इस तथ्य पर निर्भर करती है कि समाज कितना सजग है। हम सभी जानते हैं कि हमारे देश में स्वतंत्रता के बाद में राज्यों का पुनर्गठन अधिकांशत: भाषा के आधार पर ही हुआ था। भाषा का इतना महत्व है की भाषा के आधार पर बांग्लादेश का गठन हो गया। भाषा की महत्ता को नकारना हमारी बहुत बड़ी भूल होगी। राजस्थानी भाषा हमारी समृद्ध राजस्थानी विरासत संस्कृति को संजोए हुए हैं। इसके महत्त्व को कम करके आंकना हमारी नादानी होगी। भाषा अगर कमजोर होती है तो हमारी विरासत कमजोर हो जाएगी। इसका खामियाजा आने वाली पीढ़ी को जाने अनजाने अवश्य भोगना पड़ेगा।

हम यह सब जानते हैं कि भारतीय संविधान सन १९५२ में लागू हुआ। अतएव भाषा की मान्यता का प्रावधान भी तब से ही प्रारंभ हुआ। किंतु राजस्थानी भाषा तो १९५२ से प्रारंभ नहीं हुई। यह तो अनादि काल से चली आ रही है और इसके चलन एवं प्रभाव में जो ह्रास हुआ है वह पहले क्यों नहीं हुआ? यह भी एक सोचने का विषय है। साथियों भाषा की वर्तमान स्थिति को सिर्फ सरकारी उदासीनता पर थोप देना कहां तक उचित होगा यह भी हमें सोचना चाहिए। बतौर ग़ालिब:

ग़ालिब ताउम्र ये भूल करता रहा
धूल चेहरे पर थी, आईना साफ करता रहा।

साथ ही सरकारी मान्यता प्राप्त होते ही यह भाषा सरपट दौड़ने लग जाएगी यह मान लेना कितना उचित है यह भी हमें सोचना चाहिए।

शिव कुमार लोहिया

सफल प्रजातंत्र और सामाजिक सहभागिता

पवन कुमार गोयनका
राष्ट्रीय अध्यक्ष

भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और इसकी वास्तविक शक्ति जनता की राजनीतिक चेतना में निहित है। वर्तमान समय में जब सामाजिक, आर्थिक एवं राजनीतिक परिस्थितियाँ तेजी से बदल रही हैं, तब प्रत्येक नागरिक एवं प्रत्येक समाज के लिए राजनीति के प्रति सजग, सक्रिय और उत्तरदायी होना आवश्यक हो गया है। मारवाड़ी समाज, जो सदैव व्यापार, सेवा, शिक्षा, संस्कृति और परोपकार के क्षेत्र में अग्रणी रहा है, आज राजनीतिक चेतना और लोकतांत्रिक सहभागिता के महत्व को भी समझ रहा है।

राजनीतिक चेतना का अर्थ किसी विशेष दल का समर्थन करना नहीं, बल्कि राष्ट्र, समाज और लोकतांत्रिक व्यवस्था के प्रति अपने अधिकारों एवं कर्तव्यों के प्रति जागरूक होना है। मतदान करना, योग्य नेतृत्व का चयन करना, सार्वजनिक मुद्दों पर विचार करना, जनहित के विषयों पर अपनी राय रखना तथा शासन-प्रशासन के साथ रचनात्मक संवाद स्थापित करना राजनीतिक चेतना के महत्वपूर्ण आयाम हैं। यदि कोई समाज राजनीतिक रूप से निष्क्रिय रहता है तो उसकी समस्याएँ, अपेक्षाएँ और सुझाव निर्णय प्रक्रिया में अपेक्षित स्थान प्राप्त नहीं कर पाते।

किसी भी सफल प्रजातंत्र की आधारशिला उसके नागरिकों की प्रखर और जागरूक राजनैतिक चेतना पर टिकी होती है। राजनीति शब्द की वास्तविक व्युत्पत्ति को देखा जाए तो यह यूनानी भाषा के 'पोलिस' (Polis) शब्द से बना है, जिसका अर्थ सीधे तौर पर समुदाय, जनता या संपूर्ण समाज से होता है। प्लेटो और अरस्तू जैसे महान दार्शनिकों के काल से लेकर आज तक, समाज के सामूहिक कल्याण और नीति-निर्माण को प्रभावित करने वाली हर एक गतिविधि राजनीति के दायरे में आती है। भारतीय उपमहाद्वीप का इतिहास गवाह है कि ऋग्वेद और अथर्ववेद के काल से ही हमारे यहाँ गणतंत्र, लोकतांत्रिक सभाओं और 'राजधर्म' की अत्यंत सुदृढ़ और प्राचीन परंपरा रही है। प्राचीन ग्रंथों में यह स्पष्ट रूप से वर्णित है कि एक कुशल शासक या राजनीतिक नेतृत्व को हमेशा मध्यस्थ भाव में रहकर तीक्ष्णता, कुटिलनीति, अभयदान और सरलता जैसे गुणों का संतुलन बनाना पड़ता है ताकि प्रजा का कल्याण सुनिश्चित हो सके। महर्षि वाल्मीकि की रामायण, महाभारत के शांतिपर्व, मनुस्मृति और कौटिल्य के अर्थशास्त्र में भी इसी नागरिक कर्तव्य और राजनैतिक चेतना को राज्य की रीढ़ माना गया है।

भारतीय परंपरा में राजनीति को सदैव लोककल्याण का माध्यम माना गया है। प्राचीन भारतीय चिंतन से लेकर आधुनिक लोकतांत्रिक व्यवस्था तक शासन का मूल उद्देश्य समाज के हितों की रक्षा एवं जनकल्याण रहा है। महात्मा गांधी, स्वामी विवेकानंद, लोकमान्य तिलक, डॉ. भीमराव आंबेडकर तथा अन्य अनेक विचारकों ने नागरिकों की सक्रिय भागीदारी को लोकतंत्र की आत्मा बताया है। संविधान ने प्रत्येक नागरिक को समान अधिकार प्रदान करते हुए लोकतांत्रिक व्यवस्था को सशक्त बनाया है, परंतु इन अधिकारों का वास्तविक लाभ तभी संभव है जब समाज जागरूक एवं सहभागी बने।

मारवाड़ी समाज की सबसे बड़ी शक्ति उसकी संगठन क्षमता, सेवा भावना, उद्यमशीलता तथा सामाजिक उत्तरदायित्व है। शिक्षा, स्वास्थ्य, गौसेवा, धर्मार्थ कार्यों, छात्रावासों, चिकित्सालयों, सेवा संस्थाओं और सामाजिक संगठनों के माध्यम से समाज ने राष्ट्र निर्माण में उल्लेखनीय योगदान दिया है। अब आवश्यकता है कि यही सामाजिक शक्ति लोकतांत्रिक एवं सार्वजनिक जीवन में भी अधिक सक्रिय भूमिका निभाए।

वर्तमान समय में जब हम अपने देश के लोकतांत्रिक ढांचे का अवलोकन करते हैं, तो पाते हैं कि भारतीय प्रजातंत्र ने सत्तर से अधिक वर्षों की अपनी ऐतिहासिक यात्रा में अद्भुत परिपक्वता दिखाई है। परंतु इसके साथ ही, वर्तमान राजनैतिक परिदृश्य के समक्ष कई गंभीर विसंगतियाँ और विकृतियाँ भी खड़ी हो गई हैं। आज की राजनीति जनसेवा और लोक-कल्याण के अपने वास्तविक आदर्शों से भटक कर व्यक्तिगत लोभ, लालच और सत्तालोलुप संस्कृति को जन्म दे रही है। समकालीन चुनावों में जिस प्रकार शक्ति-प्रदर्शन, अकूत धन-बल और बाहुबल की होड़ दिखाई देती है, वह राष्ट्र के बहुमूल्य समय, श्रम और आर्थिक संसाधनों का भारी दुरुपयोग है। सार्वजनिक जीवन में संवाद की मर्यादा लगातार गिर रही है और उदंडता, अश्लीलता तथा आपराधिक प्रवृत्तियों का बोलबाला बढ़ता जा रहा है, जिसने समाज के प्रबुद्ध, शांतिप्रिय और विचारशील नागरिकों के मन में राजनीति के प्रति एक गहरी उदासीनता, वितृष्णा और नैराश्य का भाव पैदा कर दिया है। लोकतांत्रिक व्यवस्था जो कि मूलतः आपसी संवाद, असहमति के सम्मान और स्वस्थ तर्क-वितर्क पर जीवित रहती है, वह आज सहिष्णुता के घोर अभाव और संकीर्ण वोट-बैंक की राजनीति के कारण भीड़तंत्र का रूप लेती जा रही है। समाज को अलग-अलग स्वार्थसिद्धि समूहों में बांटकर राजनीतिक रोटियां सेकने की प्रवृत्ति ने लोकतंत्र के इंजन को पटरी से उतारने का प्रयास किया है, जो देश की अखंडता और सामाजिक ताने-बाने के लिए एक बहुत बड़ी चुनौती है।

'शासन के यंत्रों पर रक्खो आँख कड़ी, छिपे अगर हों दोष, उन्हें खोलते चलो।
प्रजातंत्र का क्षीर प्रजा की वाणी है, जो कुछ हो बोलना, अभय बोलते चलो।'
– राष्ट्रकवि रामधारी सिंह 'दिनकर'

इन परिस्थितियों में समाज को कुछ ठोस कदम उठाने होंगे। सबसे पहले, राजनीतिक एवं संवैधानिक जागरूकता को बढ़ावा देना आवश्यक है। युवाओं के लिए नेतृत्व विकास कार्यक्रम, जनप्रतिनिधित्व, प्रशासनिक व्यवस्था तथा लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं की जानकारी देने वाले प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जाने चाहिए। महिलाओं की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करना भी समय की आवश्यकता है।

राजनीतिक चेतना का विकास केवल चुनावों के समय तक सीमित नहीं रहना चाहिए। सामाजिक समस्याओं, स्थानीय विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, व्यापारिक नीतियों तथा नागरिक सुविधाओं जैसे विषयों पर निरंतर संवाद एवं सहभागिता आवश्यक है। जब समाज के योग्य, शिक्षित और सेवा भाव से प्रेरित व्यक्ति सार्वजनिक जीवन में आगे आते हैं, तभी लोकतंत्र मजबूत होता है और समाज की आवाज प्रभावी रूप से सामने आती है।

इसके साथ ही, राजनीति को केवल 'राक्षसों का शास्त्र' या अवांछित तत्वों का अखाड़ा मानकर छोड़ देने की

ऐतिहासिक भूल को अब सुधारना होगा। समाज के उच्च शिक्षित युवाओं और महिलाओं को छात्र राजनीति, नीतिगत बहसों, नागरिक आंदोलनों और प्रबुद्ध मंचों पर हिस्सा लेने के लिए निरंतर प्रोत्साहित और प्रेरित करना होगा ताकि भविष्य के कुशल नेतृत्व की पौध तैयार हो सके। राजनैतिक चेतना की शुरुआत हमेशा ज़मीनी स्तर से होती है, इसलिए समाज के सक्षम लोगों को स्थानीय निकायों, ग्राम पंचायतों और नगर निगम के चुनावों में बढ़-चढ़कर अपनी दावेदारी पेश करनी होगी। अंततः, समाज को अपने भीतर के सभी संकीर्ण मतभेदों, जातिगत और क्षेत्रीय उप-वर्गीकरणों को भुलाकर पूरी तरह एकजुट होना होगा और अन्य सभी स्थानीय समुदायों के साथ सह-अस्तित्व, सौहार्द और भाईचारे की भावना के साथ काम करते हुए एक स्वस्थ, पारदर्शी और भयमुक्त राजनैतिक वातावरण के निर्माण में अपनी अग्रणी भूमिका निभानी होगी।

समग्र रूप से देखा जाए तो लोकतंत्र कोई जड़ या स्थिर व्यवस्था नहीं है, बल्कि यह एक निरंतर प्रवाहित होने वाली गतिशील प्रक्रिया है, जो पूरी तरह से नागरिकों की सतर्कता, जागरूकता और उनकी सक्रिय भागीदारी पर निर्भर करती है। मारवाड़ी समाज को अब इस यथार्थ को स्वीकार करना होगा कि यदि वे स्वयं अपने भीतर राजनैतिक चेतना का विकास नहीं करेंगे और लोकतांत्रिक प्रक्रियाओं से कतराते रहेंगे, तो शासन और व्यवस्था में होने वाली अपनी उपेक्षा का दोष किसी अन्य राजनैतिक दल या नेतृत्व पर मढ़ने से कोई लाभ नहीं होने वाला है।

इस दिशा में अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। सम्मेलन केवल एक सामाजिक संगठन नहीं, बल्कि समाज की सामूहिक चेतना, सेवा भावना और राष्ट्रीय दायित्व का प्रतीक है। वर्षों से यह संगठन सेवा, शिक्षा, संस्कार, संगठन एवं सामाजिक एकता के मूल्यों को आगे बढ़ाता रहा है। आज आवश्यकता है कि सम्मेलन राजनीतिक जागरूकता और नागरिक उत्तरदायित्व को भी अपने प्रमुख कार्यक्रमों में स्थान दे।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन समाज के युवाओं को नेतृत्व के अवसर प्रदान कर सकता है, लोकतांत्रिक मूल्यों के प्रति जागरूकता फैला सकता है तथा विभिन्न स्तरों पर जनहित के विषयों पर संवाद स्थापित कर सकता है। शाखा एवं प्रांतीय स्तर पर मतदाता जागरूकता अभियान, संविधान एवं नागरिक कर्तव्यों पर परिचर्चाएँ, नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम तथा सामाजिक सरोकारों से जुड़े विषयों पर संगोष्ठियों का आयोजन समाज को नई दिशा दे सकता है। सम्मेलन को हर परिवार और हर क्षेत्र के समाज बंधुओं तक यह संदेश कड़ाई से पहुँचाना होगा कि वे बिना किसी राजनैतिक पूर्वाग्रह या आलस्य के अनिवार्य रूप से अपने मत का प्रयोग करें, क्योंकि शत-प्रतिशत मतदान ही समाज की सामूहिक सांगठनिक शक्ति को प्रदर्शित करने का सबसे पहला माध्यम है।

आने वाले समय में मारवाड़ी समुदाय को अपनी राजनैतिक उपेक्षा को पूरी तरह समाप्त करने और शासन-प्रशासन में अपनी प्रभावी सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए एक अत्यंत ठोस, व्यावहारिक और दीर्घकालिक कार्ययोजना पर तत्परता से कार्य करना होगा। इस दिशा में सबसे पहला और अनिवार्य कदम शत-प्रतिशत मतदान के संकल्प को पूरा करना है।

समाज को यह समझना होगा कि राजनीति से दूरी समाधान नहीं है। लोकतंत्र में सक्रिय सहभागिता ही समाज की आवाज को प्रभावी बनाती है। राजनीति यदि सेवा, नैतिकता और जनहित के आधार पर की जाए तो वह राष्ट्र निर्माण का एक सशक्त माध्यम बन सकती है।

जय राष्ट्र, जय सम्मेलन, जय समाज!

सम्मेलन समाचार

उच्च शिक्षा के लिए मिला ₹२ लाख का अवदान

२८ मई २०२६, को इंदौर मध्य प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के पदाधिकारियों एवं स्थानीय सदस्यों के साथ एक अनौपचारिक बैठक में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। मध्य प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री शरद सरावगी, इंदौर शाखा के अध्यक्ष श्री राजेश थरड, प्रांतीय महामंत्री श्री राजन अग्रवाल एवं कोषाध्यक्ष श्री अतिन अग्रवाल सहित प्रांतीय व स्थानीय कार्यकारिणी के प्रमुख सदस्य उपस्थित रहे। सभी पदाधिकारियों ने राष्ट्रीय अध्यक्ष जी का स्वागत किया।

बैठक में प्रदेश के उन क्षेत्रों में जहाँ समाज की आबादी है, वहाँ नई शाखाएँ खोलकर संगठन का दायरा बढ़ाने पर सहमति बनी। साथ ही समाज के युवाओं और महिलाओं को मुख्यधारा से जोड़ने, सांस्कृतिक मूल्यों (संस्कृति और संस्कार) को सहेजने तथा समाज के अंतिम व्यक्ति तक मदद पहुँचाने के संकल्प को दोहराया गया।

इस बैठक में सम्मेलन के मार्गदर्शक व संस्थापक अध्यक्ष स्वर्गीय राय बहादुर रामदेव जी चोखानी के सुपौत्र श्री अरुण जी चोखानी द्वारा समाज के प्रति अपनी अटूट निष्ठा का परिचय देते हुए चोखानी परिवार की ओर से ₹२,००,००० (दो लाख रुपये) का चेक अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के नाम सीधे राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका और प्रांतीय टीम को सौंपा। इस सहयोग राशि का उपयोग समाज के प्रतिभावान और जरूरतमंद विद्यार्थियों की उच्च शिक्षा के लिए किया जाएगा। राष्ट्रीय अध्यक्ष और प्रांतीय अध्यक्ष ने चोखानी परिवार के इस परमार्थ कार्य की मुक्तकंठ से सराहना की।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोयनका ने इंदौर टीम की सक्रियता की प्रशंसा करते हुए कहा कि इंदौर हमेशा से सेवा और संगठन के कार्यों में अग्रणी रहा है। चोखानी जी जैसे महान पूर्वजों के पदचिह्नों पर चलते हुए वर्तमान पीढ़ी जिस तरह शिक्षा और समाज सेवा को आगे बढ़ा रही है, वह पूरे देश के मारवाड़ी समाज के लिए अनुकरणीय है।

"संगठन की जड़ें हर घर तक पहुँचाने का संकल्प" : पवन गोयनका

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की सर्वोच्च नीति-निर्धारक संस्था **'अखिल भारतीय समिति'** के सत्र २०२५-२७ की द्वितीय बैठक रविवार, १४ जून २०२६ को आंध्र प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के आतिथ्य में विशाखापट्टनम स्थित राजस्थानी सांस्कृतिक मंडल भवन में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका की अध्यक्षता में अत्यंत गरिमामय वातावरण में संपन्न हुई। देश के विभिन्न प्रांतों से पधारे राष्ट्रीय पदाधिकारियों, प्रांतीय पदाधिकारियों, समिति सदस्यों तथा समाजजनों की उल्लेखनीय उपस्थिति ने इस बैठक को विशेष महत्व प्रदान किया।

बैठक का शुभारंभ राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री पवन कुमार गोयनका** सहित उपस्थित गणमान्य अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलन के साथ हुआ। इसके उपरांत राष्ट्रीय महामंत्री श्री केदारनाथ गुप्ता ने **तीन बार 'ॐ'** के उच्चारण के साथ बैठक के औपचारिक प्रारंभ की घोषणा की।

आंध्र प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष **श्री चांदमल अग्रवाल** ने देश के विभिन्न प्रांतों से पधारे राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारियों, प्रतिनिधियों तथा समाजबंधुओं का आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। इस अवसर पर विशाखापट्टनम के पुलिस आयुक्त **श्री शंखब्रत बागची** का पुष्पगुच्छ, मोमेंटो और दुपट्टा ओढ़ाकर सम्मान किया गया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **डॉ. सुभाष अग्रवाल** ने उनका संक्षिप्त परिचय प्रस्तुत किया।

अपने उद्बोधन में पुलिस आयुक्त श्री शंखब्रत बागची ने मारवाड़ी समाज की राष्ट्रसेवा एवं समाजसेवा की भावना की मुक्त कंठ से सराहना करते हुए कहा कि मारवाड़ी समाज सदैव देश की आर्थिक प्रगति, सामाजिक उत्थान एवं आपदा के समय सेवा कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाता रहा है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि समाज की यही संगठन शक्ति एवं सेवा भावना भविष्य में भी राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देती रहेगी।

अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका ने आंध्र प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा किए गए

उत्कृष्ट आयोजन एवं आतिथ्य की प्रशंसा करते हुए कहा कि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन अपने पूर्वजों की सेवा, संस्कार, शिक्षा एवं संगठन की गौरवशाली परंपराओं का संवाहक है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए बताया कि विगत दस महीनों में लगभग २८९५ नए सदस्य संगठन से जुड़े हैं तथा **"देश के हर घर से एक सदस्य"** अभियान को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने पूर्वोत्तर, बिहार, झारखंड, गुजरात एवं उत्कल सहित विभिन्न प्रांतों द्वारा चलाए जा रहे सदस्यता अभियान की सराहना की। उन्होंने लाडनूं में आयोजित **'मंथन'** बैठक का विशेष उल्लेख करते हुए कहा कि यह कार्यक्रम समाज चिंतन एवं सामाजिक जागरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में केवल मारवाड़ी समाज ही नहीं, बल्कि विभिन्न वर्गों एवं सर्वसमाज के लोगों की उल्लेखनीय भागीदारी रही, जिससे सामाजिक समरसता एवं व्यापक संवाद को बल मिला। श्री गोयनका ने दिल्ली में आयोजित बिजनेस मीट, विभिन्न उपसमितियों के कार्यों, स्वास्थ्य क्षेत्र में हुए एमओयू (MOU) तथा राजनीतिक चेतना संबंधी प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने राजस्थानी भाषा एवं संस्कृति के संरक्षण-संवर्धन, संस्कारों के संवर्धन, शिक्षा सहायता एवं रोजगार सृजन के क्षेत्र में सम्मेलन द्वारा किए जा रहे कार्यों का उल्लेख किया तथा संगठन को और अधिक सशक्त बनाने हेतु सभी से सक्रिय सहयोग का आह्वान किया।

इसके उपरांत राष्ट्रीय महामंत्री **श्री केदारनाथ गुप्ता** ने कोलकाता में आयोजित पिछली अखिल भारतीय समिति की बैठक का कार्यवृत्त प्रस्तुत किया, जिसे सर्वसम्मति से पारित कर दिया गया।

राष्ट्रीय महामंत्री ने विगत बैठक के पश्चात संगठन द्वारा किए गए विभिन्न कार्यों, गतिविधियों एवं कार्यक्रमों की विस्तृत रिपोर्ट

प्रस्तुत की। उन्होंने संगठनात्मक गतिविधियों, सेवा कार्यों, विभिन्न प्रांतीय कार्यक्रमों तथा राष्ट्रीय स्तर पर संपन्न आयोजनों का विवरण देते हुए संगठन की प्रगति से सदन को अवगत कराया। सभा में उपस्थित सदस्यों ने संगठन द्वारा किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए राष्ट्रीय पदाधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

निवर्तमान राष्ट्रीय महामंत्री **श्री कैलाशपति तोदी** ने महामंत्री की रिपोर्ट के कुछ बिंदुओं पर प्रश्न उठाते हुए मुंबई एवं भाईंदर शाखा गठन, जाति जनगणना की बैठकों तथा लाडनूं में आयोजित मंथन कार्यक्रम के संबंध में जानकारी चाही। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका ने इन विषयों पर विस्तार से जानकारी देते हुए सभी शंकाओं का समाधान किया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री पुरुषोत्तम सिंघानिया** ने महामंत्री की रिपोर्ट में हाल ही की गतिविधियों को भी सम्मिलित करने का सुझाव दिया, जिसे स्वीकार किया गया।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. सुभाष अग्रवाल ने अपने प्रभारी प्रांत कर्नाटक की रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए शिक्षा, संस्कार एवं सामाजिक सेवा के क्षेत्र में किए जा रहे कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने विशेष रूप से बेंगलुरु में प्रारंभ किए गए **'वैकुंठ रथ'** प्रकल्प की जानकारी देते हुए बताया कि यह सेवा प्रकल्प १ जुलाई से पूर्ण रूप से प्रारंभ होगा। उन्होंने तमिलनाडु, केरल एवं तेलंगाना प्रांतों में संचालित गतिविधियों का भी उल्लेख किया।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री राजकुमार मिश्रा** ने दिल्ली में आयोजित बिजनेस मीट की सफलता का उल्लेख करते हुए सभी प्रांतों से ऐसे आयोजन करने का आग्रह किया। उन्होंने आगामी कोलकाता में बिजनेस मीट की जानकारी दी तथा लाडनूं में आयोजित मंथन कार्यक्रम की सफलता का भी उल्लेख किया।

राष्ट्रीय महामंत्री श्री केदारनाथ गुप्ता ने कई प्रांतों द्वारा समय पर रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं किए जाने पर चिंता व्यक्त करते हुए सभी प्रांतों से नियमित रूप से अपनी गतिविधियों की जानकारी केंद्र को भेजने का आग्रह किया।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री गिरधारी लाल गोयनका** ने **'मंथन'** बैठक में पारित प्रस्तावों की चर्चा करते हुए उन्हें जीवन में उतारने का आह्वान किया। उन्होंने झारखंड एवं सिक्किम प्रांत के कार्यों की सराहना की। इस अवसर पर निवर्तमान राष्ट्रीय महामंत्री श्री कैलाशपति तोदी ने झारखंड के साकची शाखा की समस्याओं की ओर ध्यान आकर्षित किया, जिस पर राष्ट्रीय महामंत्री ने बताया कि इस संबंध में आवश्यक पत्राचार किया जा चुका है।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री गोकुलचंद बजाज** ने गुजरात प्रांत में सदस्यता विस्तार एवं नई शाखाओं के गठन की जानकारी देते हुए कहा कि समाज को राजनीतिक क्षेत्र में भी सक्रिय भागीदारी निभानी चाहिए। उन्होंने **'ज्ञान ज्योति सम्मान समारोह'** एवं महाराष्ट्र प्रांत में नई शाखा के गठन का भी उल्लेख किया।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष **श्री पुरुषोत्तम सिंघानिया** ने कहा कि मारवाड़ी समाज ने सदैव समाज एवं राष्ट्र को बहुत कुछ दिया है। उन्होंने प्रत्येक प्रांत में एक 'मोटिवेटर' नियुक्त करने का सुझाव दिया, जो समाज के घर-घर जाकर समाज की उपलब्धियों की जानकारी दे सके। उन्होंने छत्तीसगढ़ में धरोहर शाखा एवं मध्य प्रदेश में नई शाखाओं के प्रयास तथा उत्कल प्रांत के सराहनीय कार्यों की प्रशंसा की।

कर्नाटक प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष **श्री सीताराम शर्मा** ने दो नई शाखाओं के गठन एवं वैकुंठ रथ प्रकल्प की जानकारी दी। मध्य प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री शरद सरावगी ने तीन नई शाखाओं के गठन तथा सदस्यता विस्तार अभियान की जानकारी दी। उन्होंने **स्वर्गीय रायबहादुर रामदेव चोखानी** जी की जयंती समारोह तथा उच्च शिक्षा कोष में प्राप्त सहयोग का भी उल्लेख किया।

उत्कल प्रांत की प्रगति रिपोर्ट प्रांतीय अध्यक्ष **डॉ. सुभाष चंद्र अग्रवाल** द्वारा प्रस्तुत की गई, जिसका पूरे सदन ने खड़े होकर

स्वागत किया। उन्होंने बताया कि दो माह में ५५० नए आजीवन सदस्य बनाए गए हैं तथा अनेक नई शाखाओं का गठन किया गया है। उन्होंने **"पोषित ओडिशा-विकसित ओडिशा"**, **"अपना समाज-अपनी जिम्मेदारी"**, **"पढ़ेगा समाज-बढ़ेगा समाज"**, **स्वरोजगार योजना**, **सामाजिक पंचायत**, **साड़ी बैंक**, **पुरी रथयात्रा सेवा**, **मारवाड़ भवन** तथा विभिन्न सामाजिक योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी।

आंध्र प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष **श्री ओमप्रकाश अग्रवाल** ने बताया कि कुछ वर्ष पूर्व प्रांत में मात्र २०-२२ सदस्य थे, जो आज बढ़कर २११ हो गए हैं तथा हाल में १७५ नए सदस्य जोड़े गए हैं। उन्होंने शिक्षा सहायता, कंप्यूटर वितरण, कांवड़ सेवा, रक्तदान शिविर एवं नई शाखाओं के गठन

की जानकारी दी तथा प्रत्येक प्रांत में विधिक सलाहकार नियुक्त करने का सुझाव रखा।

छत्तीसगढ़ प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय महामंत्री **श्री गिरधर गोपाल अग्रवाल** ने धरोहर शाखा के गठन तथा नियमित अन्न सेवा कार्यक्रम की जानकारी दी। प्रांतीय कोषाध्यक्ष **श्री सुरेश चौधरी** ने कहा कि संगठन द्वारा पारित प्रस्तावों को पहले अपने घर से लागू करना चाहिए। **श्रीमती सुषमा अग्रवाल** ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

बैठक के दौरान पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की वर्तमान परिस्थितियों पर भी चर्चा हुई। राष्ट्रीय महामंत्री श्री केदारनाथ गुप्ता ने सदन को अवगत कराया कि पूर्व में पश्चिम बंग की कार्यकारिणी को भंग किया जा चुका था तथा **'कारण बताओ नोटिस'** के उपरांत संतोषजनक उत्तर प्राप्त नहीं होने पर **श्री नंदकिशोर अग्रवाल** की प्राथमिक सदस्यता ४ जून २०२६ से समाप्त कर दी गई। सदन ने केंद्र द्वारा की गई कार्रवाई का समर्थन किया।

भावी कार्यक्रमों पर चर्चा करते हुए राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका ने पुनः सदस्यता विस्तार, राजनीतिक सहभागिता एवं समाज विकास की गतिविधियों को प्राथमिकता देने पर बल दिया। उन्होंने सभी प्रांतों से समय पर रिपोर्ट भेजने तथा प्रत्येक परिवार को संगठन से जोड़ने का आह्वान किया।

श्रीमती सुषमा अग्रवाल ने सम्मेलन पर आधारित सम्मेलन गीत को सभा के समक्ष प्रस्तुत करने का प्रस्ताव रखा। तत्पश्चात सम्मेलन के गीत का LED पर प्रदर्शन एवं ऑडिओ सभी सदस्यों को सुनाया गया। श्रीमती सुषमा अग्रवाल एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री राज कुमार मिश्रा ने बताया कि गीत में मारवाड़ी संस्कृति-संस्कारों की विशेषता, सम्मलेन के गठन एवं इतिहास के बारे में बताया गया है। सम्मेलन की उन्नति में समाज के ज्ञानी एवं दानीबंधुओं के योगदान, महिला सशक्तिकरण, युवा एवं बाल विकास की चर्चा है तथा सम्मेलन के उद्देश्यों, समाज के विकास एवं मायड भाषा के क्षेत्र में इसके योगदान का बहुत ही सूंदर ढंग से प्रस्तुत किया गया। पूर्वजों को श्रद्धांजलि के साथ साथ इस गीत के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग को संगठन से जुड़ने का संदेश दिया गया। उपस्थित सभी सदस्यों ने गीत की सराहना करते हुए इसे सम्मलेन गीत के रूप में अपनाने के बारे में अपनी सहमति व्यक्त की तथा इसे आगामी बैठकों के एजेंडे में शामिल कर आवश्यक कार्यवाही करने का सुझाव दिया।

राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष **श्री अनिल मलावत** ने सम्मेलन के वर्तमान वित्तीय वर्ष का आय-व्यय विवरण प्रस्तुत किया तथा संगठन की वित्तीय स्थिति की जानकारी दी। वैकुंठ रथ परियोजना के प्रोजेक्ट डायरेक्टर श्री मनीष अग्रवाल ने इस महत्वपूर्ण सेवा प्रकल्प की विस्तृत प्रस्तुति दी, जिसकी उपस्थित सदस्यों ने सराहना की।

बैठक का सफल संचालन राष्ट्रीय महामंत्री श्री केदारनाथ गुप्ता द्वारा किया गया। अंत में आंध्र प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय महामंत्री **श्री बालकिशन लोया** ने सभी राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारियों, प्रतिनिधियों, अतिथियों एवं समाजबंधुओं के प्रति आभार व्यक्त किया।

राष्ट्रगान के सामूहिक गायन के साथ बैठक का गरिमामय एवं सफल समापन हुआ।

बैठक में राष्ट्रीय एवं प्रांतीय पदाधिकारियों के अतिरिक्त अनेक विशिष्ट आमंत्रित सदस्य एवं समाजजन भी उपस्थित रहे, जिनमें **श्री पवन कुमार बंसल, श्री पोडेश्वर पुरोहित, श्री श्याम सुंदर अग्रवाल, श्री रमेश कुमार बजाज, श्री सज्जन शर्मा, श्री संजय सेठ, श्री श्रवण अग्रवाल, श्री लालचंद चौधरी, श्री नरेंद्र अग्रवाल, श्री राज गोयनका, श्री विश्वनाथ भुवालका, श्री प्रकाश हरलालका, श्री बाबूलाल बंका, श्री रमेश जैन, श्री अशोक कुमार अग्रवाल, श्री प्रकाश गोयल, श्री संजय टि कमानी, श्री बिजेंद्र गुप्ता, श्री ऋषिकेश मित्तल, श्री मनोज बंसल, श्री संजय पारसरामका, श्री कमल मुंधड़ा, श्री रामकुमार मुंधड़ा, श्री मितेश पेरीवाल, श्री जितेंद्र शर्मा, श्री सुनील राठी, श्री राजेश भंसाली, श्री रमेश सेठिया, श्री दिनेश जैन, श्री राजेश कोठारी, श्री दीपक कुमार गुप्ता, श्री संतोष बुचा, श्री अमर जैन, श्री कुपाराम देवासी, श्री विजयराज माली, डॉ. गीता माली, श्री मनोज गुप्ता, श्री सुभाष चंद्र गुप्ता, श्री पी. धर्मेंद्र मंगल, श्री अमित टक, श्री संजय कुमार अग्रवाल, श्री पुलकित अग्रवाल, श्री बाबूलाल, डॉ. रसिक सांगवी, श्री द्वारका प्रसाद अग्रवाल, श्री ओमप्रकाश जोशी, श्री महावीर प्रसाद अग्रवाल तथा श्री चिरंजीवी पुरोहित प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।**

पदम मेहता का स्वागत

६ जून २०२६ **'माणक'** प्रकाशन समूह के चेयरमैन एवं राजस्थानी भाषा के प्रखर समर्थक **श्री पदम मेहता** के दिल्ली आगमन पर अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका तथा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री राज कुमार मिश्रा द्वारा उनका हार्दिक स्वागत एवं अभिनंदन किया गया।

इस अवसर पर सम्मेलन पदाधिकारियों ने राजस्थानी (मायड़) भाषा के संरक्षण, संवर्धन एवं संवैधानिक मान्यता दिलाने हेतु श्री मेहता द्वारा किए जा रहे सतत प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। साथ ही राजस्थानी भाषा के प्रति उनके समर्पण और संघर्ष को समाज के लिए प्रेरणादायक बताया।

उल्लेखनीय है कि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन भी लंबे समय से राजस्थानी भाषा को भारतीय संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल कराने के उद्देश्य से निरंतर प्रयासरत है। इस संबंध में सम्मेलन द्वारा देश के माननीय प्रधानमंत्री, माननीय गृहमंत्री, केंद्रीय मंत्रिपरिषद के विभिन्न मंत्रीगण, भारत सरकार के विभिन्न विभागों के मंत्रियों, राजस्थान के माननीय मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा तथा राजस्थान सरकार के अनेक मंत्रियों को समय-समय पर पत्र लिखकर सकारात्मक पहल की मांग की जाती रही है।

बैठक के दौरान हाल ही में उच्चतम न्यायालय (सुप्रीम कोर्ट) द्वारा पारित उस महत्वपूर्ण आदेश पर भी प्रसन्नता व्यक्त की गई, जिसमें राजस्थान सरकार को राज्य के विद्यालयों में राजस्थानी भाषा के अध्ययन-अध्यापन को सुनिश्चित करने के संबंध में आवश्यक कदम उठाने का निर्देश दिया गया है। सम्मेलन पदाधिकारियों ने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए श्री पदम मेहता को विशेष रूप से बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं, क्योंकि इस मामले में राजस्थानी भाषा के पक्ष में चलाए गए अभियान एवं न्यायिक प्रक्रिया में उनकी महत्वपूर्ण एवं अग्रणी भूमिका रही है।

सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका ने कहा कि राजस्थानी भाषा केवल राजस्थान की सांस्कृतिक पहचान ही नहीं, बल्कि देश की समृद्ध भाषाई विरासत का अभिन्न अंग है। इसे संवैधानिक मान्यता दिलाने तथा नई पीढ़ी तक पहुँचाने के लिए सभी सामाजिक संगठनों, बुद्धिजीवियों एवं भाषा प्रेमियों को मिलकर कार्य करना होगा।

एन.जी. खेतान को बधाई

१२ जून २०२६ को अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन गोयनका एवं राष्ट्रीय महामंत्री श्री केदार नाथ गुप्ता ने पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा हाल ही में नियुक्त Advocate on Record (Original Side) Calcutta High Court, एवं वरिष्ठ अधिवक्ता श्री नंद गोपाल खेतान से सौजन्य भेंट कर उनकी नियुक्ति पर उनसे मिलकर उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ प्रदान कीं।

भेंटवार्ता के दौरान सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन गोयनका ने अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा देशभर में समाजहित, शिक्षा, स्वास्थ्य, युवा सशक्तिकरण तथा सामाजिक एकता के क्षेत्र में किए जा रहे विभिन्न कार्यों की विस्तृत जानकारी दी। राष्ट्रीय महामंत्री श्री केदार नाथ गुप्ता ने भी सम्मेलन की भावी योजनाओं एवं संगठन को और अधिक सशक्त बनाने हेतु चलाए जा रहे प्रयासों पर प्रकाश डाला।

श्री खेतान ने सम्मेलन द्वारा समाज के उत्थान एवं जनकल्याण के लिए किए जा रहे कार्यों की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे संगठन समाज को एक नई दिशा प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने संगठन की गतिविधियों में अपनी सकारात्मक सहभागिता एवं सहयोग का भी आश्वासन दिया।

सीताराम रुँगटा मारवाड़ी सम्मेलन भवन निर्माण कार्य का निरीक्षण

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका एवं राष्ट्रीय महामंत्री श्री केदारनाथ गुप्ता ने दिनांक १२ जून २०२६ को सम्मेलन के अमहर्स्ट स्ट्रीट, कोलकाता स्थित सीताराम रुँगटा मारवाड़ी सम्मेलन भवन निर्माण परियोजना का निरीक्षण किया तथा निर्माण कार्य की प्रगति का अवलोकन किया।

निरीक्षण के दौरान भवन निर्माण कार्य की गुणवत्ता, गति एवं सुव्यवस्थित कार्यप्रणाली पर संतोष व्यक्त किया गया। श्री गोयनका ने भवन निर्माण उपसमिति के चेयरमैन श्री संतोष सराफ एवं उनकी पूरी टीम द्वारा किए जा रहे समर्पित प्रयासों की सराहना की।

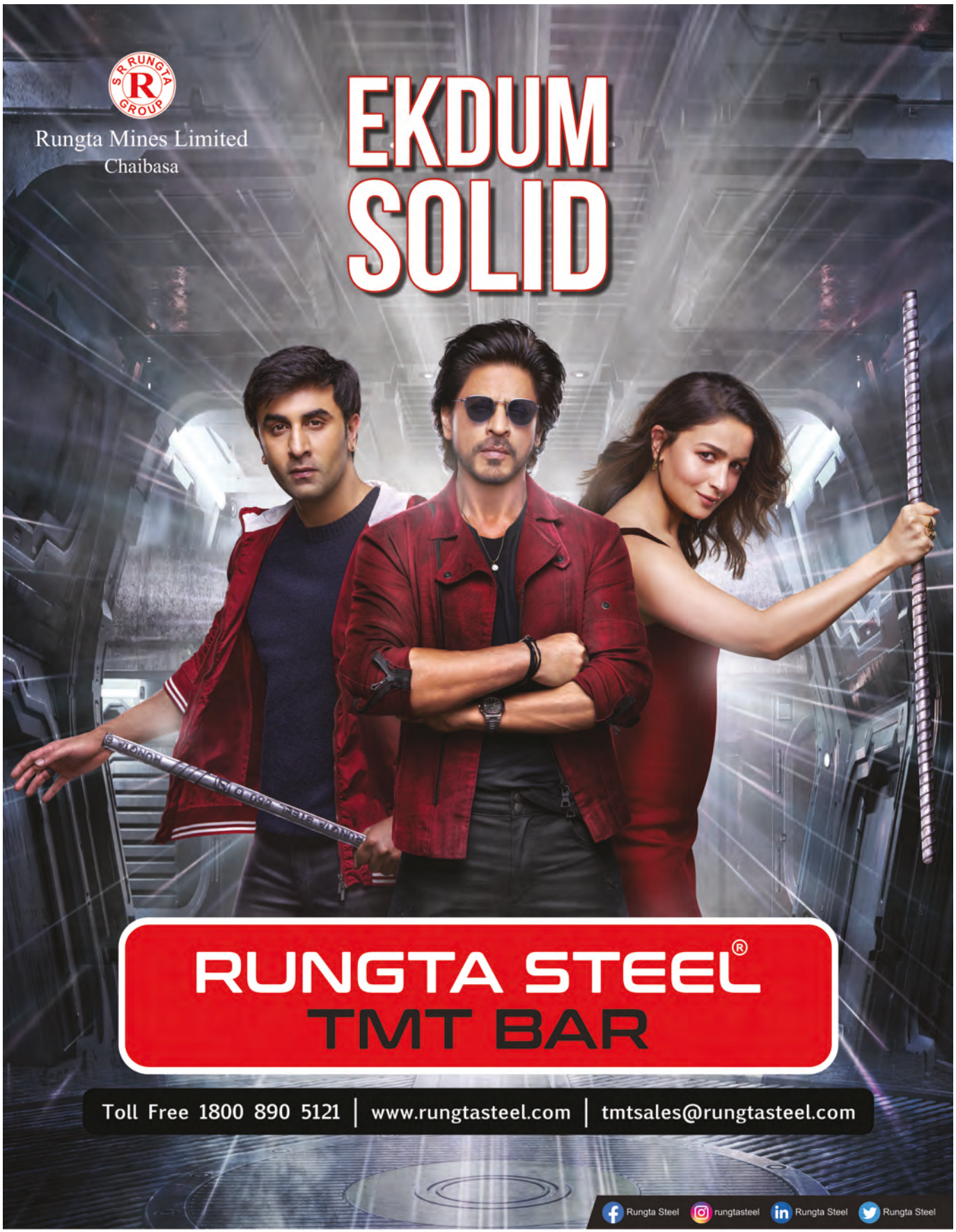

Rungta Office, Nagpur Parishad Complex, Chaibasa, Jharkhand-833201

IAC
SINCE 1959
ISO 9001:2015
ISO 14001:2015
ISO 45001:2018
NABL Accredited Lab
POWERING 47 COUNTRIES ACROSS THE WORLD
IAC Electricals Pvt Ltd is the one stop solution for providing innovative product and services to the electric power utility since 1959
PRODUCTS & SERVICES OFFERED:
▶ INSULATOR HARDWARE FITTINGS UPTO 1200 kV HVAC & 800 kV HVDC
▶ AB CABLE & OPGW FITTINGS
▶ POLE / DISTRIBUTION LINE HARDWARE
▶ EARTHING, STAY & TOWER ACCESSORIES
▶ HTLS CONDUCTOR ACCESSORIES & SUB-ZERO HARDWARE FITTINGS
▶ SUBSTATION CLAMPS & CONNECTORS
▶ CONDUCTOR, INSULATOR & HARDWARE TESTING FACILITY
▶ AB CABLES, COVERED CONDUCTORS AND ADSS CABLE ACCESSORIES
IAC ELECTRICALS PVT LTD
Chakra
BMV 60 T20
Transmission and distribution line hardwares | HTLS Conductor Testing
www.iacelectricals.com
info@iacelectricals.com
701, Central Plaza, 2/6, Sarat Bose Road, Kolkata – 700020

प्रेस विज्ञप्ति

समाज को भ्रमित करने के प्रयासों के विरुद्ध सत्य एवं संगठनात्मक मर्यादा के पक्ष में सम्मेलन का स्पष्ट वक्तव्य

प्रवासी मारवाड़ी समाज की देश की सर्वाधिक प्राचीन एवं प्रतिनिधि संस्था अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की स्थापना वर्ष १९३५ में समाज की एकता, संगठन, सेवा एवं सांस्कृतिक संरक्षण के उद्देश्य से की गई थी। वर्तमान में सम्मेलन की पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन सहित आंध्र प्रदेश, उत्कल, उत्तराखंड, कर्नाटक, केरल, गुजरात, छत्तीसगढ़, झारखंड, तेलंगाना, तमिलनाडु, दिल्ली, पूर्वोत्तर, बिहार, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश एवं सिक्किम सहित कुल १८ प्रादेशिक इकाइयाँ कार्यरत हैं। देशभर में सम्मेलन की लगभग ४०० शाखाएँ तथा ५०००० से अधिक सक्रिय सदस्य हैं।

सम्मेलन के **प्राणपुरुष स्वर्गीय ईश्वर दास जालान** के मार्गदर्शन में यह संगठन निरंतर समाज सेवा, राष्ट्रीय चेतना एवं सामाजिक एकता के कार्यों में अग्रणी रहा है। सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्षों में **सेठ स्व. रामदेव चोखानी, स्व. पदमपत सिंघानिया, स्व. बृजलाल बियाणी, स्व. रामेश्वरलाल टांटिया, स्व. मेजर रामप्रसाद पोद्दार, स्व. नंदकिशोर जालान, स्व. रामकृष्ण सरावगी, स्व. मोहनलाल तुलस्यान, स्व. रामअवतार पोद्दार, श्री सीताराम शर्मा, श्री नन्दलाल स्वंगटा, डॉ. हरिप्रसाद कानोड़िया, पद्मश्री प्रह्लाद राय अगरवाला, श्री संतोष सराफ, श्री गोवर्धन प्रसाद गाड़ोदिया तथा श्री शिव कुमार लोहिया जैसे प्रतिष्ठित व्यक्तित्वों ने संगठन का नेतृत्व किया है।**

सम्मेलन के **रजत जयंती, स्वर्ण जयंती, हीरक जयंती, कौस्तुभ जयंती** एवं अन्य राष्ट्रीय आयोजनों में देश के अनेक शीर्ष संवैधानिक पदाधिकारियों एवं गणमान्य व्यक्तियों ने सहभागिता कर सम्मेलन की प्रतिष्ठा को गौरवान्वित किया है। इनमें पूर्व राष्ट्रपति **ज्ञानी जैल सिंह, डॉ. शंकर दयाल शर्मा, श्रीमती प्रतिभा देवीसिंह पाटिल, श्री प्रणब मुखर्जी, श्री रामनाथ कोविंद, वर्तमान राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू (तत्कालीन झारखंड राज्यपाल), उपराष्ट्रपति श्री जगदीप धनखड़ (तत्कालीन पश्चिम बंगाल राज्यपाल), लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला तथा राज्यसभा के उपसभापति श्री हरिवंश नारायण सिंह प्रमुख हैं।**

यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की भंग कार्यकारिणी से जुड़े **श्री नंदकिशोर अग्रवाल, श्री पंकज कुमार भालोटिया, श्री अभिषेक शरद डोकानिया** एवं कुछ अन्य व्यक्तियों द्वारा अपने निजी स्वार्थों की पूर्ति हेतु समाज एवं संगठन के भीतर भ्रम, विभाजन और असत्य का वातावरण निर्मित करने का प्रयास किया जा रहा है। इनके द्वारा समाज, सम्मेलन के सदस्यों तथा मीडिया को तथ्यहीन एवं भ्रामक सूचनाओं के माध्यम से दिग्भ्रमित करने का प्रयास किया जा रहा है।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की सदस्यता व्यवस्था एकल एवं एकीकृत है। सम्मेलन का प्रत्येक सदस्य राष्ट्र, प्रांत एवं शाखा-तीनों स्तरों पर संगठन का सदस्य होता है। ऐसे में पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की भंग कार्यकारिणी से जुड़े बर्खास्त पदाधिकारियों द्वारा सदस्यों को उनके वैधानिक एवं संगठनात्मक अधिकारों से वंचित करने का प्रयास न केवल संगठनात्मक मर्यादाओं के विपरीत है, बल्कि सम्मेलन के संविधान एवं लोकतांत्रिक परंपराओं का भी उल्लंघन है।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन सदैव समाज की एकता, अखंडता एवं समरसता में विश्वास करता आया है। इतिहास साक्षी है कि जब-जब समाज को विभाजित करने अथवा संगठन को कमजोर करने का प्रयास हुआ है, सम्मेलन ने दृढ़ता के साथ उसका विरोध किया है और समाज को एक सूत्र में बांधे रखने का कार्य किया है।

इस संवाददाता सम्मेलन का उद्देश्य समाज एवं मीडिया के समक्ष वास्तविक स्थिति को स्पष्ट करना है, ताकि समाज में फैलाई जा रही भ्रांतियों, असत्य तथ्यों एवं दुष्प्रचार पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन समाज एवं संगठन के सभी सदस्यों से आग्रह करता है कि वे सत्य, संगठनात्मक मर्यादा एवं संवैधानिक व्यवस्था के साथ खड़े रहें तथा समाज को विभाजित करने वाले किसी भी प्रयास का समर्थन न करें। सम्मेलन को पूर्ण विश्वास है कि समाज का प्रत्येक जागरूक सदस्य संगठन की गरिमा, एकता एवं गौरव की रक्षा हेतु अपना सकारात्मक योगदान देगा।

सदस्यों की जानकारी हेतु पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की कार्यकारिणी समिति के भंग होने के बाद राष्ट्रीय संवैधानिक प्रावधान के तहत एक पांच सदस्यीय तदर्थ समिति का गठन अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन ने कर दिया है, जिसका काम आगामी दिनों में पश्चिम बंग प्रांत की सुचारु रूप से चुनावी प्रक्रिया की संभावना को कार्यरूप प्रदान करना है।

इस अवसर पर आयोजित **संवाददाता सम्मेलन** को संबोधित करते हुए सम्मेलन के **राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री पवन कुमार गोयनका, पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष सराफ, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष गिरधारी लाल गोयनका, राष्ट्रीय महामंत्री केदारनाथ गुप्ता, पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री संजय हरलालका, निवर्तमान राष्ट्रीय महामंत्री कैलाशपति तोदी, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अनिल मलावत, पश्चिम बंग प्रांत के ट्रस्टी एवं पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष विजय गुजरवासिया, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष विजय डोकानिया, पूर्व प्रांतीय महामंत्री ओम प्रकाश अग्रवाल, आत्माराम सोंथलिया, विश्वनाथ भुवालका, अमित डाबरीवाल, पुनीत गुजरवासिया सहित अन्य सदस्यगण उपस्थित थे।**

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन ने नंद किशोर अग्रवाल की प्राथमिक सदस्यता खारिज की

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के सदस्य एवं प्रांतीय इकाई पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन से बर्खास्त अध्यक्ष नंद किशोर अग्रवाल की सम्मलेन से प्राथमिक सदस्यता रद्द कर दी गई है। संविधान का उल्लंघन, मर्यादा एवं अनुशासन के विपरीत गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने पर राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन कुमार गोयनका को यह संवैधानिक कदम उठाने के लिए बाध्य होना पड़ा। श्री अग्रवाल द्वारा संविधानिक रूप से कार्यकाल समाप्त होने के पश्चात भी संवैधानिक प्रक्रिया का पालन नहीं किया और दो कार्यकाल पूर्ण होने के उपरांत भी पद पर बने रहने का असंवैधानिक प्रयास किया। इसके साथ ही, कोर्ट में प्रांतीय चुनाव प्रक्रिया को स्थगित कराने में अपनी सहमति देकर संगठन एवं समाजहित को गहरी क्षति पहुँचाई।

केंद्रीय संगठन यानी अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन से प्रांतीय इकाई पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन से पृथक करने के एक सुनियोजित षड़यंत्र के प्रयास में शामिल रहे नंद किशोर अग्रवाल को संगठन की राष्ट्रीय, प्रांतीय एवं शाखा स्तरीय प्रकोष्ठों से निष्कासित कर उनकी सदस्यता खारिज कर दी गई है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोयनका द्वारा जारी निष्कासन संबंधी पत्र में कहा गया है कि पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की प्रांतीय इकाई है।

श्री अग्रवाल पूरी तरह से गैरकानूनी होने के साथ ही स्थापित नियम, नैतिक मूल्यों तथा सांगठनिक भावना के प्रति इनकी अपेक्षा और अवज्ञा के परिचायक रहे है। इनकी हरकतों से सम्मेलन के सदस्यों में भ्रांती तो फैली ही, समाज तथा संगठन को ठेस भी पहुंची है।

श्री गोयनका ने सम्मेलन के सदस्यों से समाज एवं संगठन हित में श्री अग्रवाल के अनैतिक कार्यों से दूरी बनाने का आह्वान किया है।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन

4बी, डकबैक हाउस (चौथा तल्ला)

41, शेक्सपियर सारणी, कोलकाता-700 017

समाज से सादर निवेदन

वैवाहिक अवसर पर **मद्यपान** करना - कराना धार्मिक एवं सामाजिक दोनों रूप से उचित नहीं है।

प्रांतीय समाचार : पश्चिम बंग

जनादेश सम्मान समारोह संपन्न

पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, हुगली शाखा द्वारा आयोजित **'जनादेश सम्मान समारोह'** का भव्य आयोजन रिसड़ा स्थित देवतिया बैंक्वेट हॉल, बागखाल में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम में नव निर्वाचित जनप्रतिनिधियों एवं विशिष्ट अतिथियों का सम्मान कर लोकतांत्रिक मूल्यों तथा जनसेवा के प्रति समाज की प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करने का संदेश दिया गया।

समारोह में कैबिनेट मंत्री श्रीमती अग्निमित्रा पॉल, वरिष्ठ भाजपा नेता श्री अजय पोद्दार, राज्य मंत्री श्री भास्कर भट्टाचार्य, विधायक श्री दिलीप सिंह (चाम्पदानी), श्री दिपांजन गुहा (चंदननगर), श्री भरत कुमार झंवर (बेलडांगा), श्री प्रोसेनजीत बाग (जांगीपाड़ा), श्रीमती मधुमिता घोष (हरिपाल), लोकसभा प्रत्याशी श्री कविशंकर बोस, अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष शिव कुमार लोहिया, राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष अनिल मलावत, राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री पवन जी जालान, रिसड़ा के पार्षद श्री मनोज सिंह एवं श्रीमती शशि सिंह झा, प्रवासी भारतीय राजस्थान प्रकोष्ठ के चेयरमैन श्री कुमार लखोटिया तथा रिषड़ा थाना प्रभारी श्री संजय सरकार की गरिमामयी उपस्थिति रही।

शाखा की ओर से सभी अतिथियों का पारंपरिक भारतीय संस्कृति के अनुरूप साफा पहनाकर, शॉल ओढ़ाकर, श्रीफल एवं भगवान श्रीरामलला की प्रतिमा भेंट कर सम्मान किया गया। अतिथियों ने आयोजन की भूरि-भूरि प्रशंसा करते हुए कहा कि समाज और जनप्रतिनिधियों के मध्य संवाद एवं सहयोग की यह पहल अनुकरणीय है तथा इससे सामाजिक समरसता और जनकल्याण की भावना को बल मिलता है।

अपने संबोधन में वक्ताओं ने कहा कि लोकतंत्र में जनादेश का सम्मान तथा समाज के विभिन्न वर्गों के बीच समन्वय ही विकास का आधार है। उन्होंने समाजसेवा, राष्ट्र निर्माण एवं सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण में मारवाड़ी समाज की भूमिका की भी सराहना की।

कार्यक्रम को सफल बनाने में संरक्षक कुमार लखोटिया, कार्यक्रम चेयरमैन मुकेश देवतिया, कार्यक्रम संयोजक बिश्वनाथ भंसाली एवं अनुज डागा, पूर्व अध्यक्ष प्रमोद जैन, शाखा सचिव पवन जैन, कोषाध्यक्ष पूरणमल अग्रवाल, संयुक्त मंत्री सुशील भावसिंघका तथा सदस्य रमेश अग्रवाल, श्याम पारीक, अंकित अग्रवाल, रितेश जैन (थाना), अरविंद राठी, भरत महेश्वरी, गौरव झुनझुनवाला, विशाल मोदी एवं विशाल गुप्ता का विशेष योगदान रहा।

शाखा अध्यक्ष प्रमोद कुमार अग्रवाल ने कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी सदस्यों, दानदाताओं, सहयोगकर्ताओं एवं उपस्थित अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रत्यक्ष अथवा परोक्ष रूप से सहयोग देने वाले प्रत्येक व्यक्ति का योगदान इस सफलता का आधार है। धन्यवाद ज्ञापन शाखा सचिव पवन जैन जी द्वारा दिया गया। यह सारी जानकारी शाखा अध्यक्ष प्रमोद कुमार जी अग्रवाल द्वारा दी गई। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

श्री ओम प्रकाश बाजोरिया पुनः अध्यक्ष

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के अंतर्गत पश्चिम बंग प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की रानीगंज शाखा द्वारा रानीगंज शहर में आयोजित भव्य **शपथ ग्रहण समारोह** का आयोजन २८ मई २०२६ को किया गया। समारोह में पुनः अध्यक्ष बने श्री ओम प्रकाश बाजोरिया। इस अवसर पर अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री श्री केदार नाथ गुप्ता ने श्री बाजोरिया जी को शपथ वाक्य पाठ करवाया तथा सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने सम्मेलन के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी उपस्थित सदस्यों को दी। सम्मेलन के राष्ट्रीय संयुक्त महामंत्री श्री पवन बंसल सहित कार्यकारिणी समिति के सदस्य श्री विश्वनाथ भुवालका ने सम्मेलन कि गतिविधियों से सभी को अवगत कराया। वहीं राष्ट्रीय स्थाई समिति के सदस्य श्री दिनेश सराफ ने सम्मेलन की वर्तमान और आगामी परियोजनाओं की जानकारी दी। पुरुलिया शाखा के उपाध्यक्ष श्री ओम प्रकाश केजरीवाल ने वर्तमान सामाजिक समस्याओं पर प्रकाश डाला।

सभा में महिला सदस्यों कि उपस्थिति उल्लेखनीय रही। इस अवसर पर श्री ओम प्रकाश बाजोरिया ने ७८ नए सदस्य बनाकर उनके फॉर्म सहित सदस्यता राशि का चेक अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय महामंत्री को सौंपा।

रानीगंज शाखा के नए सचिव बने श्री अरुण भरतिया, संयुक्त सचिव श्रीमती स्वीटी लोहिया, उपाध्यक्ष श्री अनिल लुहारूवाला एवं संगठन मंत्री श्री विमल अग्रवाल एवं अन्य सदस्यगण उपस्थित थे।

प्रांतीय समाचार : सिक्किम

भेंटवार्ता

सिक्किम प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन एवं संबद्ध संस्था सिक्किम मारवाड़ी समाज के प्रांतीय अध्यक्ष श्री सजन अग्रवाल २१ मई २०२६ को दिल्ली आगमन पर दिल्ली प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष, श्री राजेश सिंघल से भेंट करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उनके साथ सामाजिक विषयों पर विस्तृत वार्ता हुई। उनका परामर्श एवं मार्गदर्शन हमारे समाज के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण है। श्री साजन अग्रवाल ने उन्हें अपने स्थापना दिवस समारोह हेतु आमन्त्रित किया एवं उन्होंने सहर्ष स्वीकृति प्रदान की है।

प्रांतीय समाचार : छत्तीसगढ़

धरोहर शाखा का गठन

छत्तीसगढ़ प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मलेन द्वारा २७ मई बुधवार को सांयकाल होटल मीरा रायपुर में एक नई शाखा **"धरोहर शाखा रायपुर"** का गठन किया गया। जिसका शपथ ग्रहण समारोह होटल मीरा रायपुर में सम्माननीय राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्री पुरुषोत्तम सिंघानिया, प्रदेश अध्यक्ष अमर बंसल, प्रदेश महामंत्री CA जी.जी.अग्रवाल, कोषाध्यक्ष सुरेश चौधरी एवं रायपुर शाखा अध्यक्ष संजय शर्मा व सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न हुआ!

कार्यकारिणी का गठन सर्वसम्मती से निम्नानुसार किया गया :-

शाखा अध्यक्ष कैलाश छापड़िया, सचिव नितेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष नारायण अग्रवाल, उपाध्यक्ष क्षितिज अग्रवाल

सह सचिव श्री विजय अग्रवाल सहित कार्यकारिणी सदस्यगण श्री आनंद अग्रवाल, श्री आशीष अग्रवाल, श्री प्रभात अग्रवाल, श्री पंकज अग्रवाल, श्री सुधीर अग्रवाल, श्री मनोज अग्रवाल, श्री कमल गुप्ता, श्री रामजीलाल सिंघानिया

पुष्परंजन जैन को श्री पुरुषोत्तम सिंघानिया जी (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष) ने शपथ दिलाई। कार्यक्रम का समापन राष्ट्र गान के साथ किया गया।

प्रांतीय समाचार : गुजरात

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पालन

गुजरात प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की तापी उड़ान शाखा द्वारा २१ जून २०२६ को पूण्यभूमि सोसाइटी गार्डन में **अंतरराष्ट्रीय योग दिवस** उत्साहपूर्वक मनाया गया।

योग गुरु भूमि मटारिया के मार्गदर्शन में योगाभ्यास किया गया तथा उनका सम्मान भी किया गया। योग के पश्चात सभी ने हेल्दी नाश्ते एवं ताज़गी भरे नींबू पानी का आनंद लिया।

इस अवसर पर शाखाध्यक्ष श्रीमती मनीषा कजरिया, शाखा सचिव श्रीमती दिशा लोहिया, शाखा कोषाध्यक्ष श्रीमती रश्मि लाठ एवं अन्य उपस्थिति थे।

मुख्यमंत्री से मिला पूर्वोत्तर प्रतिनिधिमंडल

पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के एक प्रतिनिधिमंडल ने ७ जून २०२६ को असम के मुख्यमंत्री **डॉ. हिमंत विश्व शर्मा** से असम सचिवालय में सौहार्दपूर्ण भेंट कर उन्हें विधानसभा चुनाव में ऐतिहासिक जनसमर्थन प्राप्त करने तथा पुनः मुख्यमंत्री पद का दायित्व संभालने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

प्रतिनिधिमंडल में पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री कैलाश काबरा, प्रांतीय महामंत्री श्री रमेश कुमार चांडक, प्रांतीय संगठन मंत्री श्री मनोज जैन काला, सम्मेलन सहयोगी एवं माहेश्वरी सभा गुवाहाटी के अध्यक्ष श्री सीताराम बिहानी तथा घनश्याम धानुका शामिल थे।

मंत्री कौशिक राय का अभिनंदन

पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन (पूप्रमास) के एक प्रतिनिधिमंडल ने ११ जून २०२६ को असम सरकार के नव नियुक्त खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले एवं अन्य विभागों के माननीय मंत्री **श्री कौशिक राय** से उनके आवास पर शिष्टाचार भेंट कर उन्हें नवीन दायित्व ग्रहण करने पर हार्दिक बधाई देते हुए अभिनंदन किया।

प्रतिनिधिमंडल में सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा, प्रांतीय महामंत्री रमेश कुमार चांडक तथा प्रांतीय संगठन मंत्री मनोज जैन 'काला' शामिल थे।

सबा स निवेदन है आपणां घरा में टाबरां सागै अर आपसरी में मायड़ भासा मारवाड़ी में ही बोल बतलावण करो।

११७वीं टंगला शाखा का गठन

पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के संगठन विस्तार अभियान को नई मजबूती देते हुए टंगला में सम्मेलन की ११७वीं शाखा का विधिवत गठन किया गया। प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा, प्रांतीय सलाहकार रमेश अग्रवाल तथा प्रांतीय संगठन मंत्री मनोज काला के नेतृत्व में आयोजित की गई।

दौरे के प्रथम चरण में प्रतिनिधिमंडल ने गोरेश्वर शाखा का भ्रमण किया, जहां शाखाध्यक्ष सागरमल अग्रवाल की उपस्थिति में एक बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रांतीय कार्यकारिणी सदस्य विजय अग्रवाल, आनंद जैन, संजय सुराना, मणिशंकर चौधरी, चांदमल चौधरी, संकी अग्रवाल सहित अनेक समाजबंधु एवं शाखा सदस्य उपस्थित रहे। इस दौरान शाखा द्वारा संचालित एवं प्रस्तावित सामाजिक गतिविधियों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

बैठक को संबोधित करते हुए प्रांतीय अध्यक्ष कैलाश काबरा ने हाल ही में मोरनहाट में सम्पन्न प्रांतीय कार्यकारिणी बैठक एवं प्रांतीय सभा की जानकारी साझा की। उन्होंने गुवाहाटी में निर्माणाधीन मारवाड़ी सम्मेलन छात्रावास परियोजना की प्रगति से भी सभी को अवगत कराया तथा समाज के सहयोग और सहभागिता का आह्वान किया।

इसके पश्चात प्रतिनिधिमंडल टंगला पहुंचा, जहां क्षेत्र के प्रतिष्ठित समाजसेवी गिरीराज व्यास एवं सुशील महेश्वरी सहित स्थानीय समाजबंधुओं के साथ बैठक आयोजित की गई। बैठक में सम्मेलन के उद्देश्यों, सामाजिक सरोकारों तथा समाजहित में संगठन की भूमिका पर विस्तृत चर्चा हुई। विचार-विमर्श के उपरांत एक तदर्थ समिति का गठन किया गया तथा स्थानीय समाजबंधुओं से व्यक्तिगत संपर्क एवं संवाद के माध्यम से टंगला में पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन की ११७वीं शाखा का गठन किया गया।

सदस्य कैसे बने?

१. देश के २४ प्रांतो की प्रांतीय सम्मेलनों से सम्पर्क करें।

२. सदस्यता आवेदन प्रांतीय या राष्ट्रीय कार्यालय सदस्यता शुल्क के साथ भेंजे।

३. अधिक जानकारी के लिए **www.marwarisammelan.com** को देखें एवं सदस्यता आवेदन पत्र डाउनलोड करें।

४. राष्ट्रीय कार्यालय के दिए गए पते पर सम्पर्क करें।

मेधावी विद्यार्थियों का सम्मान

पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन के दिशा-निर्देशानुसार मारवाड़ी सम्मेलन, नगांव महिला शाखा द्वारा बोर्ड की १०वीं एवं १२वीं परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर शाखा की सदस्याओं के मेधावी बच्चों का अभिनंदन कर उनकी शैक्षणिक उपलब्धियों को प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम के दौरान सभी विद्यार्थियों का असम की समृद्ध सांस्कृतिक परंपरा के प्रतीक फुलाम गामोछा पहनाकर सम्मान किया गया। साथ ही उन्हें भविष्य में और बेहतर प्रदर्शन के लिए प्रोत्साहन-पत्र भेंट किए गए।

सम्मानित विद्यार्थियों में अग्रवाल, कनन मोर, कार्तिक मोर, लक्ष्य सिंघी, पूर्वी अग्रवाल एवं छवि गिदरा शामिल रहे।

खिचड़ी वितरण

पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन की मारवाड़ी सम्मेलन होजाई महिला शाखा द्वारा १४ जून २०२६ को हजारों राहगीरों को खिचड़ी का प्रसाद वितरण किया। स्थानीय लक्ष्मी नारायण मंदिर परिसर के सामने आयोजित उक्त कार्यक्रम में हजारों लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। उक्त अवसर पर संस्था की सदस्यगण ईशु भीमसरिया, सरिता सरावगी, बिमला पंसारी, सुनीता भीमसरिया, सपना मोर, रीना भीमसरिया, मधु भीमसरिया, रितु सरावगी, पिंकी पंसारी, संगीता भीमसरिया, नीतू मोर, पिंकी सरावगी, कबिता सरावगी, अनिता बजाज, बबीता शर्मा, रेखा मोर, संतोष शर्मा, रंजना पंसारी, दीपिका भीमसरिया, ध्रुव भीमसरिया, पलक भीमसरिया, दीपा सिंघानिया, मीनू सिंघानिया आदि उपस्थित थीं।

जोरहाट महिला शाखा का गठन

पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन निरंतर संगठन विस्तार, सामाजिक एकजुटता और समाज सेवा के उद्देश्यों को लेकर सक्रिय रूप से कार्य कर रहा है। इसी क्रम में दिनांक ११ मई २०२६ को मारवाड़ी ठाकुरबाड़ी स्थित अग्रवाल भवन, जोरहाट में श्रीमती सुनीला भड़ेच की अध्यक्षता में मारवाड़ी महिला सम्मेलन की जोरहाट शाखा का गठन संपन्न हुआ। इस अवसर पर जोरहाट सम्मेलन के अध्यक्ष आदरणीय श्री कन्हैयालाल हरलालका एवं सचिव श्री बाबूलाल सांखला उपस्थित रहे। बैठक में सर्वसम्मति से आदरणीय श्रीमती शांति मालपानी को जोरहाट महिला शाखा का अध्यक्ष मनोनीत किया गया। तत्पश्चात अध्यक्ष श्रीमती मालपानी ने महिला सदस्यों के साथ विचार-विमर्श कर श्रीमती हेमा शर्मा को सचिव, श्रीमती सुनीला भड़ेच को उपाध्यक्ष, श्रीमती विमला भट्टड़ को कोषाध्यक्ष तथा श्रीमती सरस्वती मालपानी को संयुक्त सचिव नियुक्त किया। इसके अतिरिक्त श्रीमती विमला शर्मा एवं श्रीमती कांति देवी मालपानी को शाखा का सलाहकार बनाया गया।

धिंग-मोरियाबारी में नई इकाइयों के गठन की पहल

नगांव जिले के धिंग एवं मोरियाबारी क्षेत्र में भी ११ मई २०२६ को नई शाखा गठन की पहल की गई। इस अवसर पर श्री संजय कुमार गाड़ोदिया एवं नगांव शाखा अध्यक्ष श्री प्रमोद कोठारी दोनों स्थानों पर पहुंचकर समाज बंधुओं के साथ बैठक की तथा सम्मेलन के उद्देश्यों, गतिविधियों एवं सामाजिक कार्यक्रमों की विस्तृत जानकारी दी। बैठक में स्थानीय स्तर पर सम्मेलन की शाखा की आवश्यकता पर विचार-विमर्श के उपरांत श्री पृथ्वीराज छाजेड़ के नेतृत्व में श्री संपतमल कोठारी एवं श्री शांतिलाल मनोत को शामिल करते हुए एक तदर्थ समिति का गठन किया गया। समिति ने तत्परता दिखाते हुए तत्काल १५ आजीवन सदस्यों के आवेदन एवं शुल्क राशि जमा की। तदर्थ समिति शीघ्र ही अधिकाधिक आजीवन सदस्य जोड़कर शाखा अध्यक्ष एवं अन्य पदाधिकारियों का मनोनयन कर विधिवत शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जाएगा।

गौरीपुर में सम्मेलन की नई शाखा गठित

मारवाड़ी सम्मेलन के मंडल 'ख' के अंतर्गत गौरीपुर में भी १३ मई २०२६ को नई शाखा के गठन की घोषणा की गई। यह शाखा मंडल 'ख' की १०वीं तथा प्रांत की ११४वीं शाखा होगी। इस शाखा के गठन हेतु प्रांतीय अध्यक्ष लंबे समय से प्रयासरत थे तथा कई बार गौरीपुर का दौरा भी किया गया। शाखा गठन की प्रक्रिया को अंतिम रूप देने में मंडल 'ख' के सहायक मंत्री श्री संजय मोर एवं धुबड़ी शाखा के अध्यक्ष श्री अनोप सेठिया का विशेष योगदान रहा, जिन्होंने दो बार गौरीपुर का दौरा कर संगठन विस्तार के इस कार्य को सफल बनाया। संगठन के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने दोनों का हार्दिक अभिनंदन एवं साधुवाद ज्ञापित किया।

सांगठनिक बैठक आयोजित

मारवाड़ी सम्मेलन के संगठनात्मक सुदृढ़ीकरण एवं भावी योजनाओं को लेकर सम्मेलन की रंगापाड़ा शाखा के साथ २६ मई २०२६ को एक महत्वपूर्ण सांगठनिक बैठक आयोजित की गई। बैठक में मंडलीय उपाध्यक्ष श्री निलेश अग्रवाल एवं मंडलीय सहायक मंत्री श्री राजीव जैन ने शाखा के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के साथ विस्तृत चर्चा की। इस दौरान संगठन की वर्तमान गतिविधियों, सदस्यता विस्तार, शाखा सशक्तीकरण तथा आगामी कार्यकाल में संचालित किए जाने वाले विभिन्न सामाजिक एवं संगठनात्मक प्रकल्पों पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में संगठन के विकास, नई कार्ययोजनाओं के क्रियान्वयन तथा समाज के अधिकाधिक लोगों को सम्मेलन से जोड़ने के उपायों पर सार्थक मंथन हुआ। पदाधिकारियों ने शाखा स्तर पर सेवा, संस्कार, शिक्षा एवं सामाजिक जागरूकता से जुड़े कार्यक्रमों को और अधिक प्रभावी बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। बैठक के दौरान एक विशेष अवसर पर रंगापाड़ा शाखा के सचिव श्री सुनील अग्रवाल को पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन की आजीवन सदस्यता का प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया। उपस्थित सदस्यों ने उन्हें बधाई देते हुए संगठन के प्रति उनके समर्पण एवं सक्रिय योगदान की सराहना की।

विश्व पर्यावरण दिवस पर हरित अभियान

विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पूर्वोत्तर प्रदेशीय मारवाड़ी सम्मेलन एवं इसकी विभिन्न शाखाओं तथा महिला शाखाओं ने ५ जून २०२६ को पूरे असम में वृक्षारोपण, पौधा वितरण, पर्यावरण जागरूकता एवं सेवा कार्यक्रमों का आयोजन किया।

इस अभियान में मोरानहाट शाखा, शिवसागर शाखा, धेमाजी शाखा एवं धेमाजी महिला शाखा, सिलापठार शाखा एवं सिलापठार महिला शाखा, होजाई महिला शाखा, लखीमपुर महिला शाखा, नगांव शाखा, गुवाहाटी शाखा, कामरूप शाखा, गुवाहाटी महिला शाखा, गुवाहाटी ग्रेटर शाखा, गुवाहाटी मेट्रो शाखा, बोंगाईगांव शाखा एवं बोंगाईगांव महिला शाखा, बरपेटा रोड महिला शाखा, बिजनी महिला शाखा, तिनसुकिया शाखा, गोलकगंज शाखा, गोहपुर-बिहाली शाखा एवं गोहपुर-बिहाली महिला शाखा, डिब्रूगढ़ शाखा तथा सिलचर शाखा एवं सिलचर महिला शाखा ने सक्रिय सहभागिता निभाई।

असम शिक्षा कोष ट्रस्ट बोर्ड की बैठक

असम प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन शिक्षा कोष ट्रस्ट बोर्ड की एक महत्वपूर्ण एवं ऐतिहासिक बैठक २४ मई को गुवाहाटी स्थित सांगानेरिया धर्मशाला में संपन्न हुई। लगभग चार घंटे तक चली इस बैठक में ट्रस्ट से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर गहन विचार-विमर्श किया गया।

बैठक का प्रमुख विषय विगत कई वर्षों से लंबित शिलांग भूमि विवाद रहा। इस विषय पर सभी ट्रस्टियों ने गंभीरता, संवेदनशीलता एवं सकारात्मक दृष्टिकोण के साथ विस्तृत चर्चा कर विवाद का पटाक्षेप किया गया।

इस बैठक में कुल ३१ में से २६ ट्रस्टियों की उपस्थिति रही। उल्लेखनीय है कि सम्मेलन के द्वारा मनोनीत/पदेन सभी ११ ट्रस्टियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज की।

शिक्षा कोष ट्रस्ट द्वारा आर्थिक रूप से कमजोर एवं प्रतिभाशाली विद्यार्थियों को निरंतर शैक्षिक सहयोग प्रदान किया जा रहा है। वर्तमान में मैट्रिक स्तर के विद्यार्थियों को १००० रुपये प्रति माह तथा उच्च शिक्षा प्राप्त कर रहे विद्यार्थियों को २००० रुपये प्रति माह की सहायता राशि प्रदान की जाती है। गत वर्ष इस योजना का लाभ २६ छात्र-छात्राओं को प्राप्त हुआ।

बैठक में शिक्षा कोष को और अधिक सुदृढ़ एवं व्यापक बनाने के उद्देश्य से समाज बंधुओं को वार्षिक अनुदान सहयोग के लिए प्रेरित करने, नए दानदाताओं को जोड़ने तथा जन-जागरूकता अभियान चलाने पर चर्चा हुई। सम्मेलन की सभी शाखाओं के प्रतिनिधियों से अपने-अपने क्षेत्रों में शिक्षा कोष की जानकारी समाज तक पहुँचाने का आह्वान किया गया। साथ ही वार्षिक सहयोग राशि के लिए प्रेरित करने एवं विभिन्न कॉर्पोरेट संस्थानों से सीएसआर (क्ड्ः) के माध्यम से सहयोग प्राप्त करने के प्रयासों को गति देने का निर्णय लिया गया।

बैठक के दौरान कामरूप शाखा से संबंधित ट्रस्टियों ने अपनी शाखा से न्यूनतम पाँच नए ट्रस्टी जोड़ने का संकल्प व्यक्त किया। वहीं गुवाहाटी की पाँच शाखाओं में इस अभियान को प्रभावी रूप से संचालित करने हेतु मंडल के सहायक मंत्री श्री निरंजन सिकरिया ने सक्रिय प्रयास करने का आश्वासन दिया।

प्रतिभावान छात्र–छात्राओं का अभिनंदन

मारवाड़ी सम्मेलन, बोंगाईगांव शाखा तथा महिला शाखा के संयुक्त तत्वावधान में ३० मई २०२६ को स्थानीय तेरापंथ भवन में एक भव्य **'प्रतिभा अभिनंदन समारोह'** का आयोजन किया गया। इस समारोह में वर्ष २०२५-२०२६ की कक्षा १०वीं और १२वीं की परीक्षाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले तथा उच्च शिक्षा या व्यावसायिक शैक्षणिक डिग्री में उत्तीर्ण होकर मारवाड़ी समाज का नाम रोशन करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया।

समारोह के मुख्य अतिथि बोंगाईगांव विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर डॉ. तरीनी डेका थे, जिनकी गरिमामयी उपस्थिति ने कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। वहीं बोंगाईगांव विश्वविद्यालय के कार्यभार प्राप्त परीक्षा नियंत्रक भवानी प्रसाद शर्मा अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता मारवाड़ी सम्मेलन, बोंगाईगांव के अध्यक्ष अनिल कुमार सुराणा ने की। मंच पर उनके साथ महिला शाखा की अध्यक्ष मंजू दुगड़, प्रांतीय उपाध्यक्ष राजेन्द्र हरलालका, शाखा सचिव राजकुमार कोठारी और महिला शाखा सचिव चंदा भंसाली आसीन रहे।

मारवाड़ी सम्मेलन तथा महिला शाखा द्वारा मुख्य अतिथि प्रोफेसर डॉ. तरीनी डेका को राजस्थानी चुनरी ओढ़ाकर और स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया।

पूरे कार्यक्रम का कुशल मंच संचालन शाखा सचिव एवं महेश कुमार अग्रवाल ने संयुक्त रूप से किया। समारोह के अंत में महिला शाखा की सचिव ने सभी अतिथियों, अभिभावकों और कार्यकर्ताओं के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापन दिया।

योग शिविर ने पूरे किए चार वर्ष

मारवाड़ी सम्मेलन, कामरूप शाखा के तत्वावधान में हिंदुस्तानी केंद्रीय विद्यालय, भंगागढ़ में ६ जून को संचालित योग शिविर ने समाज सेवा एवं स्वास्थ्य जागरूकता के क्षेत्र में चार वर्ष सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिए हैं। इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में शनिवार को एक विशेष योग सत्र एवं भव्य समारोह का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में प्रांतीय उपाध्यक्ष (मुख्यालय) श्री विनोद कुमार लोहिया, मंडलीय सहायक मंत्री श्री निरंजन सिकरिया, कामरूप शाखा के अध्यक्ष श्री अजीत शर्मा, उपाध्यक्ष श्रीमती सरिता लोहिया, उपाध्यक्ष श्री संजय खेतान तथा कोषाध्यक्ष श्री संजय घिड़िया सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे। इस अवसर पर योग साधकों एवं अतिथियों ने शिविर की चार वर्षों की निरंतर यात्रा की सराहना करते हुए इसे स्वास्थ्य, अनुशासन और सामाजिक जागरूकता को बढ़ावा देने वाली एक प्रेरणादायी पहल बताया।

कार्यक्रम के दौरान योग के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले श्री शंकर बील, श्री एवं श्रीमती कृष्णा देब, विवेकानंद केंद्र के श्री सुब्रत मुखर्जी, श्री ताराचंद ठोलिया तथा श्रीमती विनीता आसवाल को पारंपरिक असमिया गामोछा से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में श्री सुरेश अग्रवाल, श्री जतिन हजारिका, श्रीमती रिंकी काकती, श्रीमती पिंकी घिड़िया, श्री श्रीकांत बांका, श्री विदित बरमान, श्रीमती दीपा बर्मन, श्री ललित मिन्डा, श्री छोटूराम कुमावत, श्रीमती अनिमा राजबंशी, श्री संतोष मुंदड़ा, श्री संजय अग्रवाल, श्रीमती विनीता अग्रवाल, श्री कामाख्या प्रसाद शर्मा, श्रीमती सीमा कातकी एवं श्री पी.एन. आचार्य प्रमुख रूप से शामिल रहे।

मारवाड़ी भाई-बेहना सू निवेदन

आपा आपणो देश मारवाड़ (राजस्थान) तो छोड़ दिया हाँ, काईं आपणी मारवाड़ी, आपणी मातृभाषा ने भी छोड़ देनो, खत्म कर देनो चावां हाँ। आपणा में अधिकतर माता-पिता आपणा बच्चा (टाबरा) सू हिंदी, इंग्लिश में बात करा हाँ और गर्व महसूस करा हाँ, आज हर सिंधी रा बच्चा सिंधी बोले है, मराठी का मराठी, अटातांई के अरबपति अंबानी का बच्चा भी गुजराती में ही बात करे है, परंतु आज री जेनरेशन मारवाड़ी बच्चा ने तो मारवाड़ी आवे ही नहीं है, काईं आपण मारवाड़ी बोलना में शर्म आवे है। इन बच्चा का हक है मारवाड़ी बोलनो और मारवाड़ी सीखनो तो कृपया कर गर्व सू मारवाड़ी में बात करो, कम से कम मां-पिता जी, भाई-भोजाई, चाचा-चाची जी, सगला घर का सू कोई एक तो बात शुरू करो।

आपणी मारवाड़ी भाषा ने विलुप्त होना सू बचाओ!

पत्रकार सम्मेलन आयोजित

आंध्र प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन द्वारा १३ जून २०२६ को आयोजित प्रेस वार्ता में राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन कुमार गोयनका एवं चांदमल अग्रवाल ने कहा कि समाज के निर्माण में अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

श्री गोयनका ने बताया कि सामाजिक दायित्वों का निर्वहन करते हुए संस्था ने अनेक उपलब्धियां हासिल की हैं। शनिवार को राजस्थान सांस्कृतिक मंडल भवन में आयोजित पत्रकार सम्मेलन में राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन कुमार गोयनका एवं पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष चांदमल अग्रवाल ने कहा कि वर्ष १९३५ में कोलकाता से स्थापित अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन आज १८ राज्यों में अपनी विभिन्न शाखाओं के माध्यम से सेवा कार्य कर रहा है।

चांदमल अग्रवाल ने बताया कि आंध्र प्रदेश में सम्मेलन की शाखाएं विशाखापट्टनम, श्रीकाकुलम, विजयनगरम, तिरुपति, विजयवाड़ा, गुंटूर एवं राजमुंदरी में कार्यरत हैं। हाल ही में विशाखापट्टनम के औद्योगिक क्षेत्र गाजुवाका में नई शाखा का गठन किया गया है। संस्था के सदस्य विभिन्न सेवा गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं।

पवन कुमार गोयनका ने कहा कि **"मानव सेवा ही माधव सेवा"** की भावना के साथ सम्मेलन देशभर में अपनी शाखाओं के माध्यम से व्यापक सामाजिक सेवा कार्य कर रहा है। समाज के समग्र विकास की सोच के साथ संस्था बड़े स्तर पर सेवा कार्यक्रम संचालित कर रही है तथा अपने सदस्यों के कल्याण हेतु भी अनेक योजनाएं चला रही है। आगे कहा कि सम्मेलन के सेवा कार्य जाति एवं धर्म से ऊपर उठकर किए जाते हैं। सभी धर्मों और त्योहारों का सार एक ही है तथा हम सभी भारतीय हैं। इसलिए सभी को भाईचारे और सौहार्द की भावना के साथ मिलकर रहना चाहिए।

श्री गोयनका ने जानकारी दी कि १४ जून को विशाखापट्टनम में पहली बार सम्मेलन की सर्वोच्च नीति निर्धारक समिति अखिल भारतीय समिति की बैठक आयोजित की गई। जिसमें देशभर की शाखाओं के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस बैठक में भविष्य की सेवा गतिविधियों एवं जनकल्याणकारी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर चर्चा की गई।

इस अवसर पर आंध्र प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष ओम प्रकाश अग्रवाल ने राज्य में चल रहे सेवा कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आने वाले दिनों में व्यापक स्तर पर सेवा कार्यक्रम चलाने के लिए कार्ययोजना तैयार की गई है तथा सदस्यों के सहयोग से समाज के हर वर्ग तक सहायता पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।

गाजुवाका शाखा का गठन

आंध्र प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की गाजुवाका शाखा की नई कार्यकारिणी समिति की घोषणा १३ जून २०२६ को सम्मेलन के राष्ट्रीय अध्यक्ष **श्री पवन कुमार गोयनका** द्वारा की गई। नई कार्यकारिणी ने एक कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय एवं राज्य स्तरीय पदाधिकारियों की उपस्थिति में कार्यभार ग्रहण किया।

इस अवसर पर राष्ट्रीय महामंत्री केदारनाथ गुप्ता, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष राजकुमार मिश्रा, सुमन प्रकाश सारावगी, अशोक कुमार अग्रवाल, पूर्व आंध्र प्रदेश प्रांतीय अध्यक्ष चांदमल अग्रवाल, प्रांतीय अध्यक्ष ओम प्रकाश अग्रवाल, राज्य महामंत्री बालकिशन लोया तथा कोषाध्यक्ष राजेश कुमार भंसाली सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गोयनका ने अपने संबोधन में कहा कि अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन, जिसकी स्थापना वर्ष १९३५ में कोलकाता में हुई थी, ने समाज सेवा के अनेक कार्य किए हैं और अपने नौ दशक के इतिहास में उल्लेखनीय सफलताएँ प्राप्त की हैं।

नई कार्यकारिणी में शाखाध्यक्ष: माली विजय राज, उपाध्यक्षगण: कूपा राम देवासी, हिमाराम चौधरी, कैलाश चंद शर्मा, शाखामंत्री: राजपुरोहित जोग सिंह, शाखा संयुक्त मंत्री: पी. धर्मेंद्र मंगल, शाखा कोषाध्यक्ष: राजेश शर्मा।

कार्यकारिणी सदस्यगण राजेश कुमार भरतीया, गणेशाराम चौधरी, विजय कुमार लिखमानिया, श्रवण लाम राजपूत, श्रवण सिंह राजपूत (राठौड़)। सदस्यगण संतोष अग्रवाल, बाबूलाल चौधरी, वीरमाराम चौधरी, दिनेश कुमार चौधरी, हिम्मता राम चौधरी, जगदीश कुमार पटेल चौधरी, जशाराम चौधरी, ओबाराम चौधरी, राजाराम चौधरी, माला राम देवासी, नेना राम देवासी, राजपूत जीतू सिंह दहिया, अर्जुन कुमार माली, भारत कुमार माली, राजेश कुमार माली, प्रहलाद राम मेघवाल, संदीप कुमार मित्तल, भैरा राम पारिक, बहादुर सिंह राजपूत, रेवत सिंह राजपूत तथा जगदीश कुमार सेन।

समारोह के दौरान सभी नवनिर्वाचित पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने अपने-अपने दायित्वों का औपचारिक रूप से कार्यभार ग्रहण किया।

मानवीय सहायता

आंध्र प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की **गाजुवाका शाखा** का गठन १३ जून २०२६ को हुआ।

१५ जून २०२६ को गाजुवाका शाखा के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने स्थानीय मोबाइल एसोसिएशन से जुड़े एक तेलुगु भाई, लंबे समय से गंभीर बीमारी से पीड़ित होकर श्री कृष्णा सर्जिकल हॉस्पिटल में उपचाररत हैं, से अस्पताल में भेंट की। उनकी आर्थिक एवं स्वास्थ्य संबंधी कठिनाइयों को देखते हुए शाखा की ओर से उनके उपचार हेतु ₹१०,००० की सहायता राशि प्रदान की गई।

छोटी सी बात में बड़ा संकेत

विवेकानंद अमरीका जाते थे। रामकृष्ण की तो मृत्यु हो गई थी। रामकृष्ण की पत्नी शारदा से वे आशा मांगने गए कि मैं जाता हूं परदेश, खबर ले जाना चाहता हूं- धर्म की, सत्य की। मुझे आशीर्वाद दें कि मैं सफल होऊं।

शारदा तो ग्रामीण स्त्री थी। वे उससे आशीर्वाद लेने गए। उन्होंने सोचा भी न था कि शारदा आशीर्वाद देने में भी सोच-विचार करेगी। उसने विवेकानंद को नीचे से ऊपर तक देखा। वह अपने चौके में खाना बनाती थी। फिर बोली सोच कर बताऊंगी।

विवेकानंद ने कहा सिर्फ आशीर्वाद मांगने आया हूं शुभाशीष चाहता हूं तुम्हारी मंगलकामना कि मैं जाऊं और सफल होऊं।

उसने फिर उन्हें गौर से देखा और उसने कहा ठीक है। सोच कर कहूंगी।

विवेकानंद तो खड़े रह गए अवाक। कभी आशीर्वाद भी किसी ने सोच कर दिए हों और आशीर्वाद सिर्फ मांगते थे शिष्टाचारवश।

वह कुछ सोचती रही और फिर उसने कहा विवेकानंद को कि नरेन्द्र, वह जो सामने पड़ी हुई छुरी है, वह उठा लाओ।

सामने पड़ी हुई छुरी विवेकानंद उठा लाए और शारदा के हाथ में दी। हाथ में देते ही वह हंसी और उसकी हंसी से उन्हें आशीर्वाद बरस गए उनके ऊपर। उसने कहा कि जाओ। जाओ, तुमसे सबका मंगल ही होगा। विवेकानंद कहने लगे कि इस छुरी के उठाने में और तुम्हारे आशीर्वाद देने में कोई संबंध था क्या?

शारदा ने कहा संबंध था। मैं देखती थी कि छुरी उठा कर तुम किस भांति मुझे देते हो। मूठ तुम पकड़ते हो कि फलक तुम पकड़ते हो। मूठ मेरी तरफ करते हो कि फलक मेरी तरफ करते हो। और आश्चर्य कि विवेकानंद ने फलक अपने हाथ में पकड़ा था छुरी का और मूठ लकड़ी की शारदा की तरफ की थी।

आमतौर से शायद ही कोई फलक को पकड़ कर और मूठ दूसरे की तरफ करे। मूठ कोई पकड़ेगा सहज, खुद।

शारदा कहने लगी तुम्हारे मन में मैत्री का भाव है, तुम जाओ, तुमसे कल्याण होगा। तुमने फलक अपनी तरफ पकड़ा, मूठ मेरी तरफ। अपने को असुरक्षा में डाला। हाथ में चोट लग सकती है और मेरी सुरक्षा की फिकर की। तुम जाओ, आशीर्वाद मेरे तुम्हारे साथ हैं।

इतनी सी, छोटी सी घटना में मैत्री प्रकट होती है, साकार बनती है। बहुत छोटी सी घटना है! क्या है मूल्य इसका कि क्या पकड़ा आपने, फलक या मूठ? शायद हम सोचते भी नहीं। और सौ में निन्यानबे मौके पर कोई भी मूठ ही पकड़ता है। वह सहज मालूम होता है। अपनी रक्षा सहज मालूम होती है, आत्म-रक्षा सहज मालूम होती है।

मैत्री आत्म-रक्षा से भी ऊपर उठ जाती है। दूसरे की रक्षा, वह जो जीवन है हमारे चारों तरफ, उसकी रक्षा महत्वपूर्ण हो जाती है। मैत्री का अर्थ है. मुझसे भी ज्यादा मूल्यवान है सब-कुछ जो है।

वैर का अर्थ है मैं सबसे ज्यादा मूल्यवान हूं। सारा जगत मिट जाए, लेकिन मेरी रक्षा जरूरी है। मैं हूं केंद्र जगत का। वैर-भाव का आधार है मैं हूं केंद्र जगत का। वैर-भाव ईगो-सेंट्रिक है। वह अहं-केंद्रित है। मैं हूं जगत का केंद्र। सारा जगत चलता है मेरे लिए, सारा जगत मिट जाए, लेकिन मैं बचूं।

मैत्री का केंद्र मैं नहीं हूं सर्व है। मैं मिट जाऊं, सब बचे। मैं खो जाऊं, सब रहे। मैत्री है मंगल की कामना, सर्व-मंगल की। कामना ही नहीं, सक्रिय जीवन भी। उठूं, बैठूं, चलूं- और मेरा उठना, बैठना, चलना, मेरा श्वास लेना भी सर्व-मंगल के लिए समर्पित हो जाए; तो मनुष्य परमात्मा के दूसरे द्वार में प्रवेश पाता है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस क्या है?

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस (International Day of Yoga) प्रत्येक वर्ष २१ जून को पूरे विश्व में मनाया जाता है। इसका उद्देश्य योग के माध्यम से शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा स्वस्थ जीवनशैली को प्रोत्साहित करना है।

योग का अर्थ

'योग' शब्द संस्कृत धातु 'युज' से बना है, जिसका अर्थ है जोड़ना या एकता स्थापित करना। योग शरीर, मन और आत्मा के बीच संतुलन एवं सामंजस्य स्थापित करने की एक प्राचीन भारतीय पद्धति है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की शुरुआत

२७ सितंबर २०१४ को भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा में योग दिवस मनाने का प्रस्ताव रखा।

इस प्रस्ताव को १७७ देशों ने सह-प्रायोजित किया।

११ दिसंबर २०१४ को संयुक्त राष्ट्र महासभा ने २१ जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस घोषित किया।

पहला अंतरराष्ट्रीय योग दिवस २१ जून २०१५ को मनाया गया।

२१ जून ही क्यों चुना गया?

२१ जून वर्ष का सबसे लंबा दिन (ग्रीष्म अयनांत) माना जाता है। भारतीय परंपरा में इस दिन का विशेष आध्यात्मिक महत्व है। माना जाता है कि इसी समय से योग की परंपरा का प्रसार प्रारंभ हुआ।

योग के प्रमुख उद्देश्य

१. स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देना

२. तनाव एवं मानसिक समस्याओं को कम करना

३. शारीरिक एवं मानसिक संतुलन स्थापित करना

४. विश्व शांति एवं सद्भाव को प्रोत्साहित करना

५. मानव और प्रकृति के बीच सामंजस्य स्थापित करना

योग के प्रमुख अंग (अष्टांग योग)

महर्षि पतंजलि के अनुसार योग के आठ अंग हैं-

१. यम

यम नैतिक आचरण और सामाजिक अनुशासन के सिद्धांत हैं, जिनमें अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह शामिल हैं। ये व्यक्ति को सदाचार और संयम का मार्ग दिखाते हैं।

२. नियम

नियम व्यक्तिगत अनुशासन और आत्मशुद्धि से संबंधित हैं, जिनमें शौच, संतोष, तप, स्वाध्याय और ईश्वर-प्रणिधान शामिल हैं। ये जीवन में सकारात्मकता और आत्मविकास को बढ़ावा देते हैं।

३. आसन

आसन शरीर को स्वस्थ, स्थिर और लचीला बनाने वाली योग मुद्राएँ हैं। इनके नियमित अभ्यास से शरीर में संतुलन, शक्ति और स्फूर्ति बनी रहती है।

४. प्राणायाम

प्राणायाम श्वास को नियंत्रित करने की योग पद्धति है, जिससे शरीर और मन में ऊर्जा का संतुलन बना रहता है। यह तनाव कम कर मानसिक शांति प्रदान करता है।

५. प्रत्याहार

प्रत्याहार इंद्रियों को बाहरी विषयों से हटाकर भीतर की ओर केंद्रित करने की प्रक्रिया है। इससे मन पर नियंत्रण और आत्मचिंतन की क्षमता विकसित होती है।

६. धारणा

धारणा का अर्थ मन को किसी एक बिंदु विचार या लक्ष्य पर स्थिर करना है। इससे एकाग्रता और मानसिक स्थिरता में वृद्धि होती है।

७. ध्यान

ध्यान मन की गहन एकाग्रता और आत्मिक शांति की अवस्था है। नियमित ध्यान से तनाव कम होता है और आंतरिक संतुलन प्राप्त होता है।

८. समाधि

समाधि योग की सर्वोच्च अवस्था है, जिसमें साधक पूर्ण आत्मानुभूति और परम चेतना का अनुभव करता है। यह मन, आत्मा और परम सत्य के पूर्ण मिलन की अवस्था मानी जाती है।

योग के प्रमुख लाभ

शारीरिक लाभ

१. शरीर को लचीला बनाता है

योग के नियमित अभ्यास से मांसपेशियाँ और जोड़ अधिक लचीले एवं मजबूत बनते हैं। इससे शरीर की जकड़न कम होती है और गतिशीलता बढ़ती है।

२. रक्त संचार में सुधार करता है

योगासन और प्राणायाम शरीर में रक्त प्रवाह को सुचारु बनाने में सहायता करते हैं। इससे अंगों को पर्याप्त ऑक्सीजन और पोषण प्राप्त होता है।

३. रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाता है

नियमित योग अभ्यास शरीर की प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत बनाता है। इससे शरीर विभिन्न रोगों और संक्रमणों से लड़ने में अधिक सक्षम होता है।

४. वजन नियंत्रित करने में सहायक

योग शरीर की चयापचय क्रिया को संतुलित कर अतिरिक्त कैलोरी को कम करने में मदद करता है। इसके नियमित अभ्यास से वजन नियंत्रण और फिटनेस बनाए रखने में सहायता मिलती है।

५. हृदय एवं श्वसन तंत्र को मजबूत बनाता है

योग और प्राणायाम हृदय की कार्यक्षमता तथा फेफड़ों की क्षमता को बेहतर बनाते हैं। इससे श्वसन तंत्र मजबूत होता है और हृदय स्वास्थ्य में सुधार होता है।

मानसिक लाभ

१. तनाव एवं चिंता कम करता है

योग और ध्यान मन को शांत कर तनाव, चिंता तथा मानसिक दबाव को कम करने में सहायता करते हैं। नियमित अभ्यास से मन में शांति और भावनात्मक संतुलन बना रहता है।

२. एकाग्रता बढ़ाता है

योग मन को स्थिर और केंद्रित करने में मदद करता है, जिससे एकाग्रता में वृद्धि होती है। इससे अध्ययन, कार्य और निर्णय लेने की क्षमता बेहतर होती है।

३. सकारात्मक सोच विकसित करता है

योग व्यक्ति के भीतर आत्मविश्वास, आशावाद और सकारात्मक दृष्टिकोण का विकास करता है। यह नकारात्मक विचारों को कम कर मानसिक ऊर्जा को बढ़ाता है।

४. नींद की गुणवत्ता में सुधार करता है

आध्यात्मिक लाभ

१. आत्मचिंतन एवं आत्मज्ञान में सहायता

योग व्यक्ति को अपने विचारों, भावनाओं और व्यवहार को समझने का अवसर प्रदान करता है। इससे आत्मचिंतन की क्षमता विकसित होती है और आत्मज्ञान की प्राप्ति में सहायता मिलती है।

२. मन की शांति एवं संतुलन

योग और ध्यान मन को शांत, स्थिर और संतुलित बनाने में सहायक होते हैं। नियमित अभ्यास से मानसिक तनाव कम होता है और आंतरिक शांति का अनुभव होता है।

३. आंतरिक ऊर्जा एवं आत्मविश्वास में वृद्धि

योग शरीर और मन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है तथा आत्मबल को बढ़ाता है। इससे व्यक्ति का आत्मविश्वास विकसित होता है और जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण बनता है।

प्रमुख योगासन

१. ताड़ासन

ताड़ासन में शरीर को सीधा खड़ा रखकर संतुलन बनाए रखा जाता है। यह रीढ़ को सीधा करने, शरीर की मुद्रा सुधारने और ऊँचाई के विकास में सहायक माना जाता है।

२. वृक्षासन

वृक्षासन में एक पैर पर संतुलन बनाकर वृक्ष की मुद्रा बनाई जाती है। यह एकाग्रता, संतुलन और पैरों की मांसपेशियों को मजबूत करता है।

३. भुजंगासन

भुजंगासन में शरीर को साँप के फन की तरह ऊपर उठाया जाता है। यह रीढ़ की लचक बढ़ाने तथा पीठ और पेट की मांसपेशियों को मजबूत करने में सहायक है।

४. त्रिकोणासन

त्रिकोणासन में शरीर को त्रिभुजाकार स्थिति में झुकाया जाता है। यह कमर, कंधों और पैरों को लचीला बनाकर संतुलन में सुधार करता है।

५. पवनमुक्तासन

पवनमुक्तासन पाचन तंत्र को बेहतर बनाने और गैस की समस्या को कम करने में सहायक है। यह पेट की मांसपेशियों को सक्रिय कर शरीर को आराम प्रदान करता है।

६. व्रजरासन

व्रजरासन भोजन के बाद किया जाने वाला एक महत्वपूर्ण आसन है। यह पाचन क्रिया को सुधारने तथा मन को शांत और स्थिर रखने में सहायक होता है।

७. पद्मासन

पद्मासन ध्यान और प्राणायाम के लिए सबसे उपयुक्त आसनों में से एक है। यह मन की एकाग्रता बढ़ाकर मानसिक शांति प्रदान करता है।

८. श्वासन

श्वासन में शरीर को पूरी तरह शिथिल अवस्था में रखा जाता है। यह तनाव, थकान और मानसिक दबाव को कम कर गहरा विश्राम प्रदान करता है।

९. सूर्य नमस्कार

सूर्य नमस्कार बारह योग मुद्राओं का एक क्रम है जो पूरे शरीर का व्यायाम कराता है। इससे शरीर में ऊर्जा, लचीलापन और स्फूर्ति का संचार होता है।

विश्वभर में योग दिवस का आयोजन एवं २०२६ का अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विश्वभर में सामूहिक योगाभ्यास, योग शिविर, कार्यशालाएँ, संगोष्ठियाँ एवं स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। विद्यालयों, महाविद्यालयों, सरकारी संस्थानों तथा विभिन्न सामाजिक संगठनों द्वारा योग के महत्व को जन-जन तक पहुँचाने के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं।

वर्ष २०२६ में भी २१ जून को विश्वभर में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर विभिन्न देशों में सामूहिक योग कार्यक्रमों के माध्यम से भारतीय योग परंपरा, स्वास्थ्य, शांति और मानव कल्याण का संदेश प्रसारित किया गया तथा योग को वैश्विक स्तर पर जन-आंदोलन के रूप में आगे बढ़ाया गया।

दान या सौदा

एक बार भगवान श्री कृष्ण और अर्जुन कहीं जा रहे थे, तभी बातों बातों में अर्जुन ने कृष्ण से कहा कि क्यों कर्ण को दानवीर कहा जाता है और उन्हें नहीं। जबकि दान हम भी बहुत करते हैं।

यह सुन कर कृष्ण ने दो पर्वतों को सोने में बदल दिया, और अर्जुन से कहा कि वे उनका सारा सोना गाँव वालो के बीच बाट दें।

तब अर्जुन गाँव गए और सारे लोगों से कहा कि वे पर्वत के पास जमा हो जाएं क्योंकि वे सोना बांटने जा रहे हैं, यह सुन गाँव वालो ने अर्जुन की जय जयकार करनी शुरू कर दी और अर्जुन छाती चौड़ी कर पर्वत की तरफ चल दिए। दो दिन और दो रातों तक अर्जुन ने सोने के पर्वतों को खोदा और सोना गाँव वालो में बांटा। पर पर्वत पर कोई असर नहीं हुआ।

इसी बीच बहुत से गाँव वाले फिर से कतार में खड़े होकर अपनी बारी आने का इंतज़ार करने लगे। अर्जुन अब थक चुके थे लेकिन अपने अहंकार को नहीं छोड़ रहे थे।

उन्होंने कृष्ण से कहा कि अब वे थोड़ा आराम करना चाहते हैं और इसके बिना वे खुदाई नहीं कर सकेंगे।

तब कृष्ण ने कर्ण को बुलाया और कहा कि सोने के पर्वतों को इन गाँव वालों के बीच में बाट दें।

कर्ण ने सारे गाँव वालों को बुलाया और कहा कि ये दोनों सोने के पर्वत उनके ही हैं और वे आ कर सोना प्राप्त कर लें। और ऐसा कहकर वह वहां से चले गए।

अर्जुन भौंचक्के रह गए और सोचने लगे कि यह ख्याल उनके दिमाग में क्यों नहीं आया। तब कृष्ण मुस्कुराये और अर्जुन से बोले कि 'तुम्हें सोने से मोह हो गया था और तुम गाँव वालो को उतना ही सोना दे रहे थे जितना तुम्हें लगता था कि उन्हें जरुरत है। इसलिए सोने को दान में कितना देना है इसका आकार तुम तय कर रहे थे।'

लेकिन कर्ण ने इस तरह से नहीं सोचा और दान देने के बाद कर्ण वहां से दूर चले गए। वे नहीं चाहते थे कि कोई उनकी प्रशंसा करे और ना ही उन्हें इस बात से कोई फर्क पड़ता था कि कोई उनके पीछे उनके बारे में क्या बोलता है।

यह उस व्यक्ति की निशानी है जिसे आत्मज्ञान हासिल हो चुका है। दान देने के बदले में धन्यवाद या बधाई की उम्मीद करना उपहार नहीं सौदा कहलाता है।

अत: यदि हम किसी को कुछ दान या सहयोग करना चाहते हैं तो हमें ऐसा बिना किसी उम्मीद या आशा के करना चाहिए ताकि यह हमारा सत्कर्म हो ना कि हमारा अहंकार..!!

महाभारत का सार

महाभारत का सार सिर्फ़ नौ पॉइंट्स में समझें, जिसमें पाँच लाख श्लोक हैं....

आप किसी भी धर्म के हों,
चाहे आप नारी हों या नर,
चाहे आप गरीब हों या अमीर,

महाभारत के ये ९ अनमोल मोती ज़रूर पढ़ें और समझें....।

१. अगर आप समय रहते अपने बच्चों की बेवजह की मांगों और इच्छाओं पर कंट्रोल नहीं करेंगे, तो आप ज़िंदगी में लाचार हो जाएँगे... 'कौरव'

२. आप कितने भी ताकतवर क्यों न हों, अगर आप अधर्म का साथ देंगे, तो आपकी ताकत, हथियार, हुनर और आशीर्वाद सब बेकार हो जाएँगे... 'कर्ण'

३. अपने बच्चों को इतना बड़ा न बनाएँ कि वे अपने ज्ञान का गलत इस्तेमाल करके पूरी तबाही मचा दें... 'द्रोणाचार्य'

४. कभी ऐसे वादे न करें कि आपको अधर्मियों के आगे झुकना पड़े... 'भीष्म पितामह'

५. अपनी ताकत का गलत इस्तेमाल। धन, शक्ति, अधिकार और गलत लोगों का साथ आखिर में पूरी बर्बादी की ओर ले जाता है... । 'दुर्योधन'।

६. कभी भी सत्ता की बागडोर किसी अंधे व्यक्ति को मत दो, यानी जो स्वार्थ, धन, घमंड, ज्ञान, मोह या वासना में अंधा हो। क्योंकि वह बर्बादी की ओर ले जाएगा... 'धृतराष्ट्र'

७. अगर ज्ञान के साथ समझदारी है, तो आप ज़रूर जीतेंगे... 'अर्जुन'

८. धोखा आपको हर मामले में सफलता नहीं दिलाएगा... 'शकुनि'

९. अगर आप नैतिकता, नेकी और कर्तव्य को सफलतापूर्वक बनाए रखते हैं, तो दुनिया की कोई भी ताकत आपको नुकसान नहीं पहुँचा सकती। 'युधिष्ठिर'

यह लेख सभी के लिए लाभदायक है, इसलिए इसे बिना किसी बदलाव के जीवन में अपना सकते हैं -

सर्वे भवन्तु सुखिनः
सर्वे सन्तु निरामयाः

"सम्मेलन आपके द्वार" सांगठनिक दौरा

बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष श्री राकेश कुमार अग्रवाल एवं प्रादेशिक पदाधिकारियों के दौरो की श्रृंखला में ३० मई २०२६ को श्री मुकेश जैन उपाध्यक्ष, श्री आनंद डोकानिया क्षेत्रीय उपाध्यक्ष, श्री रवीन मुरारका प्रमंडलीय उपाध्यक्ष, श्री मनोज झुनझुनवाला संयुक्त महामंत्री, श्री अजय टिबड़ेवाल संयुक्त महामंत्री, श्री माधव सराफ प्रमंडलीय मंत्री, श्री रमेश सौंथलिया कार्यकारिणी सदस्य का सहयोग रहा।

मधुबनी शाखा

मधुबनी शाखा में समाज बंधुओं के साथ संवाद एवं समन्वय स्थापित हुआ। स्थानीय समाज बंधू बड़ी संख्या में उपस्थित हुए। सम्मेलन के प्रति लोगों में उत्साह एवं आत्मीय सम्मान देखने मिला।

समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए मधुबनी शाखा अध्यक्ष श्री प्रेम कुमार बेरोलिया को सेवा का सम्मान से सम्मानित किया गया। मधुबनी के प्रसिद्ध समाजसेवी स्व. गुरुशरण जी सराफ को मरणोपरांत सेवा सम्मान से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उनके सुपुत्र श्री संदीप सर्राफ ने ग्रहण किया गया।

इस दौरे में श्री कृष्ण मुरारी टिबड़ेवाल का. सदस्य, श्री माधव सराफ प्रमंडलीय मंत्री एवं श्री सुमित अग्रवाल सदस्यता प्रभारी ने दौरे में सहयोग दिया।

बेनीपट्टी शाखा

बेनीपट्टी शाखा मे सदस्यों एवं अन्य गणमान्य लोगों के साथ संवाद एवं समन्वय स्थापित हुआ। प्रादेशिक अध्यक्ष श्री राकेश जी बंसल ने सम्मेलन की गतिविधियों की जानकारी दी। उन्होंने आह्वान किया कि अधिक से अधिक संख्या में सम्मेलन का सदस्य बनें। साथ ही चिकित्सा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिये बेनीपट्टी के डॉ सज्जन अग्रवाल को प्रादेशिक अध्यक्ष श्री राकेश बंसल द्वारा सेवा सम्मान से सम्मानित किया गया। बेनीपट्टी की महिला चिकित्सक डॉ अंशु सुल्तानिया को उनके द्वारा किये गये सेवा कार्यों के लिये प्रादेशिक अध्यक्ष श्री राकेश बंसल द्वारा सेवा सम्मान से सम्मानित किया गया।

बासोपट्टी शाखा

बासोपट्टी शाखा में सदस्यों एवं अन्य गणमान्य लोगों के साथ संवाद एवं समन्वय स्थापित हुआ। प्रादेशिक अध्यक्ष की उपस्थिति में शाखा का चुनाव संपन्न हुआ और नयी टीम का गठन किया गया। उपस्थित समाज बंधुओं ने प्रादेशिक कार्यक्रम कन्या विवाह योजना की प्रशंसा की। साथ ही समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए बासोपट्टी शाखा के श्री रमेश प्रसाद मुरारका को सेवा सम्मान से सम्मानित कर सम्मेलन परिवार खुद को गौरवान्वित महसूस करता है। समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए बासोपट्टी शाखा के श्री विजय कुमार मुरारका को सेवा सम्मान से सम्मानित किया गया।

जयनगर शाखा

दिनांक ३० मई २०२६ की अंतिम बैठक जयनगर शाखा के आतिथ्य में श्री सत्यनारायण भगवान मंदिर विवाह भवन सभागार में आयोजित की गयी। बैठक में बड़ी संख्या में सदस्यों एवं समाज बंधुओं की उपस्थिति रही। जयनगर के समाज बंधुओं ने सभी प्रादेशिक पदाधिकारियों का स्वागत किया। प्रादेशिक अध्यक्ष श्री राकेश जी बंसल द्वारा सम्मेलन की गतिविधियों की जानकारी दी गई। उन्होंने आह्वान किया कि जयनगर शाखा में कम से कम १०० सदस्य होने चाहिये। प्रादेशिक अध्यक्ष ने उपस्थिति समाज बंधुओं को बताया कि पटना में सम्मेलन का अपना भवन उनकी महत्वाकांक्षी परियोजना है। उन्होंने कहा कि भवन का उपयोग समाज के छात्र छात्राओं के लिए होस्टल, विभिन्न कार्यों के लिये पटना आने वाले समाज बंधुओं की ठहरने की व्यवस्था, विवाह भवन आदि में किया जाएगा। जयनगर शाखा मंत्री ने बताया कि १२-१३ नये सदस्य बनाये गये हैं। श्री ओम प्रकाश डोकानिया ने कहा कि मारवाड़ी समाज को ओ बी सी का दर्जा मिले इस हेतु

प्रयास होना चाहिए। श्री ब्रज मोहन रुंगटा ने कहा कि प्री वेडिंग सूट जैसे आयोजनों पर रोक लगनी चाहिये। साथ ही जयनगर के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ महेश चंद्र सौंथलिया को चिकित्सा के क्षेत्र में किये गये सेवा के उत्कृष्ट कार्यों के लिये उनके निवास स्थान पर जाकर प्रादेशिक अध्यक्ष श्री राकेश बंसल द्वारा सेवा सम्मान से सम्मानित किया गया। समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए जयनगर शाखा के श्री शंकर प्रसाद रुंगटा को सेवा सम्मान से सम्मानित किया गया।

दौरे के दुसरे दिन राजनगर शाखा

दिनांक ३१ मई २०२६ की बैठक राजनगर शाखा के आतिथ्य में आयोजित हुई। राजनगर के समाज बंधुओं ने सभी प्रादेशिक पदाधिकारियों का गर्मजोशी से स्वागत किया।

राष्ट्रगान के पश्चात शाखाध्यक्ष श्री गोपाल प्रसाद धीरासरीया की अध्यक्षता में समाज बंधुओं की बैठक प्रारंभ हुई। प्रादेशिक अध्यक्ष श्री राकेश जी बंसल द्वारा संगठन को मजबूत बनाने पर जोर दिया। उपाध्यक्ष श्री मुकेश जैन ने सदस्यों की संख्या बढ़ाने पर बल दिया। संयुक्त महामंत्री श्री मनोज झुनझुनवाला ने प्रादेशिक कार्यक्रमों की जानकारी उपस्थित समाज बंधुओं को दी। श्री पुरुषोत्तम खंडेलवाल ने प्रस्ताव दिया कि समाज में शादियां दिन में होनी चाहिए एवं फिजूलखर्ची पर रोक लगनी चाहिए। क्षेत्रीय उपाध्यक्ष श्री आनंद डोकानिया ने कहा कि ०७ जून २०२६ को आयोजित होने वाली प्रादेशिक कार्यकारिणी की बैठक में सामाजिक कुरुतियों पर रोक लगाने का प्रस्ताव लाना चाहिए। श्रीमती वंदना सर्राफ ने कहा कि अपने समाज के ज्यादातर बच्चे बाहर पढ़ते रहते हैं। वो समाज को जानते हीं नहीं हैं, ऐसी स्थिति में समाज एकजुट-मजबूत कैसे होगा, यह विचारणीय प्रश्न है। साथ ही आज सम्मेलन आपके द्वार कार्यक्रम के अंतर्गत राजनगर शाखा के श्री रामौतार जी सर्राफ को समाज सेवा के क्षेत्र में अतुलनीय कार्य हेतु सेवा सम्मान से सम्मानित किया गया। राजनगर शाखा के श्री पुरुषोत्तम जी खंडेलवाल को समाज सेवा के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्यों हेतु सेवा सम्मान से सम्मानित किया गया। राजनगर निवासी श्री दीपक कुमार धीरासरिया को डेटा साईंस में उत्कृष्ट योगदान एवं सामाजिक कार्यों में महत्वपूर्ण योगदान के लिए सेवा सम्मान से सम्मानित किया गया।

खुटौना शाखा

दौरे के दूसरे दिन दिनांक ३१ मई २०२६ की द्वितीय बैठक खुटौना शाखा के आतिथ्य में आयोजित हुई। शाखा पदाधिकारियों द्वारा प्रादेशिक पदाधिकारियों को मिथिलांचल के पारंपरिक पाग एवं दुशाला से सम्मानित किया गया। प्रादेशिक अध्यक्ष श्री राकेश जी बंसल द्वारा संगठन को मजबूत बनाने पर जोर दिया साथ ही उन्होंने ने महिलाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया। प्रादेशिक अध्यक्ष ने उपस्थिति समाज बंधुओं को बताया कि पटना में सम्मेलन का अपना भवन उनकी महत्वाकांक्षी परियोजना है। प्रादेशिक अध्यक्ष की उपस्थिती में शाखा चुनाव संपन्न करवाया गया। शाखा कोषाध्यक्ष श्री कन्हैया जैन द्वारा उनके संबंधी को प्रशासन द्वारा गलत ढंग से फंसाने का मामला उठाया गया। उपाध्यक्ष श्री मुकेश जैन ने उनको पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया। साथ ही खुटैना शाखा के कोषाध्यक्ष श्री कन्हैया जैन को जनसेवा के क्षेत्र में अतुलनीय कार्यों के लिए प्रादेशिक अध्यक्ष श्री राकेश बंसल द्वारा सेवा का सम्मान से सम्मानित किया गया। खुटैना शाखा के शाखाध्यक्ष श्री विनोद कुमार अग्रवाल को समाज सेवा के क्षेत्र में किये गये उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रादेशिक अध्यक्ष श्री राकेश बंसल द्वारा सेवा का सम्मान से सम्मानित किया गया।

लौकहा शाखा

दिनांक ३१ मई २०२६ की तृतीय बैठक लौकहा शाखा के आतिथ्य में शाखाध्यक्ष श्री संतोष कुमार कलंत्री के प्रतिष्ठान पर आयोजित हुई जिसमें स्थानीय समाज बंधुओं की सहभागिता रही। प्रादेशिक अध्यक्ष श्री राकेश जी बंसल द्वारा संगठन को मजबूत बनाने पर बल दिया। उन्होंने बताया कि प्रदेश एक एम्बुलेंस परियोजना प्रारंभ करने जा रहा है जिसमें शाखा को केवल २ लाख रूपये का भुगतान देना होगा। शाखा के पदाधिकारियों ने एम्बुलेंस लेने में रुचि दिखाई। उपाध्यक्ष श्री मुकेश जैन ने सदस्यों की संख्या बढ़ाने पर बल दिया। संयुक्त महामंत्री श्री मनोज झुनझुनवाला ने प्रादेशिक कार्यक्रमों की जानकारी उपस्थित समाज बंधुओं को दी। प्रादेशिक अध्यक्ष की उपस्थिती में सत्र २०२६-२८ के लिये शाखा चुनाव संपन्न करवाया गया। १० नये सदस्य शाखा से जोड़े गये। श्री संपत कलंत्री ने सलाह दी कि प्रादेशिक पदाधिकारियों को शाखा पदाधिकारियों से नियमित संवाद स्थापित करना चाहिए। साथ ही लोकहा शाखा के प्रसिद्ध समाजसेवी श्री सागर मल अग्रवाल को सेवा कार्यों के लिए सेवा सम्मान से सम्मानित किया गया। लोकहा शाखा के सुप्रसिद्ध समाजसेवी श्री संपत कुमार कलंत्री को उनके द्वारा किये गये सेवा कार्यों के लिए सेवा सम्मान से सम्मानित किया गया।

लौकही बाजार शाखा

दिनांक ३१ मई २०२६ की चतुर्थ एवं अंतिम शाखा के रूप में लौकही बाजार शाखा के आतिथ्य में एवं शाखाध्यक्ष श्री सुनील अग्रवाल की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ। पारस्परिक परिचय के पश्चात प्रादेशिक पदाधिकारियों की उपस्थिति में शाखा का सत्र २०२६-२८ के लिये चुनाव करवाया गया। प्रादेशिक अध्यक्ष श्री राकेश जी बंसल संगठन को मजबूत बनाने पर बल दिया। उपाध्यक्ष श्री मुकेश जैन ने सदस्यों की संख्या बढ़ाने पर बल दिया। संयुक्त महामंत्री श्री मनोज झुनझुनवाला ने प्रादेशिक कार्यक्रमों की जानकारी उपस्थित समाज बंधुओं को दी।

लौकही बाजार शाखा के श्री शंभु दयाल अग्रवाल ने बताया कि शाखा के ही ईंट भट्ठा व्यवसायी श्री अनिल सुराना एवं उनके पुत्र को प्रशासन ने झूठे आर्म्स एक्ट में फंसा कर जेल भेज दिया है। श्री सोनू बजाज ने इस मामले में सम्मेलन से उचित सहयोग की मांग की। प्रादेशिक अध्यक्ष ने कहा घटना का संज्ञान प्रादेशिक पदाधिकारियों को तुरंत देना चाहिए था। उपाध्यक्ष श्री मुकेश जैन ने आवश्यक सहयोग का आश्वासन दिया। उपस्थित सदस्यों ने समाज बंधुओं के हो रहे पलायन पर भी गहरी चिंता व्यक्त की। साथ ही लौकही बाजार शाखा के सक्रिय सदस्य श्री सत्यनारायण बजाज को समाज सेवा के क्षेत्र में किये गये उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रादेशिक अध्यक्ष श्री राकेश बंसल द्वारा सेवा सम्मान से सम्मानित किया गया। लौकही बाजार शाखा के सक्रिय सदस्य श्री जुगल किशोर अग्रवाल को समाज सेवा के क्षेत्र में किये गये बेहतरीन कार्यों के लिए प्रादेशिक अध्यक्ष श्री राकेश बंसल द्वारा सेवा सम्मान से सम्मानित किया गया।

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन
4बी, डकबैक हाउस (चौथा तल्ला)
41, शेक्सपियर सारणी, कोलकाता-700 017
प्री-वेडिंग शूट
हमारी सभ्यता एवं संस्कृति के खिलाफ है।
समाजहित में इनसे परहेज करें।
निमंत्रण में ई-कार्ड को बढ़ावा दें।

अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस का पालन

नवगछिया, स्थानीय बाल भारती, पोस्ट औफिस रोड में बिहार प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन, नवगछिया शाखा ने अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस पर सामूहिक योग का कार्यक्रम किया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया। शिक्षक संजय मावंडिया के निर्देशन में समाज के काफी संख्या में लोगों ने योगाभ्यास किया। सम्मेलन के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष, अँग प्रदेश सह महामंत्री नगर शाखा विनोद केजरीवाल ने जीवन में स्वस्थ रहने के लिए योग पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में अंग प्रदेश के क्षेत्रीय सचिव विनय प्रकाश, बाल भारती के अध्यक्ष पवन सर्राफ, उपाध्यक्ष अजय खंगटा, डा० बी० एल० चौधरी, सचिव अभय प्रकाश मुनका, सह सचिव प्रवीण कुमार केजरीवाल, लायन्स क्लब के चेयर पर्सन कमलेश अग्रवाल, प्रो० विजय कुमार, भगवती पंसारी, नीरज चिरानिया, बाल भारती के प्रसाशक डीपी सिंह, प्रिसिपल द्वय नवनीत सिंह, कौशल जायसवाल, पवन चिरानिया, अशोक केडिया, कमल टीबड़ेवाल, पंकज टीबड़ेवाल, गौरी सर्राफ, बिनोद चिरानिया, संजय चिरानिया तथा काफी संख्या में समाज के गणमान्य बन्धु व महिलाएँ भी उपस्थित थे।

सद्भावना कार्यक्रम

पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर मारवाड़ी सम्मेलन महिला परिधि की अध्यक्षा माया जी अग्रवाल के नेतृत्व में दिनांक ९ जून २०२६ को श्री रामा महेश्वरी एकेडमी में एक सेवा एवं सद्भावना कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस अवसर पर वहाँ निवास कर रहे दृष्टिबाधित भाई-बहनों को प्रेम एवं सम्मान के साथ भोजन कराया गया तथा फल एवं अन्य खाद्य सामग्री का वितरण किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य समाज के जरूरतमंद एवं विशेष रूप से सक्षम व्यक्तियों के प्रति सेवा, सहयोग और संवेदनशीलता की भावना को बढ़ावा देना था।

इस सेवा कार्य में परिधि की कोषाधिकारी हेमलता सांवरिया, सह-उपाध्यक्ष लता चौधरी सह सचिव पल्लवी पोद्दार, सदस्या-जया चौधरी, अंजू अग्रवाल एवं पारुल अग्रवाल की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी ने पूरे समर्पण और उत्साह के साथ कार्यक्रम में सहभागिता कर इसे सफल बनाया।

"नर सेवा ही नारायण सेवा है"– इसी संदेश के साथ कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ।

सदस्य क्यों बने?

- देश के सभी भागों से सम्पर्क स्थापना।
- रोजगार सहायता, व्यापार सहयोग, स्वास्थ्य सहयोग, उच्च शिक्षा सहयोग कार्यक्रम का लाभ।
- समाज सुधार, संस्कार संस्कृति चेतना कार्यक्रम से जुड़ना।
- मायड़ भाषा के प्रचार-प्रसार में भागीदारी।
- सामाजिक सुरक्षा, भाईचारा की भावना का विकास।
- समाज में विभिन्न घटकों को एकजुट होकर **म्हारी चाह - संगठित समाज** के नारे को सार्थक करना।
- व्यक्ति विकास-व्यक्ति चला जाता है उसकदा व्यक्तित्व रह जाता हैं।
- समाज विकास में अवदान के अवसर।
- राष्ट्र की उन्नति में भागीदारी।

'वैकुण्ठ रथ सेवा' का लोकार्पण

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की प्रांतीय इकाई कर्नाटक प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की मारवाड़ी सम्मेलन बेंगलुरु शाखा द्वारा दिनांक ६ जून २०२६ को **'मीट एंड ग्रीट'** प्रोग्राम के तहत पार्थिव शरीर को शवगृह तक ले जाने वाली **'वैकुण्ठ रथ सेवा'** वाहन का लोकार्पण समारोह रविवार को एक होटल में किया गया। यह सेवा आगामी १ जुलाई से समाज के सभी वर्गों के लिए पूर्णतः निःशुल्क उपलब्ध रहेगी। समारोह में ऐसे कठिन और भावनात्मक क्षणों में शोकाकुल परिवारों को सहयोग प्रदान करना केवल सामाजिक उत्तरदायित्व नहीं, बल्कि सच्ची मानव सेवा है। वैकुण्ठ रथ सेवा इसी भावना का मूर्त स्वरूप है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथियों और समाज के वरिष्ठजनों ने मारवाड़ी सम्मेलन की सेवा परंपरा की सराहना की।

इस अवसर पर अखिल भारतीय मारवाड़ी सम्मेलन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष डॉ. सुभाष अग्रवाल, कर्नाटक प्रांत के प्रांतीय अध्यक्ष श्री अध्यक्ष सीताराम अग्रवाल, पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष श्री रमाकांत सराफ, प्रांतीय महामंत्री श्री शिवकुमार टेकरीवाल, मारवाड़ी सम्मेलन बेंगलूरू के पूर्व शाखाध्यक्ष अरुण खेमका, शाखाध्यक्ष पंकज जालान तथा सचिव स्नेह कुमार जाजू ने अपने विचार व्यक्त किए। वैकुण्ठ रथ सेवा परियोजना के सलाहकार एवं चेयरमैन सुरेन्द्र गोयल, डायरेक्टर मनीष अग्रवाल तथा संयोजक अशोक अग्रवाल ने परियोजना की रूपरेखा और उद्देश्य पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में विभिन्न सभा संगठनों के प्रतिनिधि सहित सम्मेलन के पदाधिकारी उपस्थित थे। कार्यक्रम में समाज के वरिष्ठ उद्योगपति चन्द्रप्रकाश रामसिसरिया, सतीश मित्तल, सुशीला गोयल, बिमल सरावगी, रैवतमल झंवर, रमेश भाऊवाला, संजय जाजोदिया, विनोद जगनानी आदि उपस्थित थे।

आईवीएफ (IVF) जागरुकता एवं रोबोटिक जानकारी शिविर

दुमका जिला मारवाड़ी सम्मेलन एवं दुर्गापुर मिशन हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वावधान में युवराज पैलेस, दुमका ३१ मई २०२६ को आयोजित IVF अवेयरनेस कैंप एवं रोबोटिक सर्जरी जानकारी शिविर का सफल आयोजन किया गया। शिविर का उद्घाटन किया गया सर्वप्रथम दुमका जिला मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष श्री हरी शंकर मोदी एवं सचिव श्री विनोद सिंघानिया जी को मंचासीन कराकर सम्मानित किया गया। दुर्गापुर मिशन हॉस्पिटल से आई डॉ. संघमित्रा ठाकुर, डॉ. जेसिंथा क्रिस्टिना सी एवं डॉ. नम्रता परिदा को जिला मारवाड़ी सम्मेलन की सदस्याओं द्वारा *अंगवस्त्र एवं पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया गया। दुर्गापुर मिशन हॉस्पिटल द्वारा शिविर में उपस्थित सभी सम्मानित महिलाओं को अंगवस्त्र एवं गिफ्ट देकर सम्मानित किया गया। सभी अतिथि महिलाओं को भी अंगवस्त्र एवं पुरस्कार प्रदान किए गए।

Infertility Specialist एवं Gynecologist डॉक्टरों द्वारा IVF से संबंधित समस्याओं एवं रोबोटिक सर्जरी की विस्तृत जानकारी दी गई। कई महिलाओं ने व्यक्तिगत परामर्श भी लिया, जिससे उन्हें अपने स्वास्थ्य संबंधी शंकाओं का समाधान मिला और वे अपने स्वास्थ्य के प्रति और अधिक जागरूक हुईं। साथ ही ७५ महिलाओं एवं पुरुषों की ब्लड शुगर एवं बीपी की निःशुल्क जांच की गई।

ऑफ व्हाइट ड्रेस कोड में आई महिलाओं में से लकी ड्रॉ के माध्यम से प्रथम पुरस्कार श्रीमती सुनीता भुवानिया एवं द्वितीय पुरस्कार श्रीमती पिंकी मोदी को बेस्ट एलिगेंट पुरस्कार से नवाजा गया। शिविर में महिलाओं में भारी उत्साह देखा गया। कार्यक्रम को सफल बनाने में दुर्गापुर मिशन हॉस्पिटल की DGM कृतिका कार्यक्रम संयोजिका श्रीमती पूजा मोदी एवं श्रीमती प्रीति दारुका ने पूरे आयोजन का सफल संचालन किया।

इस अवसर पर श्री राजेंद्र मिहारिया, श्री अजीत दारुका, श्री लोकेश दारुका, श्री सुदीप अग्रवाल, श्री कैलाश मोदी, श्री मुरारी माउंडिया, श्री प्रेम बजाज, श्री सुनील कोठीवाल, श्री वरुण दारूका सहित मारवाड़ी जिला सम्मेलन के अन्य गणमान्य सदस्य उपस्थित रहे।

इस अवसर पर शिविर में दुमका जिला मारवाड़ी सम्मेलन की भारी संख्या में महिला सदस्याएं उपस्थित रहीं श्री मति पूर्व नगर अध्यक्ष अमिता रक्षित योगगुरु सोना शर्मा, श्रीमती सीमा

अग्रवाल, श्रीमती निधि भालोटिया, श्रीमती सुनीता भुवानिया, श्रीमती कविता मोदी, श्रीमती रश्मि निहारिया, श्रीमती अलका झुंझुनवाला, श्रीमती नूतन भालोटिया, श्रीमती अंजना पटवारी, श्रीमती मानसी मोदी, श्रीमती किरण भालोटिया, श्रीमती सरोज झुंझुनवाला, श्रीमती ज्योति केडिया, श्रीमती प्रीति भालोटिया, श्रीमती भारती शर्मा, श्रीमती संगीता अग्रवाल, श्रीमती दीपाली भालोटिया, श्रीमती सीमा सिंघानिया, श्रीमती सुमन जलान, श्रीमती नीतू अग्रवाल, श्रीमती लीना हिम्मत सिंहका, श्रीमती सोनम दारुका, श्रीमती पूनम अग्रवाल श्रीमती कृष्णा अग्रवाल एवं अन्य भी काफी सदस्याएं उपस्थित थी।

श्री दीपक अग्रवाल शाखाध्यक्ष निर्वाचित

मारवाड़ी सम्मेलन गोलमुरी शाखा की वार्षिक आम सभा २ जून २०२६ को श्री शिव मंदिर गोलमुरी में संपन्न हुई। सभा का शुभारंभ शाखा अध्यक्ष श्री कमल लड्ढा के स्वागत भाषण से हुआ। उन्होंने उपस्थित सदस्यों का अभिनंदन करते हुए शाखा की गतिविधियों एवं उपलब्धियों पर प्रकाश डाला।

शाखा सचिव श्री दीपक अग्रवाल ने वर्षभर में आयोजित सामाजिक, सांस्कृतिक एवं सेवा कार्यों का विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। इसके पश्चात कोषाध्यक्ष श्री राजेश अग्रवाल ने आय-व्यय का विवरण सभा के समक्ष रखा, जिसे उपस्थित सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से अनुमोदित एवं पारित किया गया।

अध्यक्ष पद के चुनाव हेतु वरिष्ठ सदस्य अधिवक्ता श्री कैलाश अग्रवाल एवं श्री दीपक कुमार अग्रवाल को चुनाव पदाधिकारी नियुक्त किया गया। अध्यक्ष पद के लिए श्री दीपक अग्रवाल, श्री शंकर अग्रवाल एवं श्री विष्णु अग्रवाल ने अपना नामांकन प्रस्तुत किया। निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार बैलेट पेपर द्वारा मतदान संपन्न कराया गया। मतगणना के उपरांत चुनाव पदाधिकारियों ने श्री दीपक अग्रवाल को सर्वाधिक मत प्राप्त कर विजयी घोषित किया।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्री दीपक अग्रवाल को उपस्थित सदस्यों ने हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

प्रांतीय स्थायी समिति की बैठक

झारखंड प्रांतीय मारवाड़ी सम्मेलन की चतुर्थ स्थायी समिति की बैठक १३ जून २०२६ को प्रांतीय अध्यक्ष सुरेश चंद्र अग्रवाल की अध्यक्षता में मारवाड़ी भवन स्थित प्रांतीय कार्यालय में संपन्न हुई। बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों की समीक्षा, गत बैठक की कार्यवाही की पुष्टि तथा आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। बैठक के प्रारंभ में स्वागत संबोधन करते हुए प्रांतीय अध्यक्ष सुरेश चंद्र अग्रवाल ने सम्मेलन द्वारा संचालित विभिन्न सामाजिक एवं जनसेवा कार्यों की जानकारी दी। उन्होंने आगामी १९ जुलाई को देवघर में आयोजित होने वाली कार्यसमिति की बैठक की तैयारियों एवं उसके महत्व पर भी विस्तार से प्रकाश डाला तथा सभी पदाधिकारियों एवं सदस्यों से सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया। प्रांतीय महामंत्री विनोद कुमार जैन ने सम्मेलन की ओर से गत अवधि में किए गए विभिन्न सामाजिक, संगठनात्मक एवं सेवा कार्यों का विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। वहीं प्रांतीय कोषाध्यक्ष मनोज कुमार चौधरी ने पिछले आठ माह का आय-व्यय विवरण सदन के समक्ष रखा, जिस पर सदस्यों ने संतोष व्यक्त किया। बैठक के दौरान सम्मेलन के संविधान संशोधन से संबंधित विषयों पर भी गंभीरता से चर्चा की गई। सदस्यों ने संगठन को और अधिक प्रभावी एवं सुचारु बनाने के उद्देश्य से कुछ त्रुटियों के सुधार हेतु आवश्यक निर्णय लिए। इस अवसर पर सदस्यों ने दुमका शाखा द्वारा एक साथ १०१ जोड़ों के साथ नए सदस्यों को जोड़ने की उल्लेखनीय उपलब्धि की मुक्त कंठ से सराहना की तथा शाखा के पदाधिकारियों को बधाई दी। बैठक में यह निर्णय भी लिया गया कि राज्य के सभी जिलों में जनसेवा के कार्यक्रमों को और अधिक व्यापक स्तर पर संचालित किया जाएगा तथा संगठन के विस्तार के लिए वृहद सदस्यता अभियान चलाया जाएगा। बैठक का संचालन प्रांतीय महामंत्री विनोद कुमार जैन ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन प्रांतीय वरीय उपाध्यक्ष ललित कुमार पोद्दार ने किया।

मारवाड़ी सम्मेलन के संयुक्त महामंत्री सह प्रवक्ता संजय सर्राफ ने बताया कि बैठक में कमल कुमार केडिया, ललित पोद्दार, पवन पोद्दार, मनोज चौधरी, पवन शर्मा, विनोद जैन, राजेंद्र केडिया, सज्जन पाड़िया, कौशल कुमार राजगढ़िया, प्रमोद कुमार सारस्वत, विश्वनाथ नारसरिया, निर्मल बुधिया, सुभाष पटवारी, संजय सर्राफ, विजय कुमार खोवाल, सुनील पोद्दार, प्रमोद बगड़िया, अमित बजाज, रिंकू अग्रवाल सहित अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित थे।

१४५ प्रतिभावान किये गये सम्मानित

मारवाड़ी भवन, हरमू रोड में शनिवार को रांची जिला मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इसमें शैक्षणिक, व्यावसायिक और खेल के क्षेत्रों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले १४५ प्रतिभावान छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष सज्जन पाड़िया ने की। समारोह की मुख्य अतिथि रांची विवि की कुलपति डॉ सरोज शर्मा ने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।

संबोधन में डॉ शर्मा ने कहा कि अनुशासन, परिश्रम, विनम्रता, आत्मविश्वास, धैर्य और दृढ़ संकल्प ही जीवन में सफलता की सबसे बड़ी कुंजी हैं। उन्होंने युवाओं को लक्ष्य के प्रति समर्पित रहने का संदेश दिया। विशिष्ट अतिथि वरिष्ठ अधिवक्ता आनंद पासारी ने कहा कि शिक्षा और संस्कार ही समाज की सबसे बड़ी पूंजी हैं।

समारोह में वर्ष २०२६ की सीबीएसई और आईसीएसई बोर्ड परीक्षाओं में ८५ प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले १२५ छात्र-छात्राओं को प्रतिभा प्रोत्साहन सम्मान से नवाजा गया। उच्च शिक्षा और खेल जगत में नाम रोशन करने वाले २० युवाओं को भी मोमेंटो, प्रशस्ति-पत्र और पुस्तकें भेंट की गयी। कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री निर्मल कुमार बुधिया, संयोजक विशाल पाड़िया ने और धन्यवाद ज्ञापन कोषाध्यक्ष कमलेश संचेती ने किया।

विशेष रूप से किये गये सम्मानित

एमबीए की सृष्टि, राधिका और विशाखा, सीए बनने वाले ऋषि, शिखा, हर्ष, अंकित, निशा, आकांक्षा, वेदांत व विधि पीएचडी धारक मयंक पराशर और जेट परीक्षा के वैभव विजय शामिल रहे। खेल और योग के क्षेत्र से अंश पोद्दार (कराटे), प्रसन्ना पटवारी (कुश्ती) और सीकृत अग्रवाल (योगा) को विशेष रूप से सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर कमल केडिया, पवन शर्मा, विनोद जैन, नंदकिशोर पाटोदिया, पवन पोद्दार, रमन बोडा, विश्वनाथ नारसरिया, मनोज चौधरी, किशन साबू, पंकज पोद्दार, नरेंद्र लखोटिया, राजेंद्र केडिया, प्रमोद अग्रवाल, अनिल अग्रवाल, रवि शंकर शर्मा, संजय सर्राफ, राजेंद्र अग्रवाल, प्रदीप बाकलीवाल, अशोक पुरोहित, डूंगरमल अग्रवाल, अशोक लाठ, कौशल राजगढ़िया, राजेश कौशिक, जितेंद्र जैन, किशन शर्मा, सुनील पोद्दार, नरेश बंका, विजय कुमार खोवाल, विकास अग्रवाल, अमर अग्रवाल, नारायण विजयवर्गीय, कमल शर्मा आदि सम्मेलन के पदाधिकारी, सदस्य सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं, अभिभावक और समाज के गणमान्यों ने कार्यक्रम में खास तौर से भागीदारी निभायी।

एस.पी श्रवण कुमार अग्रवाल से मुलाकात

५ जून २०२६ को उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष डॉ. सुभाष चंद्र अग्रवाल, प्रांतीय सचिव श्री संतोष कुमार अग्रवाल, प्रांतीय मंडलीय उपाध्यक्ष श्री रमेश जैन, रूपरा रोड शाखा सचिव श्री समित कुमार अग्रवाल तथा सदस्यगण श्री संजय अग्रवाल, श्री शंभू अग्रवाल, श्री अमित अग्रवाल, श्री पवन अग्रवाल (लांजीगढ़), श्री दिवेश अग्रवाल एवं श्री रिंकू अग्रवाल ने सम्माननीय सुपरिंटेंडेंट ऑफ पुलिस से भेंट की।

इस अवसर पर रूपरा रोड क्षेत्र में अपराधों की रोकथाम एवं कानून-व्यवस्था को और सुदृढ़ करने हेतु पुलिस आउट पोस्ट स्थापित करने के संबंध में एक ज्ञापन सौंपा गया। साथ ही क्षेत्र में हाल ही में हुई दो लूट एवं चोरी की घटनाओं, जिनकी जांच लंबित है, के संबंध में भी चर्चा की गई। सम्माननीय एस.पी. महोदय ने इन मामलों में शीघ्र एवं प्रभावी कार्रवाई का आश्वासन प्रदान किया।

यह महत्वपूर्ण मुलाकात प्रांतीय मंडलीय उपाध्यक्ष श्री रमेश जैन (भवानीपटना) एवं प्रांतीय सचिव श्री संतोष कुमार अग्रवाल के विशेष सहयोग से संभव हो सका।

ओएएस में रैंक चार: कनक जैन का सम्मान

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन ने ओएएस में रेंक ४ हासिल करने वाली और कनक जैन को सम्मानित किया है। उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय अध्यक्ष सुभाष अग्रवाल ने सुश्री कनक जैन को उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की ओर से सम्मानित किया। प्रंतीय अध्यक्ष डॉ. सुभाष चंद्र अग्रवाल ने कनक को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएँ एवं बधाई दिया। इस अवसर पर कनक के पिता संतोष, मामा किशन चंद, रुप्रा रोड के रिनेश अग्रवाल उपस्थित थे।

पोषित ओडिशा विकसित ओडिशा कार्यक्रम

३० मई २०२६ को उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के संबलपुर शाखा द्वारा पोषित ओडिशा विकसित ओडिशा कार्यक्रम के तहत दो आंगनवाड़ी सेंटर में जाकर करीब ६० बच्चों को फल, मैगी, बिस्किट, चॉकलेट, फ्रूटी तथा अन्य खाद्य सामग्री का वितरण किया गया। इस दौरान कार्यक्रम संयोजक श्री शंभू बरेलिया तथा निवर्तमान अध्यक्ष श्री दिनेश अग्रवाल मौजूद रहे।

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की टिटिलागड़ शाखा द्वारा देवगांव - तुषरा के नजदीक जरासिंह गांव के समीप, सालेपाली सरकारी स्कूल आश्रम (छात्रावास), में बच्चों को फल मिठाई, बिस्किट्स, चॉकलेट, कपड़े एवं चप्पल का वितरण किया गया।

छात्रावास निर्वाही अधिकारी एवं अन्य छात्रावास अधिकारियों ने बहुत आत्मीय स्वागत किया एवं बच्चों के शांति, मधुर आचरण ने हम सभी का मन मोह लिया।

आज के इस कार्यक्रम में अध्यक्ष श्री बिनोद मरोड़िया, सचिव श्री गोपाल टिबड़ेवाल, निवर्तमान अध्यक्ष श्री राजेश अग्रवाल, श्री संजय टिबड़ेवाल, श्री स्वदेश जैन, श्री शशि कपूर जैन, श्री दीपक जैन, श्री आशीष अग्रवाल (हार्डवेयर), श्री आशीष अग्रवाल (बजरंग) उपस्थित रहे।

वाटर कूलर का लोकार्पण

३० मई २०२६ को उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की संबलपुर शाखा के द्वारा परिचालित क्षेत्राजपुर स्थित सत्संग भवन में सिंघानिया परिवार द्वारा उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के बैनर तले प्रदत्त वाटर कूलर का लोकार्पण किया गया। सिंघानिया परिवार के सदस्यों के साथ निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष दिनेश अग्रवाल, शाखा अध्यक्ष श्री शीशराम अग्रवाल, श्री नवरंग लाल अग्रवाल, शाखा उपाध्यक्ष श्रीमती सरिता अग्रवाल, श्री श्याम सुंदर अग्रवाल, श्री बांके बिहारी अग्रवाल, श्री जयप्रकाश तुलस्यान, श्री कमल पंसारी, श्री वेदप्रकाश पंसारी, श्री ललित अग्रवाल, श्री राजेंद्र अग्रवाल, श्री मति बिंदु अग्रवाल तथा अनान्य प्रमुख उपस्थित थे।

वित्तीय सहायता योजना

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की योजना के तहत समाज के आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को त्वरित सहायता के रूप में ₹ १०,०००/- (दस हज़ार रुपए) की आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है।

भुवनेश्वर शाखा के तत्वाधान में श्री मनोज बाजौरिया की अध्यक्षता में १२ जून २०२६ को लाभांवित सदस्य के रूप में श्रीमती नेहा शर्मा का चयन किया गया और उनको राज्य की तरफ से भेजे गए ₹ १०,०००/- नकद राशि प्रदान की गई।

इस अवसर पर श्री कैलाश अग्रवाल (उपाध्यक्ष), सुनील शर्मा, प्रदीप चौधरी, अशोक शर्मा, शिव कुमार शर्मा, चतुर्भुज सुंदरका, राजकुमार गोस्वामी उपस्थित रहे। शाखा सचिव किशन खण्डेलवाल, अशोक अग्रवाल, राधेश्याम अग्रवाल, राष्ट्रीय अध्यक्ष, प्रांतीय अध्यक्ष तथा समस्त कार्यकारिणी सदस्यों का समर्थन प्राप्त हुआ।

गौ कुंड प्रकल्प का उद्घाटन

मारवाड़ी सम्मेलन बरगढ़ शाखा की ओर से नदी पाड़ा स्थित गणेश राम भवन परिसर में शाखा अध्यक्ष दिलीप सांवडीया के नेतृत्व में गौ कुंड प्रकल्प का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर शहर के समाज सेवी श्री ओम प्रकाश सांवडीया, श्री कैलाश प्रसाद अग्रवाल, श्री प्रेम कुमार सांवडीया, श्री पवन अग्रवाल सहित मारवाड़ी सम्मेलन के प्रांतीय महासचिव किशन लाल अग्रवाल, प्रांतीय संयोजक श्री किशोर अग्रवाल शाखा सचिव दिनेश शर्मा, शाखा कोषाध्यक्ष केशव अग्रवाल, निवर्तमान अध्यक्ष जगदीश गोलपुरिया, उपाध्यक्ष अजय रेखानी, मनोज लाठ, प्रदीप रेखानी, दशरथ अग्रवाल, महेश अग्रवाल, नरेश अग्रवाल, सरोज अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, कार्यक्रम संयोजक कन्हैया बंसल समेत अनेक सदस्य प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

अन्न भोग का आयोजन

बरपाली शीतल षष्ठी महोत्सव के अवसर पर उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की बरपाली शाखा की ओर से महा अन्न भोग का आयोजन किया गया था जिसमें करीब ५ हजार भक्तों ने प्रसाद सेवन किया। कार्यक्रम का संचालन शाखा अध्यक्ष चंदन अग्रवाल के नेतृत्व में मंडल उपाध्यक्ष विनोद अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल, सुनील अग्रवाल समेत अनेक सदस्य प्रमुख रूप से उपस्थित थे। उक्त कार्यक्रम में अतिथि के तौर पर उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष श्री दिनेश अग्रवाल, प्रांतीय महासचिव श्री किशन लाल अग्रवाल, प्रांतीय पदाधिकारी श्री किशोर अग्रवाल, श्री मनोज लाठ समेत, संबलपुर शाखा से प्रांतीय महिला प्रकोष्ठ संयोजक श्रीमती सरिता अग्रवाल प्रमुख रूप से उपस्थित रहकर अन्न भोग का संचालन किया।

INTRODUCING

manipal hospitals
LIFE'S ON

Comprehensive Cancer Care Centre

200-bed Manipal Comprehensive Cancer Care Centre, EM Bypass is one of the most advanced Cancer Care units today. The hospital is equipped with a comprehensive cancer treatment facility and provides latest cutting-edge technology along with a team of Senior Onco-Specialists.

Our Specialities:

- Organ specific Onco-Surgeons for Head & Neck, Urology, Gynaecology, Breast, Orthopaedic, GI & Thoracic, and Reconstructive Surgery
- Senior Specialists for Medical Oncology, Clinical Hematology, Hemato Oncology & Bone Marrow Transplant (BMT), Radiation Oncology, Paediatric Cancer, Nuclear Medicine
- Robotic & Advanced Microsurgery by latest version Da Vinci X Surgical Robot
- Radiation Oncology by latest TrueBeam Technology
- Advanced Onco Pathology Lab with molecular diagnosis facility

City's most Dedicated Team with Unparalleled Skill

Da Vinci X Surgical Robot

THE BRAIN OF A HUMAN AND THE HANDS OF A MACHINE

Robotic Surgeries at Manipal Hospitals offer the quickest way to heal

Manipal Hospital EM Bypass: 127 Mukundapur, E.M. Bypass, Kolkata, West Bengal 700099

www.manipalhospitals.com | 033 **6680 0000**

GAMCO
LET'S GROW
(Golden Goenka Group)

BUILDING A UNIQUE PORTFOLIO OF ASSETS

Creating sustainable value for all stakeholders

- Multi-Asset Investments
- Capital Market Investments
- Real Estate
- Warehousuing
- Structured Finaring & Secured Lending
- Investments in Emerging Companies

At Gamco, our vision is to stay successful through strategic multi-asset investments and sustainable value creation.
Our distinctive asset curation strategy makes us unique among listed companies.

GAMCO LIMITED
25A S.P. Mukherjee Road, Kolkata-700025
Phone: 03324750073
Email: gamcoltd@gamco.co.in
Website: www.gamco.co.in

पक्षियों के दाना पानी की व्यवस्था

जून २०२६ को उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन संबलपुर शाखा की महिलाओं द्वारा चिड़ियों तथा पक्षियों के दाना पानी की व्यवस्था के लिए मिट्टी के पात्र का एक औपचारिक समारोह कर प्रारंभ किया। उक्त कार्यक्रम में प्रांतीय महिला संयोजक श्रीमती सरिता अग्रवाल, प्रांतीय सदस्य श्रीमती सपना अग्रवाल, कार्यक्रम संयोजक श्रीमती मधु अग्रवाल के साथ बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित थे।

छाछ एवं ठंडे पानी का वितरण

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन की खरियार शाखा द्वारा अग्रसेन भवन खरियार के सामने मशाला छाछ एवं ठंडा पानी का वितरण किया गया, उक्त कार्यक्रम में शाखाध्यक्ष श्री नरेश छापड़िया, शाखा उपाध्यक्ष श्री सुरेंद्र तायल शाखा सचिव श्री बजरंगलाल अग्रवाल सदस्य श्री विजय सराफ, राधु गोयल, नरेश गोयल सहित बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित थे।

शरबत वितरण कार्यक्रम

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन संबलपुर शाखा की महिलाओं द्वारा जगन्नाथ मंदिर, क्षेत्राजपुर के सामने छाछ, ठंडा पानी, तथा शरबत का वितरण किया गया, उक्त कार्यक्रम में प्रांतीय महिला संयोजक श्रीमती सरिता अग्रवाल, प्रांतीय सदस्य श्रीमती सपना अग्रवाल, कार्यक्रम संयोजक श्रीमती मधु अग्रवाल, श्रद्धा अग्रवाल, ललिता शाह, ममता जिंदल, अंजू अग्रवाल, सारिका केडिया, पूनम भालोटिया, सोनू शर्मा, सरिता बरेलिया, शकुंतला अग्रवाल, संगीता जालान, श्यामा शर्मा के साथ बड़ी संख्या में सदस्य उपस्थित थे।

उपलब्धियाँ

इंदौर स्थित IPS Academy में आयोजित राष्ट्रीय प्रतियोगिता में प्रतिभाशाली पैरा शतरंज खिलाड़ी चार्वी मेहता ने ६वीं राष्ट्रीय पैरा शतरंज चैंपियनशिप के महिला वर्ग का खिताब जीतकर स्वर्ण पदक अपने नाम कर लिया है। उनकी जीत इसलिए भी विशेष है क्योंकि, इस स्पर्धा में लंबे समय से दक्षिण भारत के खिलाड़ियों का दबदबा रहा है। चार्वी ने अपने शानदार प्रदर्शन से इस वर्चस्व को तोड़ते हुए राष्ट्रीय चैम्पियन बनने का गौरव हासिल किया। बधाई!

ओएएस पाने वाले को बधाई

ओएएस के परिणामों में समाज सुश्री कनक जैन दूरैंक ४, श्री अमन गोयल- रैंक ६, सुश्री सुमन गुप्ता- रेंक १५, श्री नवीन गुप्ता - रेंक १९ प्राप्त कर समाज के गौरव को बढ़ाया है, सबको बहुत बधाई तथा पुरे परिवार का अभिनंदन।

श्री महेश कुमार अग्रवाल आईपीएस को तमिलनाडु पुलिस के डायरेक्टर जनरल नियुक्त होने पर हार्दिक बधाई।

विश्व की सबसे ऊँची चोटी माउंट एवरेस्ट (8,848.86 मीटर) पर विजय प्राप्त करने वाली उदयपुर की साहसी बेटी मनस्वी अग्रवाल को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ।

खगड़िया निवासी बिहार प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच की पूर्व प्रांतीय अध्यक्ष श्रीमती सरिता बजाज - आनंद बजाज के सुपुत्र निहाल बजाज जिन्हें १३ जून २०२६ को भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू द्वारा भारतीय सेना में नियमित सेवा में लेफ्टिनेंट के रैंक में नियुक्त किया गया है। बधाई!

प्रांतीय समाचार : उत्कल

राजघाट में दिया गया पंखा

उत्कल प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन संबलपुर शाखा के आह्वान पर तथा बुढ़ाराजा मारवाड़ी संघ के तत्वावधान में किशन टिबड़ेवाल द्वारा प्रदत्त तथा श्याम सुंदर अग्रवाल के संयोजकत्व में राजघाट में एक बड़ी एक्जास्ट फैन का लोकार्पण जून २०२६ को हुआ।

कार्यक्रम में निवर्तमान प्रांतीय अध्यक्ष दिनेश अग्रवाल, श्यामसुंदर अग्रवाल, विनय केडिया, घनश्याम अग्रवाल, शंभू बरेलिया, टेपू भाई उपस्थित थे।

प्रांतीय समाचार : उत्तर प्रदेश

रक्तदान शिविर आयोजित

उत्तर प्रदेश प्रादेशिक मारवाड़ी सम्मेलन के साकेत नगर स्थित होटल ओसियन ग्रैंड में पुलिस कमिश्नरेट एवं मारवाड़ी सम्मेलन कानपुर शाखा के संयुक्त तत्वावधान में रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने उत्साहपूर्वक रक्तदान कर मानव सेवा का संदेश दिया। अब तक करीब ४० लोगों द्वारा रक्तदान किया जा चुका है। कार्यक्रम के दौरान मारवाड़ी सम्मेलन के अध्यक्ष ओमप्रकाश अग्रवाल ने उपस्थित लोगों को रक्तदान करने की शपथ दिलाई। उन्होंने कहा कि रक्तदान महादान है और इससे जरूरतमंद लोगों की जिंदगी बचाई जा सकती है। समाज के अधिक से अधिक लोगों को इस पुनीत कार्य में भाग लेना चाहिए।

इस अवसर पर महामंत्री प्रदीप केड़िया, किदवई नगर थाना प्रभारी अशोक दुबे, वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोज अग्रवाल, कोषाध्यक्ष महेंद्र लाड़िया, शरद अग्रवाल, संजय अग्रवाल, गोपाल तुलस्यान, राकेश पोद्दार, राजेश माहेश्वरी, आशा केड़िया सहित कई लोग मौजूद रहे।

सोशल मीडिया पेज से जुड़ें

अखिल भारतवर्षीय मारवाड़ी सम्मेलन की सोशल मीडिया में उपस्थिति फेसबुक एवं इंस्टाग्राम पेज के माध्यम से प्रारंभ हो चुकी है। सभी समाज-बंधुओं से विनम्र निवेदन है कि फेसबुक : AIMF1935 व इंस्टाग्राम : allindiamarwarifederation_ को अधिक से अधिक संख्या में लाइक/फॉलो करें। इसके द्वारा हम आपसी संवाद एवं संपर्क को बढ़ावा देंगे एवं इससे सम्मेलन की सूचनाओं का आदान-प्रदान भी संभव हो पाएगा। सम्मेलन के सभी प्रांत, शाखा एवं समाज से जुड़े सभी समाज-बंधुओं से अनुरोध है कि इस सुविधा का लाभ उठाएं तथा अपने सूचना/विचार एवं कार्यक्रम की फोटो पोस्ट करने के लिए राष्ट्रीय कार्यालय में व्हाट्सएप +91 86973 17557 करके या ईमेल (aimf1935@gmail.com) में भेज सकते हैं, ताकि उपयुक्त जानकारियों को हम एक-दूसरे के साथ साझा कर सकें। इस संबंध में आपके सुझाव आमंत्रित हैं। राम ! राम !!

– **केदार नाथ गुप्ता**, राष्ट्रीय महामंत्री

'आयुर्वेद' व 'योग' वैदिक ज्ञान के परस्पर पूरक

भारतीय संस्कृति की अनमोल धरोहर

आयुर्वेद और योग दोनों ही भारतीय संस्कृति की अनमोल धरोहर हैं। जो शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के लिये एक-दूसरे के लिये सहायक हैं। आयुर्वेद हमारे शरीर के आंतरिक दोषों को संतुलित करके निरोग बनाने में मदद करता है जबकि योग हमारी जीवनशैली को अनुशासित कर शरीर, मन एवं आत्मा को सुरक्षा प्रदान करता है।

आरोग्यता और दीर्घायु के दो मुख्य स्तम्भ : स्वस्थ, स्वास्थ्य एवं शरीर के समय कल्याण के लिये आयुर्वेद एवं योग दोनों ही स्तम्भ हैं। आयुर्वेद में सही, शुद्ध एवं मात्रावत आहार, दिनचर्या, ऋतुचर्या तथा प्राकृतिक औषधियों के द्वारा हमारे शरीर को आरोग्यता प्रदान किया जाता है जबकि योग उस स्वास्थ्य (निरोगी) अवस्था को दीर्घ (लंबे) समय तक बनाये रखने में मदद करता है। इस प्रकार हम कह सकते हैं कि आयुर्वेद तथा योग दोनों ही एक दूसरे के पूरक हैं जो हमें दीर्घायु बनाते हैं। आरोग्य प्राप्ति के बाद योग अभ्यास हमारे लिये जरूरी है।

शारीरिक क्षमता और रोग प्रतिरोधक क्षमता का विकास : योग के द्वारा हमारे शारीरिक क्षमता का विकास होता है। शरीर की मांसपेशियां, हड्डियाँ मजबूत होती हैं तथा शारीरिक संधि स्थानों को सुरक्षा प्रदान होती है। योग के द्वारा (प्राणायाम) श्वसन तंत्र शक्तिशाली हो जाते हैं जिससे शरीर में प्राकृतिक रोग प्रतिरोधक क्षमता को बल मिलता है। जिससे पुराने रोगों के वापस होने की संभावना क्षीण हो जाती है।

मानसिक शांति और तनाव नियंत्रण : योग के द्वारा मानसिक शांति तथा मन पर नियंत्रण किया जा सकता है। ध्यान (Meditation) एवं प्राणायाम योग के प्रमुख घटक हैं। इसके द्वारा हम मानसिक तनाव को दूर कर सकते हैं। तनाव बहुत सी बीमारियों की जड़ होती है। अतः मानसिक संतुलन के लिये भी योग का अभ्यास हमारे लिये बहुत जरूरी है।

पाचन तंत्र, मेटाबॉलिज्म और सप्तधातु पोषण : पाचन तंत्र की चिकित्सा में आयुर्वेद की जबरदस्त भूमिका है। जबकि योगिक क्रियाभ्यास पाचन तंत्र एवं मेटाबॉलिज्म (चय-अपचय) के सक्रिय तथा दुरुस्त रखती है जिससे शरीर का पोषण उचित होता है तथा हमारे शरीर में रस आदि सप्तधातुओं का मात्रावत पोषण-कारण होता रहता है।

पंचकर्म शोधन और त्रिदोष संतुलन : आयुर्वेद के द्वारा शरीर का शोधन पंचकर्म पद्धति से किया जाता है जो शरीर के विषैले दोषों को निर्मूल करके आरोग्यता प्रदान करता है। वात-चित-कफ दोषों का संतुलन होता है। यहाँ पर योग इस संतुलित दोषों के संतुलन का प्राकृतिक रूप से स्थिर बनाये रखता है।

शास्त्रों के अनुसार पूर्ण स्वास्थ्य की परिभाषा : अच्छा स्वास्थ्य आज विश्व के लिये चुनौती बन गया है। चरक संहिता, जो आयुर्वेद का प्रामाणिक विश्वसनीय ग्रंथ है, का मत है कि धर्म-अर्थ-काम एवं मोक्ष सभी निरोगी काया (शरीर) के अधीन हैं। पहला सुख निरोगी काया है। अच्छा स्वास्थ्य दीर्घजीवन के लिये सबसे बड़ा धन है। स्वस्थ रहना सिर्फ बीमारी का न होना नहीं है, बल्कि शरीर, मन एवं आत्मा तथा इन्द्रियों के प्रसन्न होने को कहा गया है। स्वास्थ्य को परिभाषा क्या है –

"समदोषः समाग्निश्च, समधातु मल क्रियः।
प्रसन्नात्मेन्द्रिय मनः, स्वस्थ इत्यभिधीयते।।"

– सुश्रुत संहिता (सूत्र स्थान)

आधुनिक विज्ञान बनाम आयुर्वेद का दृष्टिकोण : प्रथम पंक्ति तक स्वास्थ्य की परिभाषा आधुनिक चिकित्सा विज्ञान भी स्वीकार करता है किन्तु हमारा आयुर्वेद उसको अधूरा मानता है क्योंकि जब तक हमारी आत्मा, दसों इन्द्रियाँ एवं मन प्रसन्न नहीं है तब तक हम स्वस्थ नहीं हैं। इस दूसरी पंक्ति के लिये योगाभ्यास की नितांत आवश्यकता होती है। अतः आयुर्वेद को योग से अलग नहीं किया जा सकता है। आयुर्वेद में 'स्वस्थस्य स्वास्थ्य रक्षणम्' एवं 'आतुरस्य विकास प्रशमनं' को उद्देश्य कहा गया है। अर्थात् स्वस्थ व्यक्ति के स्वास्थ्य की रक्षा और रोगी के रोगों को दूर करना ही मूल सिद्धांत है। आयुर्वेद के इस लक्ष्य को प्राप्त करने के लिये 'योग स्तम्भ की तरह कार्य करता है।

निष्कर्ष : अतः हम कह सकते हैं कि आयुर्वेद तथा योग समग्र रूप से स्वास्थ्य कल्याण के लिये एक दूसरे के पूरक के साथ-साथ स्तम्भ भी हैं। अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की हार्दिक शुभकामना। योग और आयुर्वेद के संगम से आपके जीवन में आरोग्य, संतुलन एवं सुख-शांति बनी रहे।

– वैद्य राधेश्याम श्रीवास्तव
आयुर्वेदाचार्य कायचिकित्सक

संस्कार संस्कृति चेतना

१. प्रारंभ से ही बच्चों का विद्यालय जाने से पहले स्नान करना।
२. स्नानोपरांत संक्षिप्त प्रार्थना।
३. त्योहारों एवं सभी मांगलिक अवसरों पर घर के बड़ों के पाँव छूकर प्रणाम करना।
४. गीता एवं रामायण का अध्ययन करना एवं उनकी कहानी पढ़ना।
५. स्तुति/मंत्र कंठस्थ करना।
६. भारतीय महापुरूषों की जीवनी पढ़ना।
७. घर में मारवाड़ी में बात करना।
८. हाय हेलो, बाय-बाय, गुड मॉर्निंग की जगह राम-राम, राधे-राधे का प्रयोग करना।
९. यथा संभव सप्ताह में एक बार मंदिर जाने की आदत डालना व त्योहारों पर पारंपरिक वेश-भूषा में परिवार के साथ मंदिर अवश्य जाना।
१०. सभी अभिभावक अपने आचरण के प्रति सजग रहे ताकि बच्चों पर सकारात्मक प्रभाव पड़े।
११. नवजात शिशु को मम्मी पापा की जगह माँ बाबूजी कहने की आदत डालना।

विचार

थोथी प्रतिष्ठा और समाज की दिशा

किसी भी समाज की वास्तविक शक्ति उसके भौतिक संसाधनों में नहीं, बल्कि उसके नैतिक दृष्टि, विवेकपूर्ण नेतृत्व और सामूहिक चेतना में निहित होती है। इतिहास साक्षी है कि जब-जब समाज ने प्रतिष्ठा और योग्यता के बीच का अंतर समझने में भूल की है, तब-तब उसकी दिशा भ्रमित हुई है। आज के समय में यह प्रश्न पहले से अधिक प्रासंगिक हो उठा है कि क्या हर प्रतिष्ठित व्यक्ति वस्तव में योग्य भी होता है?

सामाजिक जीवन मे प्रतिष्ठा का अपना महत्व है। यह सम्मान, विश्वास और योगदान का प्रतीक माना जाता है। किन्तु जब प्रतिष्ठा का आधार कर्म और चरित्र के बजाय चापलूसी, प्रभाव और अवसरवाद बन जाता है, तब वही प्रतिष्ठा समाज के लिए बोझ बन जाती है। आज अनेक स्थानों पर हम देखते हैं कि कुछ लोग केवल प्रभावशाली व्यक्तियों की चाटुकारिता, कृत्रिम सक्रियता या दिखावटी सामाजिकता के माध्यम से प्रतिष्ठा अर्जित कर लेते हैं। ऐसी प्रतिष्ठा वास्तविक नहीं, बल्कि थोथी और खोखली होती है।

समस्या तब और गंभीर हो जाती है जब समाज इस कृत्रिम प्रतिष्ठा को ही नेतृत्व का आधार मानने लगता है। नेतृत्व केवल मंचों पर दिखाई देने, भाषण देने या आयोजनों में उपस्थित रहने से सिद्ध नहीं होता। एक सच्चा नेता वह होता है जो समाज की वास्तविक परिस्थितियों को समझ सके, उसकी समस्याओं की डड़ तक पहुंच सके और भविष्य के लिए स्पष्ट दिशा निर्धारित करने की क्षमता रखता है।

आज हमारे सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि समाज का एक बड़ा वर्ग सामाजिक जीवन से धीरे-धीरे निर्लिप्त होता जा रहा है। लोग यह मानकर चलने लगे हैं कि समाज के निर्णय कुछचुनिंदा लोग ही करेंगे और बाकी लोग केवल दर्शक बने रहेंगे।यह मानसिकता अत्यंत हानिकारक है। सामाजिक जीवन में सक्रिय भागीदारी का अभाव अंततः गलत नेतृत्व को जन्म देता है।

जब सजग और विवेकशील लोग मौन हो जाते हैं, तब अवसरवादी और चापलूस लोग ही आगे बढ़कर समाज के प्रतिनिधि बनने लगते हैं। वे समाज की समस्याओं के समाधान से अधिक अपने प्रभाव और प्रतिष्ठा को बनाए रखने में रुचि रखते हैं। परिणामस्वरूप समाज की ऊर्जा और संसाधन सही दिशा में उपयोग नहीं हो पाते।

समाज के लिए यह आवश्यक है कि वह प्रतिष्ठा और योग्यता के बीच का अंतर स्पष्ट रूप से समझे। केवल लोकप्रियता, धन, बाहरी सक्रियता या मंचीय उपस्थिति किसी व्यक्ति को योग्य नहीं बना देती। किसी भी नेतृत्व के मूल्यांकन का आधार उसके विचार, उसकी दृष्टि, उसके कर्म और समाज के प्रति उसकी प्रतिबद्धता होनी चाहिए।

भविष्य का पथ वही समाज तय कर सकता है जो अपने नेतृत्व के चयन में सजग और उत्तरदायी हो। यह केवल कुछ व्यक्तियों का नहीं, बल्कि पूरे समाज का सामूहिक दायित्व है। हमें यह समझना होगा कि समाज का नेतृत्व केवल सम्मान का विषय नहीं, बल्कि उत्तरदायित्व का विषय है।

इसलिए आज समय की मांग है कि समाज अपने भीतर जागरूकता, सहभागिता और विवेक की भावना को पुनः सशक्त करे। सामाजिक निर्लिप्तता को त्यागकर सक्रिय सहभागिता का मार्ग अपनाए। तभी हम यह सुनिश्चित कर सकेंगे कि समाज का नेतृत्व ऐसे हाथों में जाए जो वास्तव में योग्य हों और जो वर्तमान की चुनौतियों को समझते हुए भविष्य की दिशा निर्धारित करने की क्षमता रखते हों।

– **उमेश खंडेलिया**, असम

(लेखक के निजी विचार – संपादकीय सहमति अनिवार्य नहीं)

।। सम्मेलन गीत।।

मारवाड़ी संस्कृति है आपणी पहचान,
मारवाड़ी संस्कृति क र पुरखाँ को सम्मान,
मारवाड़ी म समाहित हर समाज समान,
मारवाड़ी सम्मेलन है आपणो अभिमान,
आवो आपां सब मिलकर, एक संकल्प उठावां हो
सम्मेलन न एक मज़बूत स्तम्भ बनावा हो।

सन ३५ म गठन हुयो और लक्ष्य समाज सुधार,
और समाज उत्थान साथ म करां राष्ट्र निर्माण,
बड़ा बड़ा ज्ञानी-दानी, संगठन न मजबूत बनायो,
लोग लुगायां टाबरिया, सम्मेलन रो मान बढ़ायो,
आवो आपां सब मिलकर, एक संकल्प उठावां हो
सम्मेलन न एक मज़बूत स्तम्भ बनावा हो।

संगठन, शिक्षा सहयोग, सम्मेलन री है पहचान,
समाज रा व्यक्तित्व और ज्ञानी न देवे सम्मान,
संस्कृति अर संस्कारां रो रक्षक सम्मेलन थारो,
मायड़ भाषा क़ प्रसार रो बीड़ो सदा उठायो,
आवो आपां सब मिलकर, एक संकल्प उठावां हो
सम्मेलन न एक मज़बूत स्तम्भ बनावा हो।

पुरखाँ री सूझ बुझ न आपां शीश नवावां हो,
आओ आपां सब मिल सम्मेलन से हाथ मिलावां हो,
आओ आपां सब मिलकर, समाज ने मजबूत बनावां,
सम्मेलन की ताकत बण, पु र जग मं मान बढ़ावां
आवो आपां सब मिलकर, एक संकल्प उठावां हो
सम्मेलन न एक मज़बूत स्तम्भ बनावा हो।

आलेख

मायड़ भासा में भणाई - टाबरां रो अधिकार

राजस्थानी, राजस्थान रै लोगां री लोक चावती मायड़ भासा है। देश रै आजाद हुवणै सूं ही मानता खातिर तरसै। राजस्थान रा राजनेता चायै बै किणी भी राजनीतिक द मांय हुवै, सता रो सूख भोगै या प्रतिपक्ष में रेवै। कदेई राजस्थानी री मानता खातिर आगै नीं आया। किती शर्म री बात है कै जनता सूं चुण्योड़ा विधायक या सांसद आपरी मायड़ भासा राजस्थानी मांय शपथ नीं ले सकै। जद कै बै सगळा वोट तो राजस्थानी मांय मांगै। उणांनै तो सता रो सुख चाईजे। मायड़ भासा चायै मानता खातिर तड़पती रेवौ। उणांनै कोई फरक नीं पड़ै। केई बरस पैलां राजस्थान री विधान सभा राजस्थानी नै मानता दिरावणै वास्तै अेक संकल्प पास कर'र दिल्ली मांय बैठी मरकजी हकुमत नै भिजवायो। उण बगत राजस्थान अर मरकज में अेक ही पार्टी री सरकार ही। मरकजी हकुमत पर किणी विधायक या सांसद कोई दबाव नीं बणायो। संकल्प ठण्डै बस्तै मांय पूगग्यो। हकुमत री नियत खोटी ही। राजस्थान रा पच्चीस सांसद राजस्थानी नै मानता दिरावणै वास्तै अेको कर लियो हुवतो तो राजस्थानी नै मानता कदै गी ही मिलगी हुवती।

राजस्थानी नै मानता दिरावणै वास्तै घणां ही संगठन, संघर्ष समितियां बरसां सूं तप करै, आन्दोलन कर्यो, धरना दीनां, राष्ट्रपति अर प्रधानमन्त्री नै राजस्थानी नै मानता दिरावणै वास्तै खत लिख्या, पण चिकणै घड़ै पर कद पाणी ठहरै। कीं फायदो कोनी हुयो। किती पत्र पत्रिकावां राजस्थानी नै मानता खातिर आन्दोलन चला राख्यो है। **"माणक"**, **'बिणजारो'**, **'जलते दीप'** अर **'सूरतगढ़ टाईम्स'** दैनिक युगपक्ष अर केई दूजी पत्रिकावां भी आपरी महताउ भूमिका निभा रैयी है। इणां रा सम्पादक चेतन अवस्था में है। राजस्थानी मांय लिखणै, पढ़णै आळा हेताळू अर साहित्यकारां भी आपरी अमिट छाप छोड़ी है। आपरो जुड़ाव राखै। हजारूं री तादाद मांय हर बरस लेखक राजस्थानी मांय पोथ्यां लिखै अर आपरै खर्चे पर छपवावै अर बांटै।

नूंवी शिक्षा नीति २०२० मांय आ बात मांडीजी है कै पैली सूं पांचवीं तक पढ़णै आळा टाबरां नै उणांरी मायड़ भासा मांय ही भणायो जावैगो। जका राज्यां मांय उण राज री मायड़ भासा मानता प्राप्त है, बठै तो कोई दिक्कत नीं है। जिण तर्यां पंजाब मांय पंजाबी, गुजरात मांय गुजराती, महाराष्ट्र में मराठी, असम में असमी, बंगाल में बंगाली आद। पण राजस्थान जैड़ा लूंठा राज्य में अठै री लोक चावती मायड़ भासा राजस्थानी नै कोई मानता या राज भासा रै रूप मांय नीं मानीज्यो है। अठै रै टाबरां नै मायड़ भासा मांय किण विध पढ़ायो जासी? परै देश मांय १२ करोड़ सूं बधती लोग राजस्थानी बोलै अर पढ़ै। पण राजस्थान री सरकार अर अठै रा नेता मूंडै पर ताळो लगा राख्यो है। राजस्थानी नै राज भासा नीं बणा सक्या। राज भासा बणावणो तो अठै री सरकार रो काम है। अठै रै टाबरां साथै पढ़ाई मांय अन्याय हुय रैयो है। दुख तो ओ है कै म्हारी सरकार हिन्दी नै ही मायड़ भासा मान राखी है। राजस्थान रा नेता आपरै घरै टाबरां साथै राजस्थानी में ही बात करै।

आ बात सरावणजोग है कै १२ मई २०२६ नै देश री सबसूं लूंठी अदालत सुप्रीम कोर्ट रा दो जजां राजस्थान रै नान्हां नान्हां टाबरां नै उणांरी मायड़ भासा राजस्थानी मांय नूंवीं शिक्षा नीति २०२० रै तहत पैली सूं पांचवीं तक पढ़ावणै रा निर्देश राज्य सरकार नै जारी कर्या। इण निर्देशां मांय कैयो गयो है कै राजस्थानी नै स्थानीय क्षेत्रीय भाषा रै रूप मांय मानता दी जावै। सगळा सरकारी अर निजू स्कूलां मांय चरणबद्ध तरीकै सूं राजस्थानी भासा रै विसै नै सरू कर्यो जावै। सरूआती स्तर पर राजस्थानी भासा मांय शिक्षण रो माध्यम रै रूप मांय अपनाणै रा पांवडा उठाया जावै। इण वास्तै ३० सितम्बर २०२६ तक री तारीख तैय करीजी है।

सुप्रीम कोर्ट ओ निर्देश माणक अर जलते दीप रा प्रधान सम्पादक डॉ. पदम मेहता अर कल्याण सिंह शेखावत री खास दायर याचिका माथै पारित कर्यो। सुप्रीम कोर्ट ओ भी कैयो कै टाबरां नै उणांरी मायड़ भासा में पढ़णै रै अधिकार सूं अळगो नीं राख्यो जा सकै। आदरजोग सुप्रीम कोर्ट रा निर्देश राजस्थान सरकार नै ३० सितम्बर २०२६ तक पालना रिपोर्ट देवण रो हुकम दीनों है। पण राजस्थानी हेताळुआं नै आ फिकर है कै राजस्थान सरकार नूंवी शिक्षा नीति २०२० में पैली सूं पांचवीं तक मायड़ भासा में टाबरां नै पढ़ावणै री कै नीति बणासी? या टाळ मटोळ कर सी? ओ तो सरकार री नियत पर ही है कै बा राजस्थानी नै किण विध लागू करसी या आपरै कार्यकाल रा बाकी अढ़ाई बरस रो बगत पूरो करसी।

सुप्रीम कोर्ट रै इण निर्देश रो राजस्थान रा आम लोगां जोरदार स्वागत कर्यो है। लोग सोचै है कै की तो खास है कै मोटोड़ी अदालत नै निर्देश देवणो पड़यो। राज भासा बणनै सूं लाखूं लोगां नै रोजगार मिलैलो। अठै रा नौजवान प्रतियोगी परीक्षावां मांय राजस्थानी लागू हुवणै सूं नौकरी लागसी। लागां री बोलचाल अर लिखणै री भासा राजस्थानी हुवैला।

सबसूं महताउ बात आ है कै डॉ. पदम मेहता अर कल्याण सिंह शेखावत राजस्थानी भासा नै राजभासा रै रूप मांय सुप्रीम कोर्ट सूं राजस्थान सरकार सूं लागू करवाणै रो दम भर्यो है। डॉ. पदम मेहता रो नाम राजस्थानी नै लागू करवाणै रै आगूवान साहित्यकारां अर संघर्ष करणै आळां री पैली कतार में लियो जासी। जै राजस्थान, जै राजस्थानी।

– रामजी लाल घोड़ेला
लूनकरनसर, बीकानेर,
राजस्थान

आत्मनिर्भरता का भ्रम और बिखरते परिवार

– राजेश थरड़

आज मैं आपसे उस विषय पर संवाद कर रहा हूँ जो हमारे अस्तित्व की जड़ों से जुड़ा है। अक्सर हम मानते हैं कि हमारे परिवारों का बिखरना पश्चिमी सभ्यता की कोई अंधी नकल है, लेकिन सच इससे कहीं अधिक गहरा है। आज अकेले रहना, बड़े शहरों की चकाचौंध में खो जाना और अपनी आज़ादी की ज़िद हमारी नई पीढ़ियों–मिलेनियल्स (१९८१ से १९९६ के बीच जन्मे लोग) और जेन-जी (१९९७ से २०१२ के बीच जन्मे लोग)–के खून में रच-बस चुकी है। यह अब कोई बाहरी बीमारी नहीं, उनका स्वभाव बन गया है। जिसे ये पीढ़ियाँ अपनी आत्मनिर्भरता और प्रगति समझ रही हैं, हमें ठहरकर सोचना होगा कि क्या वह दरअसल एक जलते हुए घर की लपटें तो नहीं? क्या हम अनजाने में उसी ऐतिहासिक खाई में कूद रहे हैं जहाँ से समाज कभी लौट नहीं पाता?

यहाँ शुरुआत में ही यह स्पष्ट कर देना अत्यंत आवश्यक है कि यह विमर्श हमारी बेटियों की उच्च शिक्षा, उनकी प्रतिभा या उनके डॉक्टर, सीए, वैज्ञानिक और प्रशासनिक पदों पर पहुँचने की योग्यता का विरोध कतई नहीं है–उनकी सफलताएँ समूचे राष्ट्र का गौरव हैं। यह आलेख दरअसल उस चालाक कॉर्पोरेट और बाज़ारवादी व्यवस्था पर एक गंभीर सवाल है जो सशक्तिकरण के सुंदर मुखौटे की आड़ में हमारे पारिवारिक ढांचे को तोड़ रही है।

१. मातृशक्तिः परिवार का 'जागृत सूर्य' और चेतना

सृष्टि का नियम है–सौरमंडल के केंद्र में 'सूर्य' होता है और बाकी सारे ग्रह उसकी आकर्षण शक्ति के कारण एक निश्चित अनुशासन में रहते हैं। स्त्री हमारे परिवार का वह 'जागृत सूर्य' है। वह केवल एक व्यक्ति नहीं, वह साक्षात् करुणा, धैर्य और भावनात्मक संबल का वह अटूट स्तंभ है जिसके बिना कोई भी परिवार अधूरा है।

एक घर की चारदीवारी तब जीवित होती है जब उसमें स्त्री की ममतामयी उपस्थिति होती है। वह परिवार का वह संबल है, जो सुख में साथ और संकट में ढाल बनकर खड़ी रहती है। आज का तकनीकी युग और बाज़ार नई पीढ़ी को यह पट्टी पढ़ा चुका है कि अपनी स्थापित कक्षा छोड़कर भटकना ही आज़ादी है। लेकिन कड़वा सच यह है कि जिस दिन सूर्य अपनी जगह छोड़ देगा, उस दिन पूरे पारिवारिक सौरमंडल में केवल अंधेरा और विनाश बचेगा। घर की धुरी बनकर जो सुख और संस्कार मातृशक्ति समाज को दे सकती है, उसकी तुलना कॉर्पोरेट की किसी नौकरी से नहीं की जा सकती। समाज जब तक स्त्री के इस गृह-प्रबंधन और मातृत्व को सर्वोच्च सम्मान नहीं देगा, तब तक परिवारों का यह बिखराव थमेगा नहीं।

२. गृह-प्रबंधनः एक महान उत्तरदायित्व और 'सांस्कृतिक पूँजी' का निर्माण

हमें इस हीनभावना से बाहर निकलना होगा कि केवल नौकरी करना और पैसे कमाना ही आत्म-सम्मान है। सच तो यह है कि घर संभालना अपने आप में किसी भी नौकरी से कहीं अधिक बड़ा, गरिमापूर्ण और रचनात्मक उत्तरदायित्व है। एक पीढ़ी का निर्माण करना, घर को संस्कारों का मंदिर बनाना और पूरे परिवार के मानसिक व शारीरिक स्वास्थ्य की रक्षा करना एक संपूर्ण जीवन-साधना है।

आज की पीढ़ियाँ अक्सर एक तर्क देती हैं– "हम दोनों कॉर्पोरेट नौकरियों में चौबीस घंटे खट रहे हैं, महानगरों के फ्लैटों में रह रहे हैं, फिर भी हमारे बच्चे संस्कारी हैं।' निश्चित रूप से, ऐसे परिवार प्रशंसनीय हैं, लेकिन हमें यहाँ एक कड़वी हकीकत को स्वीकार करना होगा। आज की नई पीढ़ी के पास जो थोड़े-बहुत नैतिक मूल्य, सामाजिक सरोकार और संस्कार बचे हैं, वे दरअसल उनके ठीक पहले वाली पीढ़ी–यानी उनके माता-पिता–के आजीवन किए गए अनथक संघर्ष, त्याग और समर्पण की संचित पूंजी का ब्याज मात्र है। उस पिछली पीढ़ी के माता-पिता ने खुद को पूरी तरह खपाकर, अपनी इच्छाओं की बलि देकर इन बच्चों को पाला और सुसंस्कृत बनाया है।

प्रश्न यह है कि क्या आज की आधुनिक पीढ़ी अपनी अगली जनरेशन के लिए वैसी ही सांस्कृतिक पूँजी छोड़कर जा रहे हैं? जब घर की धुरी ही रात-दिन के व्यावसायिक संघर्षों में पूरी तरह निचोड़कर थकी-हारी घर लौटेगी, तो वह धैर्य कहाँ से आएगा जो अगली पीढ़ी के मानसिक स्वास्थ्य के लिए अनिवार्य है? यहाँ पुरानी पूँजी खर्च हो रही है, पर नई पूँजी का निर्माण रुक गया है। जब तक कोई अपरिहार्य आर्थिक मजबूरी न हो, तब तक इस सांस्कृतिक पूँजी को बाज़ार के हवाले करना आत्मघाती है।

३. पुरुष से प्रतिस्पर्धा की व्यर्थताः स्त्री की स्वाभाविक श्रेष्ठता

आधुनिक विमर्श का सबसे बड़ा दोष यह है कि उसने स्त्री को पुरुष के समकक्ष खड़ा करने की होड़ में उसकी मौलिक दिव्यता को ही कमतर कर दिया। सच तो यह है कि महिलाओं को पुरुषों से किसी भी प्रकार की प्रतिस्पर्धा करने की आवश्यकता ही नहीं है, क्योंकि दोनों के बीच कोई तुलना संभव ही नहीं है।

स्त्रियाँ पुरुषों की तुलना में कहीं अधिक संवेदनशील, समझदार और एक साथ कई कार्यों को कुशलतापूर्वक संभालने की क्षमता से संपन्न होती हैं। प्रकृति ने उन्हें सृजन की शक्ति दी है, जो पुरुषों के पास नहीं है। पुरुषों से होड़ करने के चक्कर में स्त्रियाँ अपनी उस अद्वितीय और उच्च प्रकृति को खो रही हैं, जो उन्हें समाज में पूजनीय बनाती है।

यहाँ समाधान किसी कानून में नहीं, बल्कि 'परस्पर पूरकता' के सिद्धांत में है। पुरुष और स्त्री प्रतिद्वंदी नहीं, पूरक हैं। पुरुष को घर के भीतर स्त्री के निर्णयों का सम्मान करना होगा, और घर के दायित्वों को केवल स्त्री का कर्तव्य न मानकर, उसमें सहर्ष सहयोगी बनना होगा। जब तक परिवार में एक-दूसरे के प्रति क्षमा और सहयोग का भाव नहीं होगा, तब तक घर, घर नहीं बन सकता।

४. स्त्री सशक्तिकरण या दोहरा शोषण? पद-प्रतिष्ठा का छलावा

यहाँ आज की पीढ़ी एक बहुत ही आकर्षक तर्क देती हैं– 'जब देश में महिलाएँ प्रधानमंत्री, राष्ट्रपति, वैज्ञानिक और कॉर्पोरेट लीडर्स बन रही हैं, तो इतनी उच्च शिक्षित महिला घर में क्यों रहे? क्या यह उनके टैलेंट का अपमान नहीं है?'

यह तर्क ऊपर से जितना सुंदर दिखता है, अंदर से उतना ही खोखला है। जब कोई असाधारण महिला देश के सर्वोच्च राजनीतिक या प्रशासनिक पद पर पहुँचती है, तो वह समूचे राष्ट्र का गौरव होती है। लेकिन बाज़ार ने इस चुनिंदा शीर्ष गौरव का इस्तेमाल एक विज्ञापन की तरह किया। बाज़ार ने इसकी आड़ लेकर करोड़ों मध्यवर्गीय और उच्च शिक्षित महिलाओं को यह भ्रम बेच दिया कि आठ-नौ घंटे कॉर्पोरेट दफ्तर में किसी अजनबी बॉस की चाकरी करना ही एकमात्र सशक्तिकरण है।

आज कड़वा सच यह है कि जिसे हम सशक्तिकरण कह रहे हैं, वह अधिकांश महिलाओं के लिए दोहरा शोषण बन चुका है। पढ़ी-लिखी महिला बाहर जाकर पुरुषों की तरह व्यावसायिक और मानसिक तनाव झेलती है, और घर लौटकर आंतरिक गृह-प्रबंधन तथा बच्चों के पालन-पोषण की पूरी ज़िम्मेदारी भी उसी के कंधों पर आ जाती है। बाज़ार ने उन्हें 'सुपरवुमन' का एक ऐसा छलावा थमा दिया है जो उन्हें चौगुने श्रम की ओर धकेलता है। उच्च शिक्षा का उद्देश्य केवल नौकरी का बुलावा पत्र पाना नहीं, बल्कि समाज को विवेकवान बनाना है। एक उच्च शिक्षित माँ जब स्वेच्छा से घर की कमान संभालती है, तो वह अपनी शिक्षा और समझ से एक सुसंस्कृत पीढ़ी का निर्माण करती है। किसी कंपनी के लिए टार्गेट

(क्रमशः अगले अंक में)

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत !

आजीवन सदस्य

श्री नयन अग्रवाल पी.एच.जी.सी. पथ, डेरगाँव, गोलाघाट, असम मो. ९८६४५४६९१०	**श्रीमती नीलू शर्मा** बोरगोला मार्केट, बिस्वनाथ चार्ली, सोनितपुर, असम मो. ८४०२०३७१९९	**श्रीमती निशा बंसल** नारायण नगर, गुवाहाटी, असम मो. ९८६४०६२५५९	**श्री ओम प्रकाश जैन** करीमगंज बाज़ार करीमगंज, असम मो. ९३९४१२९३९८	**श्री पवन कुमार जैन** मेन रोड, नहरलगुन, पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश मो. ९४३६०४१२१३
श्रीमती नीलम अग्रवाल भरालूमुख, गुवाहाटी, असम मो. ९८६४६३६७४१	**श्रीमती निर्जा खाटूवाला** न्यू चार्ली, राहा नगाँव, असम मो. ९४३५०६००३३	**श्रीमती निशा दुग्गड़** नाहरलगुन, ईटानगर, पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश मो. ७००५९१९४२७	**श्री ओम प्रकाश जैन (सेठी)** सीएसडी आर्मी गेट के पास दीमापुर, असम मो. ९४३६००२९७१	**श्री पवन कुमार खेमका** न्यू मार्केट, तिनसुकिया, असम मो. ९४३५०३७९१०
श्रीमती नीलम देवी सरावगी मेसर्स - विजय ट्रेडर्स मेन रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ९४३५७४०४४०	**श्री निर्मल बेताला** उत्तर बोंगाईगाँव बोंगाईगाँव, असम मो. ९८६४५४०४५४	**श्रीमती निशा सरिया** शिवम नगर कॉलोनी, चापागुड़ी रोड, बोंगाइगाँव, असम मो. ९८६१००४७१०	**श्री पंकज संचेती** मेन रोड, ढेकियाजुली सोनितपुर, असम मो.	**श्री पवन तापड़िया** चापागुड़ी रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ९४३५०२२१८७
श्रीमती नीलम जैन ए सेक्टर, नाहरलगुन पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश मो. ९६१२६४७७६३	**श्री निर्मल जैन** उदय पुष्प वाटिका, चापागुड़ी रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ९१०१७३३६३९	**श्री नितिन मूंदड़ा** एस.एम.एस. रोड, हैबरगाँव नगाँव, असम मो. ९४०१८१३९४०	**श्री पन्नालाल दुग्गड़** गुरुनानक नगर, चापागुड़ी रोड, बोंगाइगाँव, असम मो. ९४३५०२३४३५	**श्रीमती पायल अग्रवाल** रूपा नगर, कुमार पाड़ा गुवाहाटी, असम मो. ९४३५११२६०९
श्रीमती नीता अग्रवाल मेसर्स-गोयल एजेंसीज, ए.ओ. सी. रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ९४३५१२०८६३	**श्री निर्मल कुमार अग्रवाल** एम.जी. पथ, कामरूप, असम मो. ९१०१५९५९१५	**श्रीमती नीतू अग्रवाल** एन.टी. रोड, उत्तर लखीमपुर लखीमपुर, असम मो. ७६७०००००४५५	**श्री परमेश्वर लाल पारीक** मेसर्स- शर्मा राइस मिल तुपाकुची, राहा, नगाँव, असम मो. ७००२३८८२२८	**श्रीमती पायल बोथरा** नहरलगुन, ईटानगर, पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश मो. ९८६३३४७६११
श्रीमती नीतू अग्रवाल मेसर्स- अग्रवाल स्टोर्स मेन रोड, बोंगाईगाँव, असम मो: ९४३५७१९१८८	**श्री निर्मल कुमार भूरा** द्वारा- अजय ट्रेडर्स, सिलचर रोड, करीमगंज, असम मो: ९४३५०७५२००	**श्रीमती नीतू अग्रवाल** ए-सेक्टर, नाहरलगुन पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश मो. ९४३६०४४४९८	**श्री परमेश्वर लाल शर्मा** मेसर्स - साउल राइस मिल जागीरोड, मोरीगांव, असम मो. ९८६४४५०४८२	**श्रीमती पायल जैन** नहरलगुन, ईटानगर, पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश मो. ९४३६०४२५७१
श्रीमती नेहा जैन सुभाष कॉम्प्लेक्स मेन रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ८१३४८९१००१	**श्री निर्मल कुमार सरावगी** मेसर्स - सोनम एंटरप्राइज, ए. डी.सी. रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ९४३५०२१७७५	**श्रीमती नीतू भटेरा** शिवम नगर कॉलोनी, चापागुड़ी रोड, बोंगाइगाँव, असम मो. ९३६५८०६१०८	**श्रीमती पार्वती देवी अग्रवाल** ए-सेक्टर, नाहरलगुन, ईटानगर पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश मो. ९४३६०४१६९१	**श्री फूल चंद जांगिड़** उदय पुष्प वाटिका, चापागुड़ी रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ९४३५१२२०४१
श्रीमती नेहा पंवर कोचगाँव, बिस्वनाथ चार्ली सोनितपुर, असम मो: ७४१३०१३८१३	**श्रीमती निर्मला अग्रवाल** ब्लॉक-बी, ४बी, उल्लूबाड़ी गुवाहाटी, असम मो. ९४३५१११२४५	**श्रीमती नीतू तुवानी** चापागुड़ी रोड, बोंगाइगाँव बोंगाइगाँव, असम मो. ९७०६०५९५६७	**श्री पवन कुमार अग्रवाल** स्टेशन रोड, करीमगंज, असम मो. ९४३५७२३७५९	**श्रीमती पिंकी चिरानिया** शास्त्री रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ९७७९६४२३०४
श्री नेमी चंद शर्मा ए-सेक्टर, नाहरलगुन पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश मो. ८४१४८१८८३९	**श्रीमती निर्मला दुग्गड़** अमीनगाँव, गुवाहाटी, असम मो. ९९२४७५५५५२	**श्री ओम प्रकाश अग्रवाल** पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश मो. ९४३६०४१६९१	**श्री पवन कुमार अग्रवाल** भारत भूषण पथ, पोस्ट - डूमडूमा, तिनसुकिया, असम मो. ९४३५८९०५८९	**श्रीमती पिंकी बेगानी** भरालीमुख, गुवाहाटी, असम मो. ९७०६३९८६८९
श्रीमती निकिता राठी ठाकुरबाड़ी रोड, उत्तर लखीमपुर, लखीमपुर, असम मो. ८८३८३२८३८२	**श्रीमती निर्मला जैन** उदयपुष्प वाटिका, उत्तर बोंगाईगाँव, बोंगाईगाँव, असम मो. ७५७७००५५७०	**श्री ओम प्रकाश अग्रवाल** रंकावत मार्केट, ए.टी. रोड, गुवाहाटी, असम मो. ९४३५०४९९४९	**डॉ. पवन कुमार बजाज** जालान नगर, डिब्रूगढ़, असम मो. ९४३५०३१५३७	**श्रीमती पिंकी सरावगी** मेसर्स- सोनम एंटरप्राइज, ए. ओ. सी. रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ९४३५७४०३३४
श्रीमती नीलम जैन ईटानगर, पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश मो. ९८९९५८४४९४	**श्रीमती निर्मला कायल** राजगढ़ रोड, भांगागढ़, गुवाहाटी, कामरूप, असम मो. ९८६४७५४१९०	**श्री ओम प्रकाश गुर्जर** एल.आई.बाली रोड, धेमाजी, असम मो. ७००२२९०७८५	**श्री पवन कुमार डूंगरवाल** पुराना चार्ली, राहा, नगाँव, असम मो. ९९५७१२०८०८	**श्री पीयूष सुराना** नॉर्थ बोंगाईगाँव, बोंगाईगाँव, असम मो. ९४३५०२०१८२
श्रीमती नीलिमा जैन मेसर्स - मार्बल एंड मार्बल्स बोंगाईगाँव, असम मो. ९९५४०२१६४६	**श्रीमती निशा अग्रवाल** मेसर्स - टी.आई.टी. क्लॉथ शॉप, ढाकापट्टी, नगाँव, असम मो: ९४३५१६४७२८	**श्री ओम प्रकाश हरलालका** मेसर्स - भवानी ट्रेडर्स मेन रोड, बोंगाइगाँव, असम मो. ९४३५५११५२५	**श्री पवन कुमार हेमानी** मेसर्स – पी.पी. एंटरप्राइजेज एल.बी. रोड, धेमाजी, असम मो. ९९५४८८५९४३	**श्रीमती पूजा अग्रवाल** के.सी. रोड, छत्रीबाड़ी कामरूप, असम मो. ९६१३२६९५३९

सम्मेलन में नए सदस्यों का स्वागत !

आजीवन सदस्य

श्रीमती पूजा जोशी एन पी पथ, क्रिश्चियन बस्ती, गुवाहाटी, असम मो. ६००३९२२१०६	**श्री प्रकाश खेतान** न्यू चार्ली, राहा, नगाँव, असम मो. ८६३८७४२८७७	**श्रीमती प्रेम लता नाहटा** ए.टी. रोड, भरालुमुख गुवाहाटी, कामरूप, असम मो. ९४३५७७७७७७	**श्रीमती पुष्पा शर्मा** ओल्ड फायर ब्रिगेड छत्रीबाड़ी, गुवाहाटी, असम मो. ९३६५१०१४१४	**श्री राजेश अग्रवाल** राजगढ़ रोड, बायलेन - ११ कामरूप, असम मो. ९४०१२५०३५८
श्रीमती पूजा निमोदिया नारायण नगर, कामरूप, असम मो. ९७२६५६७४७१	**श्री प्रकाश कुमार बैद** ए.टी. रोड, तिनसुकिया, असम मो. ९४३५३३९३२०	**श्रीमती प्रेम लता सिंघानिया** जय नारायण रोड, चाय गली, फैंसी बाजार, गुवाहाटी, असम मो. ९७०७०२१११९	**श्रीमती पुष्पा सोनी** गुवाहाटी, असम मो. ८८७६५४६०९९	**श्री राजेश अगरवाला** पुराना चार्ली राहा, नगाँव, असम मो. ८७५३९०७३३०
श्रीमती पूनम शर्मा सी-सेक्टर, नहरलगुन, पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश मो. ८४८७४३००९८	**श्री प्रकाश कुमार बोथरा** चापागुड़ी रोड, बोन्गाईगाँव, असम मो. ९७०६०२२३०१	**श्रीमती प्रीति बैद** छत्रीबाड़ी, गुवाहाटी, असम मो. ९३६५८०६१४२	**श्रीमती राधा देवी तापड़िया** सुपर मार्केट, ईटानगर, पापुम पेयर, अरुणाचल प्रदेश मो. ९४३६२५१८१९	**श्री राजेश चांडक** रेलवे गेट के पास, जागीरोड, मरीगाँव, असम मो. ९७०६६४३३६
श्रीमती प्रभा लुनिया मेसर्स - शोभा इलेक्ट्रॉनिक्स स्टेशन रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ७००२२११९७९	**श्रीमती प्रकाश सुरेखा** बोन्गाईगाँव, असम मो. ९४०१२०९१५०	**श्रीमती प्रीति खेमका** बायलेन ५, तरुण नगर गुवाहाटी, असम मो. ९८६४०३२३५६	**श्रीमती राधिका मित्तल** पोस्ट ऑफिस लेन छत्रीबाड़ी, गुवाहाटी, असम मो. ८९३६००९६१०	**श्री राजेश हरलालका** फाटासिल अंबाड़ी तिनाली कामरूप, असम मो. ९८६४१५१२५१
श्री प्रभाष कुमार अग्रवाल सुहागपुर, रेहाबाड़ी, गुवाहाटी, असम मो. ९४३५०२२२८९	**श्रीमती प्रमिला बोथरा** मेसर्स- कणी तारा एंटरप्राइजेज पगलास्थान, बोन्गाईगाँ, असम मो. ९४३५७७३३१३	**श्रीमती प्रियंका कुंडालिया** ए.टी. रोड, उषा बिल्डिंग के सामने, गुवाहाटी, असम मो. ८७२३८६१२३१	**श्री राहुल लोहिया** एच.आर.बी.पथ, क्रिश्चियन बस्ती, गुवाहाटी, असम मो. ९४३५५५८५७६	**श्री राजेश जैन** मेसर्स - जैन होटल जागीरोड, मोरीगाँव, असम मो. ९४३५०६४५७८
श्री प्रबीण संचेती मेन रोड, ढेकियाजुली सोनितपुर, असम मो. ७८९६८५०५८८	**श्री प्रमोद अग्रवाल** ठाकुरबाड़ी रोड, होजाई नगाँव, असम मो. ९४३५१६८७८४	**श्रीमती पूजा अग्रवाल** एन.टी. रोड, उत्तर लखीमपुर, लखीमपुर, असम मो. ९४३५१८६८८८	**श्री राज कुमार अग्रवाल** ओल्ड ए.टी. रोड, डूमडूमा तिनसुकिया, असम मो. ९४३५१३३९००	**श्री राजेश कुमार अग्रवाल** मेसर्स - अग्रवाल ट्रेडिंग कंपनी, तिनसुकिया, असम मो. ९४३५१३४१४५
श्री प्रदीप कुमार जालान क्रिश्चियन बस्ती, गुवाहाटी, असम मो. ९४३५५५२०२२	**श्री प्रमोद कुमार गोलछा** करकट बस्ती, जागीरोड मोरीगाँव, असम मो. ८६३८०१०७४८	**श्री पूनम चंद भार्गव** द्वारा - शनि मंदिर गेट नंबर-५, सोनितपुर, असम मो. ९९५४३७३२०	**श्री राज कुमार अग्रवाल** मेन रोड, डूमडूमा, तिनसुकिया, असम मो. ९४३५०३०२५९	**श्री राजेश कुमार जैन** मेसर्स - पद्मावती एंटरप्राइज गिरीश रॉय पथ, बोंगाईगाँव, असम मो. ९४३५०२०३८१
श्री प्रदीप महेश्वरी के.बी. रोड, उत्तर लखीमपुर, लखीमपुर, असम मो. ९७०७१७९२२१	**श्री प्रमोद सेठी** एन.एच.-१५, मेन रोड लखीमपुर, असम मो. ९५०८३६६९४२	**श्री पुनीत सुराणा** टी.आर.पी. रोड, फैंसी बाजार, कामरूप, असम मो. ९४३५५५५३७१	**श्री राज कुमार अग्रवाल** ए.ओ.सी. रोड बोंगाईगाँव, असम मो. ९४३५०२१२४१	**श्री राजेश कुमार प्रजापत** राहा बाजार, नगाँव, असम मो. ८६३८२७३६६७
श्री प्रदीप मारोदिया पलटन बाजार, डिब्रूगढ़, असम मो. ९४३५१३०५९३	**श्री प्रशांत अग्रवाल** टी.पी. रोड, हैबरगाँव नगाँव, असम मो. ८४७३९२९३२४	**श्री पूरन मल मोदी** ओल्ड ए.टी. रोड, डूमडूमा तिनसुकिया, असम मो. ९७०६५४४४८५	**श्री राज कुमार बजाज** द्वारा - बालाजी डिस्ट्रीब्यूटर्स चापागुड़ी रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ९८६४१६७९४३	**श्री राजेश लुनावत** फायर ब्रिगेड गली छत्रीबाड़ी, कामरूप, असम मो. ९८६४८६०७९३
श्री प्रदीप कुमार बैद मेसर्स - संपत ऑटोमोबाइल बाटा मोड़, बोन्गाईगाँव, असम मो. ९४३५०२०१४४	**श्री प्रतीक गिनोरिया** ए.टी. रोड, देरगाँव गोलाघाट, असम मो. ७००२२१५४७०	**श्री पुरुषोत्तम प्रसाद शर्मा** न्यू चार्ली, राहा, नगांव, असम मो. ९४३५१६११५४	**श्री राज कुमार जाजोदिया** मेन रोड, बड़ा बाजार, बोंगाईगाँव, असम मो. ९४३५७२५९१५	**श्री राजीव कुमार अगरवाला** गांधी चौक, डूमडूमा तिनसुकिया, असम मो. ८१३३८१९०६५
श्री प्रदीप कुमार पाटनी (जैन) एस.एस. रोड, फैंसी बाजार गुवाहाटी, असम मो. ७३९९०८१२५२	**श्री प्रवीण लखोटिया** वी.आई.पी. कॉलोनी, चापागुड़ी रोड, बोन्गाईगाँव, असम मो. ९४३५७४०३८७	**श्री पुरुषोत्तम प्रसाद जोशी** सदाबहार कॉलोनी बोरीगांव, जोरहाट, असम मो. ७००२६००४१३	**श्री राज शेखर अग्रवाल** १७६, एफ.ए. अली रोड कुमारपाड़ा, गुवाहाटी, असम मो. ९७०६०६६००४	**श्रीमती राजकुमारी लुनिया** मेसर्स - राहुल ट्रेडिंग कंपनी चापागुड़ी रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ९४३५७०१८६१
श्री प्रकाश भंसाली बोन्गाईगाँव, असम मो. ९४३५८२९९४०	**श्रीमती प्रीति सेठिया** शास्त्री रोड, बोन्गाईगाँव, असम मो. ७००२२०२३५९	**श्रीमती पुष्पा प्रजापत** मेसर्स - हेमंत आयरन स्टोर बोंगाईगाँव, असम मो. ९४३५४१६२३१	**श्री राजीव अग्रवाल** चापागुड़ी रोड, बोंगाईगाँव, असम मो. ७००२८०२७१४	**श्रीमती रजनी शर्मा** गुवाहाटी, असम मो. ७५७६००५८९८

RUPA
FRONTLINE
YEH STYLE KA
MAMLA HAI!
SCAN & EXPLORE
Toll-free No.: 1800 1235 001
www.rupaonlinestore.com
Follow Us:
We are also available at:
amazon | Flipkart | JioMart

REGISTERED Postal Registration
No. KOLRMS/93/2024-2026
Date of Publication - 30th June, 2026
RNI Regd. No. 2866/1968

www.genus.in

Genus
energizing lives

Making society
smarter, more sustainable and liveable
with our End-to-End Smart Metering,
Power-Back & Solar Solutions

SPL-3, RIICO Industrial Area, Sitapura, Tonk Road, Jaipur-302022,
(Raj.), INDIA T. +91-141-7102400/500
metering_exports@genus.in, metering@genus.in

From :
All India Marwari Federation
4B, Duckback House
41, Shakespeare Sarani, Kolkata-17
Phone : (033) 4004 4089
E-mail : aimf1935@gmail.com